प्रयागराज, रविवार 15 फरवरी 2026 से शनिवार 21 फरवरी 2026 तक

वर्ष-14 अंक-07
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

नगर संस्करण 13

डाक पंजीयन नं. 99/2018-20

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

संक्षिप्त समाचार

कोलकाता हवाई अड्डा पर इंडिगो फ्लाइट में बम की धमकी टॉयलेट में मिले नोट से मचा हड़कंप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस हवाई अड्डे पर शनिवार सुबह इंडिगो की एक फ्लाइट में बम की आशंका जताई गई, जिसके बाद यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विमान को आइसोलेशन बे में ले जाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इंडिगो की फ्लाइट 6E-7304 कोलकाता से मेघालय के शिलांग जा रही थी और इसे सुबह 9.15 बजे रवाना होना था। एक प्रेस विज्ञप्ति में अधिकारियों ने बताया कि विमान के शौचालय के अंदर चालक दल के सदस्यों को एक पत्र मिला, जिसके कारण बम की आशंका पैदा हुई।

सीडीएस अनिल का बड़ा खुलासा नेहरू ने तिब्बत पर क्यों किया था चीन से पंचशील समझौता?

नई दिल्ली। रक्षा प्रमुख अनिल चौहान ने शुक्रवार को स्वतंत्रता के बाद के भारत-चीन संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 1954 का पंचशील समझौता, जिसके तहत भारत ने तिब्बत को चीन का हिस्सा माना था, क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने और दोनों देशों के बीच सहयोगात्मक संबंध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था। भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और तत्कालीन चीनी प्रधानमंत्री झोउ एनलाई ने पंचशील समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें दोनों देशों के बीच संबंधों को दिशा देने के लिए शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व सहित पांच सिद्धांत निर्धारित किए गए थे।

एयर इंडिया की बड़ी लापरवाही पर डीजीसीए का एक्शन, बिना प्रमिट उड़ान भरने पर लगा 1 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया पर वैध एयरवर्थनेस परमिट के बिना आठ बार एयरबस विमान उड़ाने के लिए 110,350 अमेरिकी डॉलर (लगभग 1 करोड़ रुपये) का जुर्माना लगाया है। एक गोपनीय आदेश के अनुसार, डीजीसीए का कहना है कि इस चूक से एयरलाइन पर जनता का भरोसा और कम हुआ है। यह जुर्माना एयरबस ए320 विमान से संबंधित है, जिसने 24 और 25 नवंबर को दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई और हैदराबाद के बीच कई मार्गों पर अनिवार्य एयरवर्थनेस रिव्यू सर्टिफिकेट (एआरसी) के बिना यात्रियों को यात्रा कराई।

मोदी कैबिनेट ने लिये कई अहम फैसले,पूरे देश को होगा फायदा,हर हाथ को मिलेगा काम,कम होंगे चीजों के दाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रशासन, अवसंरचना, नगरीय विकास, नवाचार और संपर्क के मोर्चे पर कई दूरगामी फैसलों को मंजूरी दी है। इन फैसलों का संदेश साफ है कि शासन की कार्यशैली को सेवा भाव से जोड़ते हुए देश को तेज विकास पथ पर आगे बढ़ाना है। सबसे प्रतीकात्मक फैसला नार्थ और साउथ ब्लॉक से नए परिसरों सेवातीर्थ और कर्तव्य भवनों में सरकारी कार्यालयों के स्थानांतरण का है। करीब एक सदी से सत्ता संचालन के केंद्र रहे ये भवन अब युगे युगीन भारत राष्ट्रीय संग्रहालय का हिस्सा बनेंगे। मोदी सरकार का कहना है कि औपनिवेशिक दौर में बने इन भवनों को विरासत के रूप में संरक्षित करते हुए प्रशासन को आधुनिक, तकनीक समर्थ और पर्यावरण अनुकूल परिसरों में ले जाना समय की मांग है। इससे कार्यकुशलता बढ़ेगी, डिजिटल शासन को गति मिलेगी और कर्मियों के लिए बेहतर कार्य परिवेश बनेगा। साथ ही संग्रहालय के रूप में विकसित होने पर ये परिसर भारत की सभ्यता यात्रा, स्वतंत्रता संघर्ष और लोकतांत्रिक विकास की कहानी आने वाली पीढ़ियों को बताएंगे।

जहां तक मंत्रिमंडल बैठक में लिये गये महत्वपूर्ण फैसलों की बात है तो आपको बता दें कि रेल क्षेत्र में तीन मल्टी ट्रैकिंग परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है जिनकी कुल लागत लगभग 18509 करोड़ रुपये है। कसारा मनमाड, दिल्ली अंबाला और बल्लारी होसापेट खंडों पर तीसरी और चौथी लाइन बिछेगी। करीब 389 किमी नेटवर्क बढ़ेगा और निर्माण के दौरान 265 लाख मानव दिवस का रोजगार सृजित होगा। इन मार्गों पर अभी भीड़ और देरी बड़ी समस्या है। अतिरिक्त लाइन से यात्री और मालगाड़ियों की आवाजाही सुगम होगी, समयपालन सुधरेगा और रसद लागत घटेगी। कोयला, इस्पात, अनाज, उर्वरक जैसे सामान की ढुलाई तेज होने से उद्योग और कृषि दोनों को लाभ होगा। अनुमान है कि तेल आयात में कमी और कार्बन उत्सर्जन में गिरावट भी होगी, जिससे पर्यावरण को सहारा मिलेगा। कई तीर्थ और पर्यटन स्थलों की पहुंच बेहतर होने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। वहीं सड़क अवसंरचना में महाराष्ट्र के घोटी त्र्यंबक मोखाडा जव्हार मनोर पालघर खंड के उन्नयन को मंजूरी मिली है। 154 किमी से अधिक लंबाई वाली इस परियोजना पर 3320 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह मार्ग औद्योगिक क्षेत्रों को द्रुतमार्गों और तटीय पट्टी से जोड़ेगा। नासिक शहर पर दबाव घटेगा, यात्रा समय कम होगा और आदिवासी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास होगा। इस परियोजना से प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से लाखों मानव दिवस का रोजगार बनेगा। इसी तरह गुजरात में राजमार्ग 56 के दो खंडों को चार लेन बनाने पर 4583 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। यह परियोजना आदिवासी बहुल जिलों की पहुंच बढ़ाएगी और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जैसे पर्यटन केंद्र तक आवागमन सुगम करेगी। यात्रा समय

तमिलनाडु में सीट बंटवारा पर कांग्रेस-डीएमके में रार, टैगोर बोले- सत्ता में हिस्सेदारी हमारा अधिकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए, कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने शनिवार को तमिलनाडु के मंत्री राजा कन्नप्पन की उस टिप्पणी का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने डीएमके द्वारा राज्य चुनावों में 170 सीटों पर चुनाव लड़ने के बावजूद 160 सीटें जीतने की बात कही थी। टैगोर ने अपने पोस्ट में कहा कि 2021 में डीएमके ने 173 सीटों पर चुनाव लड़ा और 133 पर जीत हासिल की, और जिन सीटों पर उसे हार का सामना करना पड़ा, वहां के प्रदर्शन पर सवाल उठाए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सत्ता-साझाकरण आवश्यक है और शासन में हिस्सेदारी पार्टी का अधिकार है, और कहा कि अंततः जनता ही फैसला करेगी। टैगोर न लिखा कि 2021 में, हमने 173 सीटों पर चुनाव लड़ा और 133 पर जीत हासिल की... हम उन सीटों के बारे में पूछ रहे हैं जहां आपको हार का सामना करना पड़ा। सत्ता-साझाकरण आवश्यक है। शासन में हिस्सेदारी हमारा अधिकार है। जनता ही फैसला करेगी। तमिलनाडु विधानसभा में 234 सीटें हैं, जिनमें से डीएमके-कांग्रेस गठबंधन ने 2021 के चुनावों में 151 सीटें जीती थीं। ये टिप्पणियां आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस और डीएमके के बीच चल रही सीट बंटवारे की बातचीत के बीच आई हैं। इससे पहले शुक्रवार को तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) के अध्यक्ष के. सेल्वपेरुंथगई ने कहा कि कांग्रेस और द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) के बीच गठबंधन वार्ता 22 फरवरी से शुरू होने वाली है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा द्वारा गठबंधन से किसी को बाहर निकालकर 'वोट बैंक को विभाजित करने' के प्रयासों के बावजूद इंडिया ब्लॉक एकजुट है। चेन्नई में पत्रकारों से बात करते हुए सेल्वपेरुंथगई ने कहा कि राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले डीएमके के साथ बातचीत सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है। सेल्वपेरुंथगई ने पत्रकारों से कहा कि चुनाव प्रक्रिया बहुत ही सुचारू रूप से चल रही है। बातचीत जारी है और हम 22 फरवरी से शुरू करने जा रहे हैं।

अमित शाह का राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोले-व्यापार समझौतों पर फैला रहे हैं भ्रम

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर देश के किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का बचाव किया और कहा कि इन समझौतों से भारत के मछुआरों को काफी लाभ होगा। शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि रायबरेली के प्रधानमंत्री ने इन व्यापार समझौतों के किसानों पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में झूठे दावे फैलाए हैं।

कराइकल में एक जनसभा में शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा यूरोपीय संघ और इंग्लैंड के साथ हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौते और अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते से हमारे देश के मछुआरों को बहुत लाभ होने वाला है। शाह ने आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) ने जनता को गुमराह करने के उद्देश्य से बयान दिए हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी देश के मछुआरों और किसानों को गुमराह करना चाहते हैं। वे झूठ बोलकर भ्रम फैलाना चाहते हैं।

शाह ने रायबरेली सांसद से ऐसे बयान देने से पहले व्यापार समझौते और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की बारीकियों की जांच करने का आग्रह किया। गृह मंत्री ने किसानों की सुरक्षा के प्रति प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारे किसानों और पशुपालकों को शत प्रतिशत सुरक्षा प्रदान करने के लिए काम किया है। मनमोहन सिंह के शासनकाल में किसानों को नुकसान हुआ था। कई ऐसे वैश्विक समझौते हुए जिनमें किसानों के हितों की बलि दी गई। उन्होंने वर्तमान सरकार और पिछली कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार की नीतियों में अंतर पर जोर दिया।

शाह ने गांधी के राजनीतिक दृष्टिकोण की आलोचना करते हुए कहा कि राहुल गांधी की नीति झूठ बोलना, जोर-शोर से सार्वजनिक रूप से झूठ बोलना और बार-बार झूठ दोहराना है। लेकिन इस देश की जनता ने अब आपके झूठ गढ़ने के कारखाने को पहचान लिया है। एक साहसिक भविष्यवाणी करते हुए शाह ने दावा किया कि आगामी चुनावों में जनता गांधी के कथन को नकार देगी। उन्होंने कहा कि 2029 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार बनेगी; आपकी बारी नहीं आएगी।

पश्चिम बंगाल से सटे बांग्लादेश के इलाकों में जमात-ए-इस्लामी को मिली प्रचंड जीत से भारत चिंतित

कोलकाता (एजेंसी)। बांग्लादेश में हुए आम चुनाव के नतीजों ने भारत और बांग्लादेश के बीच सीमा से लगे इलाकों में नई चिंता पैदा कर दी है। शुक्रवार को आए परिणामों में कट्टर रुख वाली पार्टी जमात-ए-इस्लामी और उसके सहयोगियों ने सीमा से लगे कई इलाकों में अच्छी सफलता हासिल की है। बताया जा रहा है कि 68 सीटों वाले जिन क्षेत्रों में कड़ा मुकाबला था, वहां जमात और उसके साथियों ने उल्लेखनीय जीत दर्ज की। कुल मिलाकर यह प्रदर्शन पिछले 25 साल से अधिक समय में जमात का सबसे मजबूत चुनावी प्रदर्शन माना जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जमात-ए-इस्लामी का इतिहास और उसका वैचारिक झुकाव पाकिस्तान के करीब माना जाता रहा है, इसलिए उसके उभार को भारत की सुरक्षा नजर से भी देखा जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने भी इस पर चिंता जताई है। पार्टी का कहना है कि सीमा के दोनों ओर कट्टर सोच का फैलाव भविष्य के लिए चुनौती बन सकता है।

भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि बांग्लादेश एक अलग देश है और वहां की नई सरकार से उम्मीद है कि वह कानून व्यवस्था मजबूत रखेगी और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि सीमा के पास जमात की जीत चिंता का विषय

है और यह दिखाता है कि सीमा के दोनों ओर कट्टर सोच को समर्थन मिल रहा है। उनके अनुसार भारत को इस स्थिति पर नजर रखनी होगी और सीमा प्रबंधन को और मजबूत करना होगा।

हम आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल के कई जिले ऐसे हैं जिनकी सीमा उन बांग्लादेशी इलाकों से लगती है जहां जमात को सफलता मिली है। इनमें दक्षिण 24 परगना, उत्तर 24 परगना, नदिया, मुर्शिदाबाद, मालदा और अलीपुरद्वार प्रमुख हैं। इन जिलों में पहले भी सीमा पार आवागमन, तस्करी और अवैध गतिविधियों को लेकर चर्चा होती रही है। अब राजनीतिक बदलाव ने सुरक्षा एजेंसियों का ध्यान फिर से इन क्षेत्रों पर केंद्रित कर दिया है।

बांग्लादेश के भीतर देखें तो जमात ने पश्चिमी हिस्से के कई इलाकों में अपना प्रभाव बढ़ाया है। सतखीरा, मयमनसिंह, राजशाही, रंगपुर और गाइबांधा जैसे इलाकों में पार्टी की पैठ मजबूत होती दिख रही है। स्थानीय जानकारों का कहना है कि पिछले एक साल में जमात ने जमीनी स्तर पर संगठन को सक्रिय किया और समाज के कुछ वर्गों में समर्थन जुटाया।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग के कुछ नेताओं ने आरोप लगाया है कि जमात ने अंतरिम सरकार के कार्यकाल में अपना असर फैलाया। आवामी लीग के पूर्व सांसद सलीम महमूद ने कहा कि जमात एक कट्टर संगठन है जिसकी सोच लोकतांत्रिक दलों को कभी स्वीकार नहीं रही। उनके अनुसार जब पहले जमात पर रोक थी तब उसका असर सीमित था, लेकिन रोक हटने के बाद उसने फिर से काम तेज किया।

इतिहास पर नजर डालें तो वर्ष 2001 के चुनाव में जमात ने 17 सीटें जीती थीं। वर्ष 2008 में उसका प्रदर्शन घटकर दो सीटों पर आ गया था। वर्ष 2013 में बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने जमात का पंजीकरण रद्द कर दिया था, जिसके बाद उसकी राजनीतिक गतिविधियों पर असर पड़ा। बाद में शेख हसीना सरकार ने जमात पर प्रतिबंध लगाया था। हालांकि वर्ष 2024 में अंतरिम सरकार ने यह प्रतिबंध हटा दिया, जिसके बाद पार्टी ने खुलकर संगठन विस्तार शुरू किया।

वर्तमान नतीजों ने बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति के साथ साथ क्षेत्रीय समीकरणों पर भी असर डाला है। भारत और बांग्लादेश के बीच लंबे समय से सहयोग, व्यापार और सुरक्षा संवाद चलता रहा है। ऐसे में सीमा से लगे इलाकों में किसी भी तरह का कट्टर राजनीतिक उभार दोनों देशों के नीति निर्धारकों के लिए विचार का विषय बन गया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले महीनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि बांग्लादेश की नई सरकार किस तरह काम करती है, कानून व्यवस्था को कैसे संभालती है और सभी समुदायों का भरोसा कैसे बनाए रखती है। वहीं भारत की ओर से भी कूटनीतिक संपर्क और सीमा सुरक्षा पर जोर बढ़ने की संभावना है। फिलहाल चुनाव नतीजों ने क्षेत्र की राजनीति में नई बहस को जन्म दे दिया है और दोनों देशों की नजरें आगे के घटनाक्रम पर टिकी हैं।

ठीक से नहीं काटे बाल, इस पर सुप्रीम कोर्ट ने क्या गजब का फैसला दिया

नई दिल्ली। अक्सर हम और आप देखते हैं कि जब भी कभी हम किसी सैलून में जाते हैं तो इस बात का ध्यान रखते हैं कि किस तरीके से वो व्यक्ति हमारे हेयर स्टाइल या तमाम और सारी चीजों को वो करता है। कौन-कौन से प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करता है। कहीं कोई ऐसी चीज तो नहीं है कि जो हमारी स्किन को या फिर तमाम तरीके से हमारे लुक को खराब तो नहीं कर देती है। इन सारी चीजों को लेके अमूमन हम देखते हैं कि चाहे महिलाएं हो चाहे पुरुष हो काफी गंभीर रहते हैं। लेकिन जिस तरीके से एक मामला सामने आया है वह मामला बेहद दिलचस्प है। मामला 7 साल पुराना है। लेकिन सबसे बड़ी बात यहां पर ये है कि क्या ऐसा भी मामला हो सकता है कि अगर कोई सैलून में बाल काटने वाला व्यक्ति आपके बाल अच्छी तरह से नहीं काटता या आपके लुक को बिगाड़ देता है या फिर आपके बाल जिसने आपने काटने के लिए कहा है उससे ज्यादा बाल काट देता है तो उसे जुर्माने के तौर पर बड़ी रकम भी देनी पड़ सकती है। सुनकर आप चौंक जरूर रहे होंगे कि क्या ऐसा हो सकता है? क्योंकि अमूमन अगर आप किसी सैलून में जाएं या जहां तो हजारों रुपए या फिर 100 15000 या फिर अगर आप और भी कुछ प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं फेशियल कराते हैं या कुछ और चीजों का इस्तेमाल करते हैं या सर्विज का तो उसके लिए आपको चार्ज पे करना पड़ता है। लेकिन सवाल यहां पर ये है कि क्या अगर किसी महिला के या किसी अभिनेत्री के या किसी मॉडल के किसी सैलून में जाने पर उसके मनमाफिक उसके बाल नहीं कटते हैं तो उसको लेकर के क्या कोई मामला तूल पकड़ सकता है। ऐसा ही एक मामला सामने आया जो आखिरी में अंत तक सुप्रीम कोर्ट की चौखट तक गया और सुप्रीम कोर्ट की चौखट पर आने के बाद इस पूरे मामले में फिर फैसला दिया गया।अप्रैल 2018 में एक मॉडल दिल्ली के एक फाइव स्टार होटल में स्थित एक सैलून में गई थी। उनका आरोप था कि हेयर स्टाइलिस्ट ने उनके निर्देश से कहीं अधिक छोटे बाल काट दिए, जिससे उन्हें गंभीर मानसिक आघात हुआ और मॉडलिंग असाइनमेंट व करियर के आकर्षक अवसरों का नुकसान हुआ। एनसीडीआरसी ने शुरुआत में उन्हें 2 करोड़ का मुआवजा दिया था। पहले दौर की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने राशि के पुनर्मूल्यांकन का निर्देश दिया था। इसके बावजूद आयोग ने 2023 में पुनः 2 करोड़ का मुआवजा बरकरार रखा। इसके बाद होटल कंपनी ने दूसरे आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट ने एक लग्जरी होटल के सैलून में 'गलत हेयरकट' के मामले में महिला को 2 करोड़ रुपये की मुआवजे राशि देने के उपभोक्ता अदालत के आदेश को घटाकर 25 लाख रुपये कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस राजेश बिंदल की अगुवाई वाली बेंच ने 6 फरवरी को अपने फैसले में कहा कि हालांकि सेवा में कोताही साबित हुई है लेकिन उपभोक्ता विवादों में क्षतिपूर्ति ठोस साक्ष्य के आधार पर दी जानी चाहिए, न कि केवल मांग करने या शिकायतकर्ता की इच्छा और कल्पना के आधार पर। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि क्षतिपूर्ति केवल अनुमान या शिकायतकर्ता की मनमानी के आधार पर नहीं दी जा सकती।

महाशिवरात्रि को लेकर अरैलघाट स्थित सोमेश्वर महादेव मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी,अधिकारियों ने पुलिस बल को दिए निर्देश

आधुनिक समाचार

प्रयागराज।महाशिवरात्रि के पावन पर्व के मद्देनज़र अरेलघाट स्थित प्रसिद्ध सोमेश्वर महादेव मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। पर्व के दौरान भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर सुरक्षा तैयारियों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने ड्यूटी पर तैनात समस्त पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए भीड़ प्रबंधन, कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंदिर परिसर एवं आसपास के मार्गों पर पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है, साथ ही संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने के आदेश जारी किए गए हैं।

अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से कहा कि महाशिवरात्रि के अवसर पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी पुलिसकर्मी सतर्कता के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करें। प्रशासन द्वारा बैरिकेडिंग, यातायात नियंत्रण एवं आपातकालीन सेवाओं की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

स्थानीय प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करें, जिससे महाशिवरात्रि का पर्व शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न हो सके।

आज 14वें महाशिवरात्रि महोत्सव में कवियों द्वारा की जाएगी काव्य वर्षा

प्रतापगढ़।ऊँ बाबा बुढ़ेश्वर नाथ धाम तिना-चितरी के 14 वें महाशिवरात्रि महोत्सव में आज देश के सुप्रसिद्ध कवि/कवयित्रियों द्वारा काव्य आराधना की जाएगी। आयोजक होरी लाल चौरसिया ने बताया कि महोत्सव की सारी तैयारियाँ कर ली गई हैं।सतीश कुमार चौरसिया एवं रवीन्द्र कुमार चौरसिया मुन्ना के संयोजन में इस महोत्सव में एक राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है जिसके मुख्य अतिथि जीत लाल पटेल विधायक विश्वनाथगंज हैं। विख्यात वीर रस कवि डॉ. रणजीत सिंह के संचालन एवं दिग्दर्शन में विख्यात हास्य रस कवि बिहारी लाल अम्बर, विख्यात हास्य-व्यंग्य कवि बेहोश जौनपुरी,प्रसिद्ध हास्य-व्यंग्य कवि राधेश पाण्डेय, प्रसिद्ध कवियित्री जया मिश्रा, प्रसिद्ध करुण रस कवि वीरेन्द्र सिंह कुसुमाकर प्रयागराज, वरिष्ठ हास्य रस कवि राजेंद्र शुक्ल अमरेश,श्रेष्ठ गीतकार सुरेश नारायण 'व्योम',हास्य कवि प्रमोद दुबे 'लंठ',गीतकार अजय कुमार सोनी इस कवि सम्मेलन में काव्य आराधना करेंगे।

बालकों में प्रयागराज विंध्यांचल,झांसी तो बालिकाओं में विंध्यांचल चित्रकूट,प्रयागराज मंडल की आंधी

बालक और बालिकाओं ने विभिन्न स्पर्धाओं में दिखाया दमखम

प्रयागराज जनपद में नैनी के निकट करछना स्थित प्रयाग इंजीनियरिंग कॉलेज बैंडों के परिसर में दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता जोन स्तर पर मंडलीय संयुक्त निदेशक श्री राजकुमार जी एवं प्रधानचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैनी के प्रधानाचार्य श्री अशोक कुमार जी के निर्देशन में कराई गई इस प्रतियोगिता में क्रमशः प्रयागराज, विंध्यांचल, झांसी,और चित्रकूट मंडल की बालक और बालिकाओं ने बॉलीबाल, कबड्डी, खो- खो, बैडमिन्टन और रस्साकशी की प्रतिस्पर्धा में क्रमशः विजेता ओर उपविजेता का पुरस्कार जीता।बालकों में क्रमशः कबड्डी , वॉलीबॉल विजेता प्रयागराज जबकि खो- खो, बैडमिन्टन, रस्साकशी में झांसी, विंध्यांचल और प्रयागराज ने खिताब अपने नाम किया।जबकि बालिकाओं में चित्रकूट, प्रयागराज और विंध्यांचल ने बाजी मारी। इस दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष श्री राजेश शुक्लाके द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।और समापन श्री ज्ञान सिंह पटेल जमुनापार भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष के द्वारा किया गया।इस प्रतियोगिता को कुशलता पूर्वक संपन्न कराने में श्री हिमांशु द्विवेदी श्री धीरेंद्र प्रताप सिंह, श्री संजीव कुमार आर्य, श्री सुन्द्रिका प्रसाद, श्री राम प्रीत राम, श्री मोहनीश कुमार श्री अमृत लाल गुप्ता भोलानाथ [illegible] और अन्य सभी कर्मचारियों एवं उनकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा अंत में विजयी खिलाड़ियों को विजेता ओर उपविजेता की ट्रॉफी और प्रमाणपत्र संयुक्त निदेशक श्री राजकुमार जी एवं प्रधानचार्य श्री अशोक कुमार जी के द्वारा प्रदान किए गए और संयुक्त निदेशक प्रयागराज मंडल द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

महाशिवरात्रि महापर्व पर अरैल के सोमेश्वर घाट में भव्य सामूहिक रुद्राभिषेक

प्रयागराज। महाशिवरात्रि महापर्व के पावन अवसर पर माधव मेला क्षेत्र, अरेल सेक्टर-7 स्थित सोमेश्वर घाट (स्वामी गंगाधर महाराज जी के शिविर) में दिनांक 15 फरवरी 2026 को एक भव्य सामूहिक रुद्राभिषेक कार्यक्रमका

आयोजन किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार यह धार्मिक अनुष्ठान दोपहर 3 बजे से प्रारंभ होगा, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालुओं को अपने परिवार सहित सम्मिलित होने हेतु सादर आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर भगवान शिव की आराधना करते हुए समाज में आध्यात्मिक ऊर्जा एवं सनातन संस्कृति के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम स्थल पर अभिषेक हेतु विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे अधिक से अधिक श्रद्धालु सामूहिक रूप से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पुण्य लाभ प्राप्त कर सकें। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं से समय पर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गई है। सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध है कि महाशिवरात्रि के इस पावन अवसर पर आयोजित सामूहिक रुद्राभिषेक में सम्मिलित होकर धर्म लाभ अर्जित करें।

विधानसभा से लौटे बारा विधायक डॉ. वाचस्पति का शंकरगढ़ में ऐतिहासिक अभिनंदन

सदन में उठाए गए मुद्दों से बढ़ी उम्मीदें, विकास को लेकर दिया बड़ा संकेत,विधानसभा में नारीबारी को ब्लॉक, जारी को नगर पंचायत, शंकरगढ़ में पेयजल, प्रतापपुर में स्थाई पुल बनाने की मांग की

आधुनिक समाचार

बारा/प्रयागराज। यमुनानगर क्षेत्र की बारा तहसील अंतर्गत नगर पंचायत शंकरगढ़ का राम भवन चौराहा उस समय जनआस्था और राजनीतिक उत्साह का केंद्र बन गया, जब बारा विधानसभा के विधायक डॉ. वाचस्पति विधानसभा सत्र से लौटकर क्षेत्र में पहुंचे। उनके आगमन की सूचना मिलते ही क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई थी कि सदन में बारा की आवाज किस दृढ़ता से उठाई गई।

विधानसभा में रखे गए मुद्दे–स्थानीय सड़क निर्माण, शिक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाएं, पेयजल संकट और आधारभूत ढांचे के विस्तार–को लेकर क्षेत्र में नई उम्मीदों का वातावरण बना हुआ है। लोगों के बीच यह भावना स्पष्ट दिखाई दी कि सदन में हुई बहस और प्रस्तुत तथ्यों ने बारा विधानसभा की जरूरतों को नई गंभीरता के साथ सामने रखा है। जैसे ही डॉ. वाचस्पति राम भवन चौराहे पर पहुंचे, स्वागत का क्रम शुरू

हो गया। भाजपा, अपना दल (एस), निषाद पार्टी, एम वी ग्रुप और व्यापार मंडल के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से उनका अभिनंदन किया। पूरा वातावरण अनुशासित ऊर्जा और आत्मीय समर्थन से भरा नजर आया। इस अवसर पर विधायक डॉ. वाचस्पति ने कहा कि विधानसभा में उठाए गए मुद्दे केवल शब्द नहीं, बल्कि क्षेत्र की जनता की अपेक्षाओं और अधिकारों की अभिव्यक्ति हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि जनता द्वारा इस बार एक और अवसर प्रदान किया गया तो बारा विधानसभा की हर गली, हर मोहल्ला और हर कोना विकास की नई पहचान बनेगा। आधारभूत सुविधाओं का विस्तार, रोजगार के अवसरों में वृद्धि और क्षेत्रीय ढांचे को मजबूत करने की दिशा में ठोस कार्य होते दिखाई देंगे।

विधानसभा में रखे गए उनके प्रस्तावों और सवालों से यह प्रतीत हो रहा है कि आने वाले समय में बारा क्षेत्र विकास की नई रफ्तार पकड़ सकता है। स्थानीय नागरिकों के बीच यह विश्वास उभरकर सामने आया कि सदन में प्रभावी प्रस्तुति भविष्य की योजनाओं की नींव साबित हो सकती है। राम भवन चौराहे पर उमड़ा यह जनसमर्थन केवल एक स्वागत नहीं, बल्कि विकास की संभावनाओं पर जनता की मुहर जैसा दृश्य बन गया। शंकरगढ़ की यह संध्या लंबे समय तक क्षेत्र की राजनीतिक स्मृतियों में दर्ज रहने वाली मानी जा रही है। अभिनंदन कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ विनोद त्रिपाठी, व्यापार मंडल अध्यक्ष अरविंद केसरवानी, लल्लू त्रिपाठी,अपना दल एस विधानसभा अध्यक्ष गुड्डू, शिवराम सिंह परिहार, रोहित केसरवानी, सुजीत केसरवानी, पंकज गुप्ता, बिन्नू भैया, धीरज सोनी, नितेश केसरवानी, मुकेश, आकाश, बंटी, विधायक प्रतिनिधि श्यामू निषाद, मीडिया प्रभारी नीरज केसरवानी, आबिद अली, राजकुमार पटेल, धीरज सिंह, संदीप पटेल, ई. प्रकाश सिंह, राजू द्विवेदी, नितेश निषाद, धीरज विश्वकर्मा, रामजतन बंसल, दीपक, सहित दर्जनों लोग मौजूद रहें।

जय माँ राजकुमारी देवी संस्था द्वारा सर्वजातीय विवाह महोत्सव का आयोजन

सैदपुर। जय माँ राजकुमारी देवी संस्था के तत्वावधान में सर्वजातीय विवाह महोत्सव का भव्य आयोजन मार्कण्डेय महादेव मंदिर परिसर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कई जोड़ों का विवाह हिंदू रीति-रिवाज एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत सम्पन्न कराया गया। मंदिर प्रांगण में आयोजित इस सामूहिक विवाह समारोह में विभिन्न वर्गों और समुदायों के लोगों ने भाग

लेकर सामाजिक समरसता और एकता का संदेश दिया। संस्था का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की सहायता करना और बिना भेदभाव के सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के दौरान ज्योतिजयानन्द पाण्डेय, रत्ना मिश्रा, सरिता सर्राफ, कोमल गिरी, मनीष गिरी, नीलिमा मिश्रा एवं संतोष कुमारी सहित अन्य सहयोगीगण उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि आगे भी इस प्रकार के सामाजिक आयोजनों के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों की मदद की जाती रहेगी। समारोह का समापन मंगल गीतों और आशीर्वाद के साथ हुआ।

आकांक्षा पांडेय नेट जेआरएफ में 99.88 प्रतिशत पाकर किया सफलता हासिल

उद्योग व्यापार मंडल उ0प्र0 की ओर से हुआ सम्मान

हरहुआ। रामेश्वर नेट जेआरएफ में पहली बार में 99.88 हासिल कर आकांक्षा पांडेय ने सफलता हासिल की। रामेश्वर क्षेत्र के भोपतपुर गांव निवासी आकांशा पांडेय जेडीएस स्कूल से इंटर तक 'गोल्ड मेडलिस्ट' शिक्षा हासिल करने के बाद यू0पी0 कालेज से बी काम,एम0 काम और बीएड की शिक्षा ग्रहण की। इसी बीच नेट जेआरएफ की परीक्षा में शामिल हुई और टॉपर बनी। पिता धरम पांडेय इनकम टैक्स जीएसटी प्रैक्टिस करते हैं। जिनके एक पुत्री आकांक्षा 24 वर्ष व पुत्र आयुष पांडेय 20 वर्ष हैं। दादा नन्दलाल पाण्डेय कमर्शियल टैक्स ऑफिसर पद से सेवनिवृत हैं। आकांक्षा पांडेय के चयन की सूचना पर आज भोपतपुर घर उद्योग व्यापार मंडल उ0प्र0 के प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार गुप्ता,रंजीत जायसवाल प्रदेश उपाध्यक्ष व जिलाध्यक्ष वाराणसी शुभम सिंह आकांक्षा पांडेय का सम्मान किया। वहीं परिवार में दादा व पिताजी को अंगवस्त्र सहित सूट के कपड़े व माता जी को बनारसी साड़ी भेंट कर आकांक्षा व भाई आयुष को रेडीमेडसूट, डायरी, स्टेशनरी सहित बॉक्स व चॉकलेट भेंट कर पूरे परिवार को बधाई दी।

अडाणी कौशल विकास केन्द्र के प्रशिक्षुओं को नियुक्ति पत्र का वितरण

अडाणी सिमेन्ट सलाईबनवा के प्रोजेक्ट हेड श्री नीरज त्रिपाठी जी के कुशल मार्गदर्शन में अडाणी फाउंडेशन द्वारा संचालित अडाणी कौशल विकास केन्द्र के प्रशिक्षुओं को तीन माह के निःशुल्क सिलाई मशीन के प्रशिक्षण के उपरांत उनको नियुक्ति पत्र का वितरण अडाणी सिमेन्ट के प्रोजेक्ट हेड श्री नीरज त्रिपाठी और प्रधान सुरक्षा अधिकारी श्री राजेश राठौर जी के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया, अडाणी फाउंडेशन के साइट सी.एस.आर. हेड मनोज चौबे ने बताया कि कौशल विकास केन्द्र मे तीन माह के सिलाई प्रशिक्षण के उपरान्त 06 महिलाओं को अहमदाबाद की एक कंपनी में सिलाई मशीन आपरेटर के पद के लिए नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया है।

ज्योतिज्ञानन्द पाण्डेय के नेतृत्व में शोकसभा आयोजित, दो मिनट का मौन रख दी श्रद्धांजलि

सैदपुर। शहीद जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। वर्ष 2019 में जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आत्मघाती आतंकी हमले में 40 सीआरपीएफ जवानों के शहीद होने से पूरा देश शोकाकुल हो गया था। इस दर्दनाक घटना की स्मृति में क्राइम इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो जिला गाजीपुर द्वारा शोकसभा एवं कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। सायं 5 बजे सैदपुर स्थित राजकीय विद्यालय संजय वन परिसर से कैंडल मार्च निकाला गया। कार्यक्रम का नेतृत्व ज्योतिज्ञानन्द पाण्डेय ने किया। मार्च में बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर शहीदों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की। सभी प्रतिभागियों ने हाथों में मोमबत्तियां लेकर दो मिनट का मौन रखकर वीर जवानों को नमन किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि शहीदों का बलिदान देश कभी नहीं भूल सकता। उनकी शहादत राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

भारत विकास परिषद और राइजिंग चाइल्ड स्कूल ने सेवा और संस्कार के साथ बाल विकास का लिया संकल्प

बाल स्वास्थ्य जागरूकता के संदेश के साथ राइजिंग चाइल्ड स्कूल में स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता संपन्न

आधुनिक समाचार

भारत विकास परिषद और राइजिंग चाइल्ड स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में रायबरेली शहर के प्रभुटाऊन में 'स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता' का भव्य एवं गरिमामय आयोजन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों और बच्चों की सहभागिता ने आयोजन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, एम्स रायबरेली की अधिशासी निदेशक प्रो. (डॉ.) अमिता जैन द्वारा भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर एम्स, रायबरेली के सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और विजेता बच्चों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। भारत विकास परिषद के अध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि परिषद सेवा, संस्कार एवं

सामाजिक जागरूकता के कार्यों को निरंतर और प्रतिबद्धता के साथ संचालित कर रही है। मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) अमिता जैन ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन न केवल बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं, बल्कि अभिभावकों को भी अपने शिशुओं के बेहतर शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने परिषद एवं विद्यालय के इस सराहनीय प्रयास की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। प्रतियोगिता में 6 माह से 5 वर्ष तक के लगभग 350 बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। विभिन्न आयु वर्गों में प्रिशा, ग्राहिल, विधान, अयांश, हर्षवर्धन, अव्यान एवं वामिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। यशविन राघव, आध्या, काशवी, अबान, मानस एवं राघव का प्रदर्शन अत्यंत सराहनीय रहा। कार्यक्रम में बच्चों की प्रतिभा, स्वास्थ्य एवं सक्रियता ने सभी का मन मोह लिया।

रायबरेली के प्रख्यात बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्ञानेंद्र चतुर्वेदी, डॉ. दीपा आहूजा, डॉ. सी. एस. अग्रवाल, डॉ. सुमित रस्तोगी एवं सहायिका अंजली सिंह की देखरेख में प्रतियोगिता निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुई। कार्यक्रम के अंत में चिकित्सक टीम का सम्मान कर उनके अमूल्य सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष नवल किशोर वाजपई, क्षेत्रीय सेवा संयोजक अम्बरीष अग्रवाल, पूर्व क्षेत्रीय संरक्षक डॉ. आर. बी. श्रीवास्तव, डॉ. चम्पा श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्ष राकेश कक्कड़, पूर्व अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, वी. के. अग्निहोत्री, राकेश मिश्रा, शाखा सेवा संयोजक राजा राम मौर्य, निशा सिंह, अजय मिश्रा, वाणी पाण्डेय, मधु कक्कड़, चन्द्र प्रकाश सिंह, नीलिमा श्रीवास्तव, शशि अग्निहोत्री, शशिकांत राय, सुरेश चंद्र शुक्ला, नीरज श्रीवास्तव, उषा त्रिवेदी, रविंद्र नाथ हरि, स्नेहलता श्रीवास्तव, अर्चना महेश्वरी, संध्या राय सहित अनेकों गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। परिषद की प्रथम महिला एवं विद्यालय की प्रधानाचार्या सीमा श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, चिकित्सकों एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की सफलता का श्रेय सामूहिक सहयोग और समर्पण को दिया।

भारतीय जनता पार्टी ने केंद्रीय बजट व उत्तर प्रदेश सरकार का बजट 2026 पर विधानसभा स्तरीय चौपाल का आयोजन

आधुनिक समाचार

राबर्ट्सगंज विधानसभा का सवेरा कैंपस में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि सदर विधायक भूपेश चौबे जी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंम्भ पं0 दीनदयाल उपाध्याय व डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला उपाध्यक्ष उदयनाथ मौर्या व संचालन जिला महामंत्री/कार्यक्रम संयोजक कृष्णमुरारी गुप्ता ने किया। इस मौके पर मुख्यअतिथि सदर विधायक भूपेश चौबे ने बताया कि केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार के बजट-2026 में किसानों, युवाओं, महिलाओं, व्यापारियों और गरीब वर्ग के हितों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस बजट को आजादी के बाद का सर्वश्रेष्ठ विकासोन्मुख और गरीब कल्याण को समर्पित बजट बताया इस बजट में युवा, रोजगार मांगने वाला नही बल्कि रोजगार देने वाला बने बजट में युवाओं उद्यमियों, किसानों, महिलाओं और समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए व्यापक प्रावधान किया गया है। उन्होंने बजट में रोजगार सृजन, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास, सड़क, बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के विस्तार तथा गरीब कल्याण से जुड़ी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। सदर

विधायक ने बजट को ऐतिहासिक और सर्वसमावेशी बताया। उन्होंने कहा कि यह समाज के प्रत्येक वर्ग की आकांक्षाओं के अनुरूप है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक मजबूत आधार तैयार करता है। केन्द्र सरकार कि व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। इस मौके पर नि0 जिलाध्यक्ष अजीत चौबे व पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मवीर तिवारी ने इस बजट को विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार में उद्योग निवेश और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए अनुकुल वातावरण तैयार किया है, आज विश्व में सर्वाधिक निवेश भारत में आ रहा है, और भारत में सर्वाधि निवेश उत्तर प्रदेश में हो रहा है, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने के लिए स्वदेशी उत्पादन बेहतर पैकेजिंग और विपणन व्यवस्था पर विशेष बल दिया गया है। स्वयं सहायता समूह के उत्पाद अब प्रदेश ही नही देश-विदेश तक पहुंच रहे है। बजट चौपाल को व्यापार मण्डल के संयोजक राजेश गुप्ता व एमबीएम मार्डर्न पब्लिक स्कुल के कक्षा 9 की छात्रा खुशी केशरी ने इंग्लिश में बजट पर चर्चा की। इस मौके पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रामलखन सिंह, विमल अग्रवाल ने भी चौपाल के माध्यम से बजट पर चर्चा किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा ओमप्रकाश यादव, संतोष शुक्ला, शंम्भू सिंह, अनूप तिवारी, दिलिप चौबे, योगेन्द्र बिन्द, बलराम सोनी, संजय जायसवाल, अमरेश चेरो, प्रमोद गुप्ता, रामलाल चेरो, सुनिल सिंह, अनिल सिंह, प्रकाश केशरी, कमलेश खांम्भे, नारसिंह पटेल, अरुण सिंह, रितु अग्रहरी, अमन वर्मा, रमेश जायसवाल, मंजू गिरी आदि कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस पेंशनर्स की बैठक में साइबर ठगी से सतर्क रहने की अपील

चित्रकूटः अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को पुलिस कार्यालय स्थित राघव प्रेक्षागार में पुलिस पेंशनर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ने पेंशनर्स से अपने अनुभव एवं ज्ञान का उपयोग कर कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन को सहयोग देने का आह्वान किया। कहा कि समाज में पेंशनर्स की भूमिका आज भी महत्वपूर्ण है और उनके अनुभवों से युवा पुलिसकर्मी एवं आमजन लाभान्वित हो सकते हैं। उन्होंने वर्तमान समय में बढ़ रही साइबर ठगी पर चिंता जताते हुए बताया कि साइबर अपराधी स्वयं को सीबीआई, ईडी, एटीएस के अधिकारी बताकर या जीवित प्रमाण पत्र के नाम पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों को डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर ठगी का शिकार बना रहे हैं। उन्होंने पेंशनर्स को इस प्रकार की धोखाधड़ी से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध कॉल या संदेश की सूचना तुरंत देने की अपील की। बैठक में पेंशनर्स को स्वास्थ्य बीमा योजनाओं, कानूनी सहायता तथा शिकायत निवारण तंत्र से संबंधित जानकारी भी साझा की गई।

आयोजित हुआ विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर 22 फरवरी को मेगा/वृहद सेवा शिविर का आयोजन

रायबरेलीः उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा माननीय अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश, रायबरेली अमित पाल सिंह के निर्देशानुसार जनपद स्तर पर 22 फरवरी 2026 आयोजित मेगा/वृहद सेवा शिविर के सम्बन्ध में जनजागरुकता लाभार्थियों के चिन्हीकरण एवं प्रचार-प्रसार के सम्बन्ध में तहसील सदर के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय ग्राम भदोखर ब्लॉक राही के पंचायत भवन लघु विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इस जागरुकता कार्यक्रम में अमोद कंठ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपस्थित लोगो को बताया गया कि 22 फरवरी को मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है, जिसमें निर्बल वर्ग, दिव्यांगों, बच्चों, स्त्रियों, निर्धन वर्ग, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं जैसे वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, सामूहिक विवाह योजना, कन्या सुमंगला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, श्रमिक पेंशन योजना, विश्वकर्मा सम्मान योजना समेत किसानों से जुड़ी योजनाओं, दिव्यांगजनों के लिए संचालित योजनाओं के अलावा बाकी भी सभी

विभागों से जुड़ी योजनाओं का लाभ ले सकेंगे। इस जागरुकता शिविर में निःशुल्क विधिक सहायता, उसकी पात्रता व आवेदन की प्रक्रिया के सम्बन्ध में बताया गया। इस अवसर पर आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत जिसका आयोजन 14 मार्च 2026 को किया जा रहा है, के सम्बन्ध में भी उपस्थित लोगों को जानकारी प्रदान की गयी। इस जागरुकता कार्यक्रम में एल0ए0डी0सी0 के चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल राजकुमार सिंह के द्वारा जनपद में स्थापित लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल के कार्यों के सम्बन्ध व नालसा हेल्पलाइन नं0 15100 के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। इस लघु जागरुकता कार्यक्रम में नायब तहसीलदार सदर शमीम अहमद के द्वारा उपस्थित लोगों को जनकल्याकारी योजनाओं के बारे में बताया गया। इस लघु जागरुकता कार्यक्रम मे पंचायत सेक्रेटरी हंसराज सिंह, प्रधान शिव शंकर साहू, पराविधिक स्वयंसेवक पवन कुमार श्रीवास्तव मनोज कुमार प्रजापति उपस्थित रहे।मंच संचालन पराविधिक स्वयं सेवक पराविधिक स्वयं सेवक पवन कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

प्रदोष तिथि पर चंदापुर मंदिर में राज परिवार द्वारा किया गया रुद्राभिषेक

रायबरेली।दिनांक 14 फरवरी 2026 फागुन मास कृष्ण पक्ष के द्वादशी युक्त त्रयोदशीय तिथि पर दोपहर 1:00 बजे चंदापुर राज परिवार के छोटे राजा हरसेंद्र सिंह एवं श्रीमती ममता सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से बाबा के गर्भ ग्रह में बैठकर रुद्राभिषेक किया गया । इस अवसर पर चंद्रतपुर धाम कमेटी के मुख्य व्यवस्था प्रभारी धर्मेंद्र श्रीवास्तव, राजीव दीक्षित, किरण, सतीश श्रीवास्तव, एवं मंटू शुक्ला, मयंक श्रीवास्तव, संदीप मिश्रा एवं कुमारी प्राची यादव उपस्थित थे।

मनरेगा से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं, 17 फरवरी को विधानसभा घेराव : रामराज गौड

सोनभद्र।जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता में जिलाध्यक्ष रामराज गोड़ ने कहा कि 20 वर्ष पूर्व यूपीए-1 सरकार के दौरान लागू महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) ने ग्रामीण गरीबों को काम का अधिकार देकर नई सामाजिक सुरक्षा प्रदान की। उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सरकार ने पंचायतों को सशक्त करते हुए गांव स्तर पर विकास कार्यों के निर्णय का अधिकार दिया, जिससे पंचायती राज व्यवस्था मजबूत हुई। कोविड-19 महामारी के दौरान मनरेगा ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा साबित हुई। रामराज गोड़ ने आरोप लगाया कि मौजूदा भारतीय जनता पार्टी सरकार इस कानून को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी मनरेगा को उसके मूल स्वरूप में बहाल कराने के लिए सड़क से संसद तक संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने बताया कि तीन जनवरी से पूरे देश में 'मनरेगा बचाओ संग्राम' चलाया जा रहा है। गांधीवादी तरीके से किए जा रहे इस आंदोलन के तहत प्रदेश में पांच हजार से अधिक चौपालों का आयोजन किया गया है। 13 फरवरी को प्रदेश के सभी 75 जनपदों में पदयात्राएं भी निकाली गईं।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि आंदोलन का दूसरा चरण 17 फरवरी से शुरू होगा। इस दिन लखनऊ में विधानसभा घेराव कर राज्य सरकार को ज्ञापन सौंपा जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार मनरेगा में बदलाव कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रही है और राज्यों पर अतिरिक्त बोझ डालने का प्रयास कर रही है, जो संघीय ढांचे के लिए भी ठीक नहीं है। रामराज गोड़ ने कार्यकर्ताओं से 17 फरवरी को अधिक से अधिक संख्या में लखनऊ पहुंचने की अपील की। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष फरीद खां और आरटीआई अध्यक्ष श्रीकांत मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

एनएचएम कर्मचारियों को मानदेय नहीं संघ ने सौंपा ज्ञापन

सोनभद्र। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ सोनभद्र के जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र शुक्ला ने मंगलवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि एनएचएम के तहत कार्य करने वाले चिकित्सक, स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, कम्युनिटी हेल्थ ऑफीसर, एन टी इ पी कर्मचारी, एनएलईपी कर्मचारी, एएनएम एवं राष्ट्रीय कार्यक्रमों के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों को पिछले दो महीना से मानदेय प्राप्त नहीं हुआ है। जिससे कर्मचारियों को अपने जीविकोपार्जन एवं दैनिक क्रियाकलापों में अत्यंत समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों को पिछले दो महीना से न हीं मानदेय प्राप्त हो रहा है और पिछले 6 माह से कार्य आधारित प्रोत्साहन राशि एवं [illegible] का भुगतान भी नहीं किया गया है। कर्मचारियों की समस्याओं एवं शासन प्रशासन की उदासीनता को देखते हुए संगठन ने 12 फरवरी को जिलाधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं सदर विधायक के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं प्रमुख सचिव के नामित ज्ञापन पत्र सौंपा जाएगा।

मातृभूमि सेवा मिशन रायबरेली इकाई में नई कार्यकारिणी का गठन

संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने रायबरेली इकाई के संगठन नेतृत्व को सौंपी जिम्मेदारी

रायबरेली। मातृभूमि सेवा मिशन धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र (हरियाणा), की अध्यात्म-प्रेरित सेवा संस्थान की रायबरेली इकाई के गठन एवं दायित्व शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन मंगलवार को शहीद स्मारक परिसर में गरिमामय एवं आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हुआ। दायित्व ग्रहण समारोह का शुभारंभ मिशन के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं चित्र पर माल्यार्पण के साथ किया। नवगठित इकाई के पदाधिकारियों ने सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित में कार्य करने की सामूहिक दायित्व ग्रहण किया। प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक चले इस समारोह में रायबरेली इकाई की नई कार्यकारिणी की विधिवत घोषणा करते हुए संगठनात्मक दायित्व में प्रमाण पत्र सौंपे गए। इस अवसर पर डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने कहा कि मातृभूमि सेवा मिशन का मूल उद्देश्य समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण और आध्यात्मिक मूल्यों का जन-जन तक प्रसार है। उन्होंने नव-नियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे संगठन की गरिमा

के अनुरूप अनुशासन, निष्ठा और सेवा भाव के साथ निःस्वार्थ विभेद रहित अपने अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि योग साधकों के सहयोग और समर्पण से मिशन सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रहित से जुड़े सभी क्षेत्रों में प्रभावी भूमिका निभाएगा। समारोह के दौरान इकाई की ओर से नव-नियुक्त पदाधिकारियों के सफल, सक्रिय एवं मंगलमय कार्यकाल की कामना की। नवगठित कार्यकारिणी में प्रदीप पांडेय संयोजक ,रामानुज मिश्रा सह-संयोजक, रामराज गिरि अध्यक्ष,महेन्द्र अग्रवाल संरक्षक, अजय मिश्रा संरक्षक, प्रो. संजय सिंह संरक्षक,दिनेश मिश्रा संरक्षक, सन्त लाल मुख्य सलाहकार, योगेन्द्र मिश्रा सलाहकार, देवेन्द्रनाथ मिश्रा महामंत्री, राकेश यादव सचिव, पंकज प्रजापति उपाध्यक्ष, अवधेश सिंह उपाध्यक्ष, आशीष यादव कोषाध्यक्ष,अजय पाल सिंह, कानूनी सलाहकार; राजेश पाण्डेय मीडिया प्रभारी, प्रकाश नारायण पाठक योग शिविर संयोजक, अनूप शर्मा योग प्रशिक्षक, राज अग्रहरि योग प्रशिक्षक, सोनम गुप्ता महिला योग प्रशिक्षिका सदस्य, दिनेश पाण्डेय सदस्य, अनुज यादव सदस्य , राकेश त्रिपाठी सदस्य, राधेश्याम सिंह सदस्य, राजकुमार शाहू सदस्य, माया देवी महिला सदस्य, रश्मि पाण्डेय, महिला सदस्य को दायित्व सौंपे गए। संचालन मंडल अध्यक्ष भगवत प्रताप सिंह ने किया। दायित्व शपथ ग्रहण समारोह में सभी पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर अंगवस्त्र एवं माल्यार्पण के साथ सम्मानित किया गया।

मोदी-ट्रंप ट्रेड डील को तत्काल निरस्त किया जाय : रमेश गौतम

सोनभद्र। आम आदमी पार्टी, सोनभद्र के कार्यकर्ताओं ने आज बढ़ौली चौक पर भारत अमेरिका ट्रेड डील की प्रतियां जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष रमेश गौतम ने कहा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ की गई ट्रेड डील को लेकर देशभर में गहरी चिंता और व्यापक आशंकाएँ व्याप्त हैं। इस ट्रेड डील की शर्तों, संभावित लाभार्थियों और दूरगामी प्रभावों को लेकर न तो संसद को विश्वास में लिया गया है और न ही देश की जनता के समक्ष पूर्ण पारदर्शिता बरती गई है।

काशी प्रांत पूर्व उपाध्यक्ष नीरज पांडे ने कहा देश यह भी भूला नहीं है कि राफेल सौदे के दौरान अनिल अंबानी की महज़ 12 दिन पुरानी कंपनी को ऑफसेट पार्टनर बनाए जाने को लेकर व्यापक सार्वजनिक बहस और गंभीर प्रश्न उठे थे। उस समय भी यह आरोप लगा था कि सरकारी नीतिगत निर्णयों से चुनिंदा कॉरपोरेट समूहों को लाभ पहुंचाया गया। वरिष्ठ जिला

उपाध्यक्ष केवल कुशवाहा ने कहा मोदी सरकार पर आरोप है कि उसने देश के करोड़ों किसानों के हितों को अमेरिका के सामने गिरवी रख दिया है, क्योंकि इस समझौते के तहत अमेरिका भारतीय उत्पादों पर 18 प्रतिशत टैक्स लगाएगा जबकि भारत अमेरिकी उत्पादों पर 0 जीरो प्रतिशत टैक्स वसूलेगा, और सबसे गंभीर बात यह है कि भारत का कृषि बाजार अमेरिकी किसानों के लिए खोल दिया गया है। पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी ने कहा अमेरिका में किसानों को लगभग 80 लाख रुपये तक की सब्सिडी मिलती है; ऐसे में भारतीय किसान ऐसी किसी सब्सिडी के अभाव में उनसे कैसे प्रतिस्पर्धा करेगा। जिला उपाध्यक्ष राजकुमार मौर्या ने कहा इस डील में कुछ चुनिंदा वस्तुओं के साथ 'और अन्य उत्पाद' जैसे शब्द जोड़कर भविष्य में और अधिक क्षेत्रों को खोलने की गुंजाइश रखी गई है, जिससे देश की आर्थिक सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा दोनों पर गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। जिला सचिव शिवम सिंह घमड़ी ने कहा किसानों, एमएसएमई, छोटे व्यापारियों, युवाओं और मध्यम वर्ग पर इस ट्रेड डील का क्या प्रभाव पड़ेगा – इस पर कोई विस्तृत श्वेत पत्र या संसदीय चर्चा अब तक सामने नहीं आई है। यदि यह डील भारतीय बाजार को असंतुलित तरीके से विदेशी हितों के लिए खोलती है, तो इसका सीधा दुष्प्रभाव कृषि, रोजगार और स्थानीय उद्योगों पर पड़ेगा।

किसान प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष विवेक पांडे ने कहा यह केवल आर्थिक समझौता नहीं बल्कि देश की आत्मनिर्भरता और कृषि संरचना पर सीधा प्रहार है। इससे छोटे किसानों की आय पर असर पड़ेगा, स्थानीय बाजार विदेशी कंपनियों के लिए खोले जाएंगे और आम जनता पर महंगाई का बोझ बढ़ेगा। आज के कार्यक्रम में शामिल रहे दिनेश पटेल, राजेंद्र मौर्या, अनवर अली अंसारी, राजेश कुमार, श्रीमती शैल कुमारी शमशाम अली, ललित पटेल, लक्ष्मीनारायण गोविंद चौबे, नागेंद्र कुमार मौर्या, मुनौयर अली, असलउद्दीन, जोखन पटेल, श्रवण कुमार आदि।

जिलाधिकारी का फिर दिखा दयालु स्वभाव फरियादी को दिलवाई स्कूटी

रायबरेलीः जिलाधिकारी हर्षिता माथुर को कलेक्ट्रेट कार्यालय में 06 जनवरी 2026 को जनसुनवाई में लक्ष्मी पुत्री सभा दीन ग्राम पूरे भक्तन बभन पुर, वि0 ख0 छतोह, जिला रायबरेली ने प्रार्थना पत्र देकर अनुरोध किया कि मेरे पिता दिव्यांग है, माता मृतक है, और वो अपने माता-पिता की अकेली संतान है, मेरी आर्थिक स्थिति बहुत ही दयनीय है, पिता को उपचार हेतु अस्पताल लाने ले जाने में समस्या उत्पन्न होती है। उक्त कार्य हेतु आटोमोबाइल एसोसिएशन के अध्यक्ष हरिहर सिंह, सचिव शिवम सिंह, संजय सब्बरवाल राकेश सिंह, विजय रस्तोगी, मोहित गुप्ता व एच0डी0एफ0सी0 बैंक के शाखा प्रबंधक शशांक श्रीवास्तव द्वारा सहयोग से आज एक स्कूटी प्रदान की गयी। लक्ष्मी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्कूटी मिलने से उसके पिता का इलाज अब आसानी से हो सकेगा और उसे भी राहत मिलेगी।

प्रकाश जीनियस पब्लिक इंग्लिश स्कूल प्रभापुरम में महाशिवरात्रि के पर्व पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

सोनभद्र। शनिवार को प्रकाश जीनियस पब्लिक इंग्लिश स्कूल में महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर भगवान शिव और माता पार्वती की झांकी निकाली गई। इस अवसर पर विद्यालय परिसर का वातावरण भक्तिमय नजर आया। आयोजन के दौरान नन्हे-मुन्ने बच्चे भगवान शिव और माता पार्वती के रूप में सुसज्जित होकर उपस्थित हुए।

बच्चों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक झांकी और विधिवत आरती ने सभी का मन मोह लिया। इसके साथ ही छात्र-छात्राओं ने चित्रकला के माध्यम से भगवान शिव से जुड़ी भावनाओं को सुंदर रूप में प्रस्तुत किया।

विद्यालय के प्रबंधक राजेन्द्र प्रसाद जैन ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजन विद्यार्थियों में संस्कार, आस्था और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान विकसित करते हैं।

वहीं मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष कुमार पांडेय ने बच्चों की प्रस्तुति

की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सुरेंद्र कुमार यादव ने कहा 'आज के समय में, जब जीवन में तनाव और प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है, भगवान शिव का शांत और ध्यानमग्न स्वरूप हमें आंतरिक शांति और संतुलन बनाए रखने की सीख देता है।'

कार्यक्रम में अम्बर उपाध्याय, सुरेन्द्र यादव सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे और बच्चों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन का समापन भक्तिमय वातावरण एवं प्रसन्नता के साथ हुआ।

वेद इंटरनेशनल स्कूल में निदेशक डॉ.राम शंकर का आगमन, शैक्षणिक वातावरण की सराहना

सैदपुर। बासुपुर स्थित वेद इंटरनेशनल स्कूल में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय एवं उत्कृष्टता केन्द्र, दुबई (संयुक्त अरब अमीरात) के प्रोफेसर एवं निदेशक डॉ राम शंकर का विद्यालय में आगमन हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक पंकज प्रकाश श्रीवास्तव ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। डॉ. राम शंकर ने विद्यालय परिसर का विस्तृत भ्रमण किया तथा विभिन्न कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद स्थापित किया। उन्होंने छात्रों से उनकी शैक्षणिक गतिविधियों, जीवन लक्ष्य एवं भविष्य की योजनाओं के विषय में चर्चा की। विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक अपने विचार और अनुभव साझा किए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं, उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों एवं पठन-पाठन की गुणवत्ता

की सराहना की। उन्होंने कहा कि विद्यालय का शैक्षणिक वातावरण अत्यंत प्रेरणादायक है और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सराहनीय प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान डॉ. राम शंकर ने नए शैक्षणिक सत्र हेतु प्रकाशित विज्ञापन पुस्तिका का विधिवत विमोचन भी किया। उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें निरंतर परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। विद्यालय प्रबंधन ने इस अवसर को गौरवपूर्ण बताते हुए उनका आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी उनके मार्गदर्शन की अपेक्षा जताई। इस अवसर पर हैप्पी होम इंग्लिश स्कूल वाराणसी के प्रबंधक पुष्प रंजन अग्रवाल, डिवाइन ग्लोबल स्कूल जमानिया के निदेशक प्रकाश यादव तथा विद्यालय परिवार की ओर से प्रधानाचार्य रितेश कुमार मिश्रा, उप-प्रधानाचार्य महेश शुक्ला, कोऑर्डिनेटर अपूर्वा सिन्हा, दीपक श्रीवास्तव, राजन गुप्ता सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

हज यात्रियों का टीकाकरण 16 फरवरी को : महिमा

रायबरेली : जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी महिमा ने हज 2026 पर जाने वाले जनपद रायबरेली के चयनित 54 हज यात्रियों से कहा है कि चयनित हज यात्रियों का टीकाकरण कार्यक्रम 16 फरवरी 2026 को स्थान मदरसा जामिया उम्मुल मोमिनीन आयशा अल इस्लामियां लिल बनात बड़ा कुंआ रायबरेली में पूर्वान्ह 10:00 बजे से नोडल अधिकारी जिला संक्रामक कक्ष कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी रायबरेली की देख रेख में स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक व अन्य कार्मिको द्वारा किया जायेगा तथा जिला हज ट्रेनर द्वारा हज के अरकान सम्बन्धी प्रशिक्षण/जानकारी दी जायेगी। उन्होंने हज 2026 पर जाने वाले चयनित हज यात्रियों से कहा है कि उक्त स्थान पर ससमय उपस्थित होकर टीका लगवाने/प्रशिक्षण ले सकते हैं।

सूबे के मुख्यमंत्री तक पहुंचा धान क्रय केंद्रों पर खरीद का मामला

सोनभद्र। राष्ट्रीय लोकदल जनपद सोनभद्र के जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी द्वारा सूबे के मुख्यमंत्री को सोनभद्र के किसानों के धान की खरीद में लापरवाही के कारण उचित मूल्य नहीं मिलने का मामला उठाया गया था। मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद द्वारा जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी के शत प्रतिशत खरीद न किए जाने संबंधी पत्र का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी सोनभद्र को उक्त समस्या के परीक्षण करने और प्रकरण में समुचित कार्यवाही का आदेश जारी किया है।

जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी ने कहा कि सोनभद्र में फसल देर से तैयार होती है और धान क्रय केंद्रों में खरीद दारी में शिथिलता के कारण किसान लग्न, विवाह के

मौसम में औने पौने दाम पर धान स्थानीय स्तर पर बेचने को विवश हो रहे हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय के हस्तक्षेप के बाद धान क्रय केंद्र पर शत प्रतिशत खरीद का लक्ष्य पूरा किया जाएगा और सभी धान क्रय केंद्र पुनः पूरी क्षमता से कार्य करेंगे।

जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी अजय कुमार शर्मा, अनिल कुमार सिंह, चन्द्रशेखर विश्वकर्मा, पवन शुक्ला, सुमित मिश्रा, मंदीप सिंह, विजय भारती एवं दामोदर आदि ने मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी निर्देशों का स्वागत किया और श्री त्रिपाठी को किसानों से जुड़े मामले को मुख्यमंत्री स्तर तक ले जाने पर बधाई दी। पूर्वांचल नव निर्माण मंच के नेता गिरीश पाण्डेय ने धान खरीद शुरू कराने के लिए प्रयासरत और संवेदनशील राष्ट्रीय लोक दल के जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया कि धान खरीद शुरू कराने के लिए अगले सप्ताह होने वाले विरोध प्रदर्शन और कलेक्ट्रेट के घेराव के कार्यक्रम को स्थगित किया जाता है।

सम्पादकीय

बच्चों को स्ट्रेस मत दो जीवन जीना सिखाओ

बोर्ड परीक्षाओं का समय आते ही घरों का माहौल बदल जाता है। किताबों के पन्ने भारी हो जाते हैं, कमरों में सन्नाटा बढ़ जाता है और बातचीत का एक ही विषय रह जाता है - अंक, रैंक और परिणाम। माता पिता अपने अपने ढंग से चिंतित होते हैं। उन्हें लगता है कि यह समय निर्णायक है, यहीं से बच्चे का भविष्य बनेगा या बिगड़ेगा। इसी चिंता में वे अनजाने में बच्चों पर अपेक्षाओं का बोझ डाल देते हैं। हम अपने बच्चों को भविष्य के लिए तैयार करते हैं। अच्छे अंक लाओ, अच्छी लाइन चुनो, अच्छे संस्थान में जाओ, अच्छी नौकरी पाओ। यह सब कहते हुए हमें लगता है कि हम उनका भला कर रहे हैं। पर इस प्रक्रिया में हम एक बुनियादी बात भूल जाते हैं - हम उन्हें जीवन के लिए तैयार नहीं कर रहे। जीवन में असफलताएं आती हैं, भ्रम आते हैं, रिश्तों की उलझनें आती हैं, अकेलापन आता है और ऐसे प्रश्न आते हैं जिनका कोई पाठ्यक्रम नहीं होता। यदि बच्चा केवल अंक लाने की मशीन बनकर बड़ा हुआ है, तो वह इन क्षणों में टूट जाता है। क्योंकि हमने उसे जीतना सिखाया, जीना नहीं। अक्सर माता पिता कहते हैं कि हम दबाव इसलिए डालते हैं ताकि बच्चा बेहतर कर सके। पर बच्चा दबाव और प्रोत्साहन के फर्क को नहीं समझ पाता। उसके लिए यह सीधा संदेश होता है कि मेरी कीमत मेरे अंकों से तय होगी। अगर अंक अच्छे आए तो मैं स्वीकार्य हूं, नहीं आए तो निराशा बन जाऊंगा। यही सोच धीरे धीरे उसके भीतर भय और असुरक्षा भर देती है। परिणाम एक संख्या है, पहचान नहीं। पर जब हम हर बातचीत को परिणाम से जोड़ देते हैं, तो बच्चे का मन संकुचित हो जाता है। वह पढ़ता है, पर डर के साथ। वह मेहनत करता है, पर आनंद के बिना। और डर के साथ किया गया कोई भी प्रयास अंततः मन को कमजोर करता है। जीवन के लिए तैयार करने का अर्थ है बच्चे को यह सिखाना कि असफलता अंत नहीं है। कि प्रयास का मूल्य परिणाम से अधिक है। कि तुलना जीवन की सबसे बड़ी चोरी है। कि हर व्यक्ति की गति अलग होती है। यदि बच्चा यह समझ ले, तो वह परीक्षा देगा, पर परीक्षा उसे नहीं तोड़ेगी। हमें बच्चों को यह भी सिखाना चाहिए कि वे केवल माता पिता की आकांक्षाओं का विस्तार नहीं हैं। वे स्वतंत्र चेतनाएं हैं, जिनकी अपनी रुचियां, क्षमताएं और सीमाएं हैं। जब बच्चा यह महसूस करता है कि उसे सुना जा रहा है, समझा जा रहा है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। और आत्मविश्वास ही किसी भी परीक्षा की सबसे बड़ी तैयारी है। इस समय माता पिता को सबसे अधिक जिस चीज की जरूरत है, वह है धैर्य। कम बोलना, अधिक सुनना। कम तुलना करना, अधिक विश्वास दिखाना। बच्चे को यह एहसास दिलाना कि तुम जैसे हो, वैसे ही स्वीकार्य हो। अंक आएंगे, रास्ते बनेंगे, पर तुम्हारा होना हमसे अलग नहीं होगा। यदि हम बच्चों को जीवन के लिए तैयार करें, तो भविष्य अपने आप संभल जाता है। पर यदि हम केवल भविष्य के पीछे भागें और जीवन को भूल जाएं, तो हम एक पीढ़ी को सफल तो बना सकते हैं, पर शांत नहीं। बोर्ड परीक्षाएं आएंगी और चली जाएंगी। पर इन दिनों में बच्चे के भीतर जो भाव बैठता है, वह जीवन भर साथ चलता है। सवाल यह है कि हम उसमें भय बोना चाहते हैं या भरोसा। क्योंकि भरोसे के साथ बढ़ा हुआ बच्चा ही सचमुच जीवन में आगे जाता है - न केवल कागजों पर, बल्कि भीतर से भी।

विकसित भारत की उड़ान : बजट 2026 के आर्थिक संकल्प

ललित गर्ग

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत नवीन केंद्रीय बजट को यदि समग्र दृष्टि से देखा जाए तो यह केवल एक वार्षिक वित्तीय दस्तावेज नहीं, बल्कि 'विकसित भारत 2047' के स्वप्न की ठोस आधारशिला के रूप में सामने आता है। यह बजट उस रिफॉर्म एक्सप्रेस की तरह है जो बीते वर्षों में चली आर्थिक सुधारों की पटरियों पर तेज़ गति से दौड़ते हुए अब भारत को उच्च विकास, समावेशन और आत्मनिर्भरता की नई ऊँचाइयों की ओर ले जाने का दावा करता है। तुलनात्मक, विवेचनात्मक और समीक्षात्मक दृष्टि से यह बजट पूर्ववर्ती बजटों की निरंतरता को बनाए रखते हुए कई नए आयाम भी जोड़ता है, जो इसे ऐतिहासिक और भविष्यगामी बनाते हैं। पिछले कुछ वर्षों के बजटों की तुलना में यह बजट अधिक आत्मविश्वास के साथ सामने आता है। महामारी, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों के बीच भारत ने जिस आर्थिक मजबूती का प्रदर्शन किया है, उसका आत्मविश्वास इस बजट में स्पष्ट झलकता है। जहां पूर्व बजटों में संकट प्रबंधन और अर्थव्यवस्था को संभालने पर अधिक जोर था, वहीं यह बजट विकास की ऊंची उड़ान के लिए रनवे तैयार करता दिखता है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का मंत्र यहां नारे से आगे बढ़कर नीतिगत संरचना का रूप लेता है। स्वास्थ्य क्षेत्र में बजट की दृष्टि विशेष रूप से विवेचनात्मक है। चिकित्सा अवसंरचना के विस्तार, मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाने, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और डिजिटल हेल्थ के माध्यम से गांव-गांव तक चिकित्सा सुविधाएं पहुँचाने की दिशा में किए गए प्रावधान यह संकेत देते हैं कि सरकार स्वास्थ्य को केवल खर्च नहीं, बल्कि मानव पूंजी में निवेश मान रही है। यदि पिछले दशक के बजटों से तुलना की जाए तो स्वास्थ्य पर आवंटन और दृष्टिकोण दोनों में गुणात्मक परिवर्तन दिखाई देता है। यह बदलाव भारत को न केवल स्वस्थ समाज की ओर ले जाने वाला है, बल्कि उत्पादकता और आर्थिक वृद्धि को भी दीर्घकाल में मजबूती देगा।

शिक्षा के क्षेत्र में भी बजट की आत्मा दूरदर्शी है। नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन, कौशल विकास, डिजिटल शिक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उभरती तकनीकों से जुड़ी शिक्षा पर बल यह दर्शाता है कि सरकार भविष्य के भारत के लिए आज के युवाओं को तैयार करना चाहती है। पूर्ववर्ती बजटों में शिक्षा पर खर्च की चर्चा होती थी, लेकिन इस बजट में शिक्षा को रोजगार और नवाचार से जोड़ने की स्पष्ट रणनीति दिखाई देती है। यह एक ऐसा बिंदु है जहाँ यह बजट तुलनात्मक रूप से अधिक परिपक्व और व्यावहारिक प्रतीत होता है।

विकास की दृष्टि से यह बजट 'इन्फ्रास्ट्रक्चर प्लस समावेशन' का मॉडल प्रस्तुत करता है। रेलवे कॉरिडोरों के विकास, लॉजिस्टिक्स को सशक्त बनाने, सड़क, बंदरगाह और शहरी अवसंरचना में निवेश को जिस तरह प्राथमिकता दी गई है, वह भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का मजबूत हिस्सा बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सात रेलवे कॉरिडोर विकसित करने की घोषणा केवल परिवहन सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और क्षेत्रीय संतुलन का माध्यम भी है। यदि इसे पिछले बजटों से जोड़कर देखा जाए तो स्पष्ट होता है कि सरकार अब बुनियादी ढांचे को विकास का इंजन मानकर लगातार गति दे रही है। ग्रामीण भारत के संदर्भ में यह बजट विशेष उल्लेख के योग्य है। कृषि, ग्रामीण अवसंरचना, सिंचाई, किसान कल्याण और ग्रामीण उद्यमिता से जुड़े प्रावधान यह संकेत देते हैं कि गांव को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की मंशा केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है। मेडिकल सुविधाओं, शिक्षा और डिजिटल कनेक्टिविटी के विस्तार से ग्रामीण भारत में जीवन की गुणवत्ता सुधरने की संभावना बढ़ती है। यह आत्मनिर्भर भारत की उस परिकल्पना को साकार करता है जिसमें गांव मजबूत होंगे तो देश स्वतः मजबूत होगा। नारी शक्ति के सशक्तिकरण के संदर्भ में भी बजट का दृष्टिकोण तुलनात्मक रूप से व्यापक है। महिला स्वयं सहायता समूहों, महिला उद्यमिता, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़े विशेष प्रावधान यह दर्शाते हैं कि महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास की भागीदार के रूप में देखा जा रहा है। गरीबों और वंचित वर्गों के लिए लक्षित योजनाएं इस बजट को सामाजिक न्याय की दृष्टि से भी संतुलित बनाती हैं। समीक्षात्मक रूप से देखा जाए तो यह बजट कल्याण और विकास के बीच संतुलन साधने का प्रयास करता है, जो किसी भी दीर्घकालिक आर्थिक नीति की अनिवार्य शर्त है।

युवाओं के लिए यह बजट विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। स्टार्टअप, नवाचार, स्किल इंडिया, रोजगार सृजन और नई तकनीकों में निवेश युवाओं की आकांक्षाओं को संबोधित करता है। यदि इसे आगामी विधानसभा चुनाव वाले राज्यों के संदर्भ में देखा जाए तो यह भी स्पष्ट होता है कि बजट में क्षेत्रीय संतुलन और राजनीतिक यथार्थ का भी ध्यान रखा गया है। हालांकि आलोचक इसे चुनावी बजट कह सकते हैं, लेकिन विवेचनात्मक दृष्टि से यह कहना अधिक उचित होगा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में बजट का जन-आकांक्षाओं से जुड़ा होना स्वाभाविक है, बशर्ते वह दीर्घकालिक विकास को बाधित न करे। इस बजट में दीर्घकालिक दृष्टि और तात्कालिक आवश्यकताओं के बीच संतुलन दिखाई देता है।

समीक्षात्मक रूप से यह स्वीकार करना होगा कि किसी भी बजट की सफलता केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन से तय होती है। संसाधनों की उपलब्धता, राज्यों के साथ समन्वय और पारदर्शी प्रशासन इस बजट की वास्तविक परीक्षा होंगे। फिर भी, तुलनात्मक दृष्टि से यह बजट भारत की आर्थिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव प्रतीत होता है। अंततः यह कहा जा सकता है कि निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत यह बजट भारत के विकास की ऊंची उड़ान का मजबूत आधार है। यह वर्तमान की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए भविष्य की संभावनाओं के लिए रास्ता तैयार करता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, अवसंरचना, ग्रामीण विकास, नारी शक्ति और युवाओं को केंद्र में रखकर यह बजट 'विकसित भारत 2047' की दिशा में एक सशक्त कदम है। यदि इसे निरंतर सुधार, जवाबदेही और समावेशी क्रियान्वयन का साथ मिला, तो यह बजट इतिहास में केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत के उज्ज्वल भविष्य की नींव के रूप में याद किया जाएगा।

राष्ट्रीय सुरक्षा और राहुल गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता

ललित गर्ग

नीति-निर्माण, राष्ट्रीय सुरक्षा और संसदीय विमर्श जैसे गंभीर विषय किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं। संसद केवल सत्ता और विपक्ष के टकराव का मंच नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामूहिक विवेक और जिम्मेदार अभिव्यक्ति का सर्वोच्च स्थल है। ऐसे में जब राष्ट्रपति के अभिभाषण जैसे संवैधानिक और गरिमामय अवसर पर चर्चा चल रही हो, तब किसी भी नेता से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वह शब्दों, संदर्भों और समय-तीनों के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरते। हालिया घटनाक्रम में लोकसभा में प्रतिनक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के कुछ अंशों का हवाला देकर चीनी सेना की कथित घुसपैठ को लेकर जो बयान दिया गया, उसने इसी अपेक्षा पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए। सरकार का आरोप रहा कि इस बयान ने लोकसभा को गुमराह करने का प्रयास किया, जबकि विपक्ष ने इसे सच दबाने की कोशिश बताकर पलटवार किया। परिणाम यह हुआ कि संसद की कार्यवाही बाधित हुई, तीखी बहस ने पूरे दिन का सत्र स्थगित करा दिया और राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र मूल मुद्दों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप बन गया। यह प्रश्न केवल एक वक्तव्य का नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय हित की समझ का है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक वक्तव्यों में संवेदनशीलता अनिवार्य होती है। सीमाओं से जुड़े तथ्य, सैन्य तैनाती, रणनीतिक आकलन-ये सब ऐसे विषय हैं जिन पर आधे-अधूरे संदर्भ या चयनित उद्धरण अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकते हैं। यही कारण है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे संसदीय नियमों के उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ बताया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा व्यवस्था देने के बावजूद यदि किसी नेता का अपने वक्तव्य पर अड़े रहना कार्यवाही को ठप कर दे, तो सवाल उठता है कि क्या उद्देश्य सच सामने लाना था या राजनीतिक लाभ साधना। विपक्ष का दायित्व सत्ता से सवाल करना है, यह लोकतंत्र का प्राण है। किंतु सवालों की भाषा, मंच और समय-तीनों लोकतांत्रिक मर्यादाओं से बंधे होते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का समय सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और भविष्य की दिशा पर समग्र विमर्श का होता है। उस दौरान सैन्य पुस्तकों के चयनित अंशों को राजनीतिक हथियार बनाना, वह भी बिना समुचित संदर्भ और संस्थागत प्रक्रिया के, स्वाभाविक रूप से विवाद को जन्म देता है। विपक्ष का यह कहना कि सरकार असहज प्रश्नों को दबाना चाहती है, एक परिचित एवं बेतूका राजनीतिक तर्क है; परंतु सरकार का यह कहना कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीतिक रंग देना अनुचित है, उतना ही वजनदार प्रतिवाद है। दोनों पक्षों के बीच संतुलन वहीं संभव है, जहां तथ्य, प्रक्रिया और समय का सम्मान हो।

संसद के भीतर अप्रकाशित 'संस्मरण' के जिक्र पर विवाद होना स्वाभाविक है। क्योंकि संसदीय परंपराओं और स्थापित नियमों के अनुसार किसी भी सदस्य द्वारा संसद के पटल पर ऐसी प्रकाशित या अप्रकाशित पुस्तक, लेख या पत्रिका की सामग्री को प्रमाण के रूप में उद्धृत करना स्वीकार्य नहीं है, जिसे सदन

के समक्ष औपचारिक रूप से प्रस्तुत (टेबल) न किया गया हो। विशेष रूप से ऐसी पुस्तकों या लेखों के अंश, जिनकी न तो संसदीय सत्यापन प्रक्रिया हुई हो और न ही जिन्हें सदन की अनुमति से अभिलेखित किया गया हो, उन्हें तथ्यात्मक प्रमाण मानना संसदीय मर्यादा के विरुद्ध है। इस दृष्टि से राहुल गांधी द्वारा किसी अप्रकाशित पुस्तक के अंशों को सीधे उद्धृत कर उन्हें नीतिगत या राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करना न केवल संसदीय नियमों की अवहेलना है, बल्कि इससे सदन की गरिमा और कार्यवाही की विश्वसनीयता भी आहत होती है।

राहुल गांधी केवल कांग्रेस के नेता ही नहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। कम से कम राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में तो उन्हें भारतीय सेनाओं के नैरेटिव के साथ खड़े होना चाहिए। दुर्भाग्य से वे ऐसा नहीं करते। वे चीन और पाकिस्तान को लेकर मोदी सरकार को तो घेरते हैं, लेकिन यह स्मरण नहीं रखते कि इन दोनों देशों ने भारतीय भूभाग पर तब अतिक्रमण किया, जब कांग्रेस सत्ता में थी। गलवान में चीनी सेना के साथ खूनी टकराव के मामले में तत्कालीन सेनाध्यक्ष की अप्रकाशित पुस्तक के कथित अंश का जैसा उल्लेख राहुल गांधी ने किया, उस पर हंगामा होना ही था। आखिर जो पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई, उसका उल्लेख राहुल कैसे कर सकते हैं? राहुल गांधी का आरोप कि मोदी सरकार ने चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये पर साहस नहीं दिखाया, बेबुनिया एवं भ्रमित करने वाला आरोप है। यह पहली बार नहीं है, जब राहुल गांधी ने यह कहने की कोशिश की हो कि प्रधानमंत्री मोदी चीन का डटकर मुकाबला करने से बचते हैं। वे मोदी सरकार को कमजोर दिखाने के लिए यह भी कहते रहे हैं कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर रखा है। वे यहां तक कह चुके हैं कि चीनी सेना ने भारतीय सैनिकों की पिटाई की थी। इसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट की फटकार भी सुननी पड़ी थी। इसके बाद भी वे यह समझने के लिए तैयार नहीं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में सतही आरोपों के आधार पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। जबकि सच्चाई यह है और सब जानते हैं कि गलवन में चीनी सेना को करारा जवाब मिला था और इसी कारण वह वार्ता की मेज पर आया और लद्दाख में कई इलाकों में यथास्थिति कायम हो पाई।

कांग्रेस की भूमिका पर भी गंभीर आत्ममंथन आवश्यक है। एक समय देश को नेतृत्व देने वाली पार्टी आज बार-बार ऐसे प्रसंगों में उलझती दिखती है, जहां बयानबाजी मुद्दों पर भारी पड़ जाती है। राहुल गांधी एक प्रभावशाली वक्ता हैं, जनभावनाओं को छूने की क्षमता रखते हैं और युवाओं में संवाद स्थापित कर सकते हैं। किंतु यही कारण है कि उनसे अधिक जिम्मेदारी की अपेक्षा भी की जाती है। बार-बार ऐसे मुद्दे उठाना जिन्हें सत्ता पक्ष राष्ट्रीय एकता के लिए घातक बताता हो, कांग्रेस की छवि को गैर-जिम्मेदार विपक्ष के रूप में मजबूत करता है। यह धारणा चाहे पूरी तरह सही न हो, लेकिन राजनीति में धारणा भी उतनी ही प्रभावशाली होती है जितना तथ्य। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो परिपक्व लोकतंत्रों में राष्ट्रीय सुरक्षा पर बहस के लिए अलग-अलग संसदीय समितियां, बंद सत्र और संस्थागत प्रक्रियाएं होती हैं। सार्वजनिक मंचों पर बयान देते समय नेता प्रायः संकेतों और नीतिगत प्रश्नों तक सीमित रहते हैं, विस्तृत सैन्य विवरणों से परहेज करते हैं। भारत में भी ऐसी परंपरा विकसित होनी चाहिए, जहां विपक्ष सरकार से जवाबदेही मांगे, परंतु सेना और सुरक्षा संस्थानों की साख को राजनीतिक संघर्ष का अखाड़ा न बनाया जाए। यही संतुलन लोकतंत्र को मजबूत करता है। लेकिन राहुल गांधी पूर्व में भी सैन्य बयानों से न केवल सुरक्षा के लिये खतरा बनते रहे हैं बल्कि हमारे जवानों के मनोबल को भी आहत करते रहे हैं। यह भी सच है कि सरकार को पारदर्शिता से घबराना नहीं चाहिए। यदि विपक्ष किसी पुस्तक, रिपोर्ट या बयान का हवाला देता है, तो उसका संस्थागत और तथ्यपरक उत्तर दिया जाना चाहिए। केवल नियमों के उल्लंघन का हवाला देकर बहस को समाप्त करना भी स्वस्थ परंपरा नहीं कही जा सकती। राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर पूर्ण मौन भी लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व के विपरीत है। अतः दोनों पक्षों को अपनी-अपनी सीमाएं पहचाननी होंगी। अंततः प्रश्न राहुल गांधी की परिपक्वता का भी है। परिपक्वता का अर्थ चुप रहना नहीं, बल्कि यह समझना है कि कौन-सा प्रश्न कब, कहां और कैसे उठाया जाए। एक राष्ट्रीय नेता से अपेक्षा होती है कि वह भावनात्मक आवेग के बजाय रणनीतिक विवेक से काम ले। इसी तरह विपक्ष की सामूहिक जिम्मेदारी है कि वह संसद को ठप करने के बजाय उसे प्रभावी बहस का मंच बनाए। संसद का स्थगन किसी की जीत नहीं, बल्कि लोकतंत्र की हार होता है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता: मोदी नेतृत्व की वैश्विक दृढ़ता

ललित गर्ग

अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार के परिदृश्य में कोई भी समझौता केवल आंकड़ों या कर-प्रतिशतों तक सीमित नहीं होता, वह राष्ट्र की संप्रभुता, नेतृत्व की दृढ़ता और भविष्य की दिशा का भी संकेतक होता है। भारत और अमेरिका के बीच हालिया व्यापारिक सहमति, जिसके अंतर्गत प्रस्तावित 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है, इसी दृष्टि से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटना है। यह निर्णय केवल आर्थिक राहत नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन और भारत की बढ़ती सौदेबाजी क्षमता का प्रमाण है। यहां 'देर आए, दुरुस्त आए' की कहावत पूरी तरह चरितार्थ होती है। जब अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर ऊँचे टैरिफ का दबाव बनाया गया था, तब यह आशंका व्यक्त की जा रही थी कि भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था को अंततः झुकना पड़ेगा। वैश्विक व्यापार का हालिया इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि बड़ी शक्तियां अक्सर दबाव की राजनीति के माध्यम से अपने हित साधती हैं। किंतु फरवरी 2025 में आरंभ हुई इस व्यापारिक प्रक्रिया का फरवरी 2026 में सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ना यह दर्शाता है कि भारत ने न तो जल्दबाजी दिखाई और न ही अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता किया। भारत ने समय लिया, परिस्थितियों का मूल्यांकन किया और अंततः संतुलित व सम्मानजनक परिणाम प्राप्त किया।

50 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक की टैरिफ कटौती का तात्कालिक प्रभाव व्यापारिक जगत और शेयर बाजार में दिखाई दिया। निवेशकों का भरोसा लौटा, निर्यातकों को राहत मिली और बाजार में सकारात्मक संकेत उभरे। किंतु इस निर्णय का वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह इस बात की पुष्टि करता है कि भारत अब केवल नियमों का पालन करने वाला देश नहीं, बल्कि नियमों के निर्माण और पुनर्परिभाषा में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने वाला राष्ट्र बन चुका है। अमेरिका जैसी महाशक्ति का अपने रुख में नरमी लाना भारत की आर्थिक ताकत, रणनीतिक धैर्य और राजनीतिक आत्मविश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसमें संवाद है, पर दबाव के आगे समर्पण नहीं। चाहे वह रक्षा सहयोग हो, ऊर्जा सुरक्षा हो या व्यापारिक समझौते-हर क्षेत्र में भारत ने अपने हितों को केंद्र में रखते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया है। इस व्यापारिक डील में भी भारत ने बिना झुके, बिना रुके और बिना कमजोर पड़े अपनी शर्तें स्पष्ट रूप से रखीं। यही कारण है कि अंततः अमेरिका को अपने प्रस्तावों में संशोधन करना पड़ा। यह केवल एक व्यापारिक जीत नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता और नेतृत्व की दृढ़ता का उदाहरण है। इस समझौते से भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में एक उन्नत स्थिति प्राप्त होगी। कम टैरिफ का अर्थ है कि भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे, उनकी पहुंच बढ़ेगी और 'मेक इन इंडिया' को नया प्रोत्साहन मिलेगा। टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, कृषि-आधारित उत्पाद और उभरते तकनीकी क्षेत्र-सभी को इससे दीर्घकालिक लाभ होने की संभावना है। भारत अब केवल सस्ता श्रम या कच्चा माल उपलब्ध कराने वाला देश नहीं, बल्कि मूल्यवर्धित उत्पादन और नवाचार की दिशा में अग्रसर अर्थव्यवस्था बनता जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसदीय दल की बैठक में जिस संयम और आत्मविश्वास के साथ भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को 'निरंतर धैर्य का परिणाम' बताया, वह उनकी कूटनीतिक शैली का सार है। यह समझौता किसी अचानक हुए घटनाक्रम का नतीजा नहीं, बल्कि एक वर्ष तक चली रणनीतिक प्रतीक्षा,

विकल्पों के विस्तार और संतुलित संवाद का परिणाम है। मोदी ने स्पष्ट संकेत दिया कि सरकार ने विपक्ष की आलोचनाओं और तात्कालिक दबावों के बावजूद धैर्य नहीं छोड़ा, क्योंकि वैश्विक व्यापार और भू-राजनीति में जल्दबाज़ी अक्सर महंगी पड़ती है। अमेरिका का झुकना किसी भावनात्मक मित्रता का परिणाम नहीं, बल्कि ठोस रणनीतिक विवशता का नतीजा है। बीते एक वर्ष में भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि उसके पास विकल्प हैं-रूस के साथ ऊर्जा सहयोग, यूरोपीय संघ के साथ ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी बढ़ती भूमिका। यदि वाशिंगटन भारत पर एकतरफा दबाव बनाए रखता, तो अमेरिकी कंपनियां दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बड़े बाजार से बाहर हो जातीं। ट्रंप द्वारा 500 अरब डॉलर के आयात, शून्य टैरिफ और रूसी तेल त्यागने जैसे नाटकीय दावे इसी दबाव की राजनीति का हिस्सा थे, जिन्हें भारत ने न तो सार्वजनिक टकराव का मुद्दा बनाया और न ही स्वीकारोक्ति दी। मोदी का इन पर मौन यह दर्शाता है कि भारत इस घटनाक्रम को अंतिम समझौते के रूप में नहीं, बल्कि दिशा-निर्धारण के रूप में देख रहा है। इसके विपरीत, भारतीय विपक्ष इस पूरे प्रकरण में अपनी राजनीतिक अधीरता और रणनीतिक अपरिपक्वता को उजागर करता रहा। उसने टैरिफ को लेकर तात्कालिक लाभ-हानि की भाषा में सरकार को घेरने की कोशिश की, जबकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ताएं समय, धैर्य और बहुस्तरीय गणनाओं की मांग करती हैं। विपक्ष यह समझने में असफल रहा कि कूटनीति में कभी-कभी पीछे हटना नहीं, बल्कि प्रतीक्षा करना ही सबसे बड़ा कदम होता है। आज जब अमेरिका को अपना अड़ियल रुख छोड़ना पड़ा है और भारत फिर से वैश्विक प्रतिस्पर्धा की अग्रिम पंक्ति में खड़ा दिख रहा है, तब यह स्पष्ट है कि मोदी की नीति न केवल दबाव से मुक्त थी, बल्कि दूरदर्शी भी। यही नीति भारत को एक आत्मविश्वासी, प्रभावशाली और सौदे की शर्तें तय करने वाली शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यह वैश्विक व्यापार में दबाव आधारित राजनीति के अंत का संकेत देता है। लंबे समय से बड़ी अर्थव्यवस्थाएं टैरिफ, प्रतिबंध और नीतिगत दबावों के माध्यम से छोटे या उभरते देशों को अपनी शर्तें मानने के लिए विवश करती रही हैं। भारत ने इस प्रवृत्ति को न केवल चुनौती दी, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि आत्मविश्वास, आर्थिक क्षमता और राजनीतिक इच्छाशक्ति के बल पर किसी भी दबाव को संतुलित संवाद में बदला जा सकता है। भारत-अमेरिका संबंधों के संदर्भ में यह समझौता एक नए राजनीतिक आभामंडल के निर्माण का भी संकेत देता है। यह संबंध अब केवल रणनीतिक या सामरिक सहयोग तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आर्थिक साझेदारी के एक नए स्तर की ओर बढ़ रहा है। इसका प्रभाव केवल इन दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक राजनीति में बहुध्रुवीय व्यवस्था को और अधिक मजबूती देगा। दुनिया धीरे-धीरे यह स्वीकार कर रही है कि भविष्य का नेतृत्व किसी एक शक्ति के हाथ में नहीं, बल्कि संतुलित साझेदारियों के माध्यम से उभरेगा, और भारत उसमें एक केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए तैयार है। इस व्यापारिक प्रगति से मोदी सरकार की अंतरराष्ट्रीय साख में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह साख किसी प्रचार या दावे पर नहीं, बल्कि ठोस परिणामों पर आधारित है। भारत आज विश्व मंच पर एक ऐसे राष्ट्र के रूप में देखा जा रहा है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए वैश्विक स्थिरता और सहयोग में भी सकारात्मक भूमिका निभाता है। यही संतुलन उसे अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं से अलग पहचान देता है। महाशक्ति बनने की भारत की यात्रा भावनात्मक नारों पर नहीं, बल्कि आर्थिक आंकड़ों, रणनीतिक समझौतों और वैश्विक स्वीकार्यता पर आधारित है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है, और इस प्रकार के व्यापारिक समझौते उस यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। यह स्पष्ट होता जा रहा है कि भारत को आगे बढ़ने से रोक पाना अब किसी के लिए आसान नहीं है। निश्चित तौर पर यह व्यापारिक समझौता भारत की परिपक्व कूटनीति और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार की दुनिया में कोई भी निर्णय केवल आर्थिक गणित नहीं होता, वह राष्ट्र की संप्रभुता, आत्मसम्मान और नेतृत्व की परिपक्वता का भी प्रमाण होता है। देर से लिया गया सही निर्णय, जल्दबाजी में किए गए गलत समझौतों से कहीं अधिक मूल्यवान होता है। भारत ने धैर्य रखा, आत्मसम्मान बनाए रखा और अंततः अपने हितों के अनुरूप परिणाम हासिल किया। निश्चित ही नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत न केवल सुरक्षित है, बल्कि आत्मविश्वास के साथ भविष्य की ओर अग्रसर है और यह विश्वास ही उसे महाशक्ति बनने की उड़ान देता है।

द्विजप्रिया संकष्टी 2026ः कौन हैं गणपति के 'द्विजप्रिय' स्वरूप,द्विजप्रिया संकष्टी का महत्व और पूजा विधि

फाल्गुन माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को द्विजप्रिय संकष्टी चतुर्थी मनाई जाती है। इस बार आज यानी की 05 फरवरी 2026 को यह व्रत किया जा रहा है। संकष्टी तिथि भगवान गणेश को समर्पित होती है।

ऐसे में धार्मिक मान्यता है कि जो भी जातक इस दिन सच्चे मन से भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करता है, गणपति बप्पा उसके जीवन के सभी कष्टों को हर लेते हैं। तो आइए जानते हैं द्विजप्रिय संकष्टी चतुर्थी की तिथि, मुहूर्त, पूजन विधि और महत्व के बारे में... **तिथि और मुहूर्तः** हिंदू पंचांग के अनुसार, फाल्गुन माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरूआत 05 फरवरी की रात 12:09 मिनट से शुरू होगी। वहीं अगले दिन यानी की 06 फरवरी को रात में 12:22 मिनट पर इस तिथि की समाप्ति होगी। ऐसे में उदयातिथि के हिसाब से द्विजप्रिय

संकष्टी चतुर्थी का व्रत 05 फरवरी 2026 को किया जा रहा है।

पूजन विधिः इस दिन सुबह जल्दी स्नान आदि करने के बाद लाल या पीले कपड़े पहनें। फिर हाथ में जल लेकर व्रत का संकल्प लें और वेदी पर लाल कपड़ा बिछाकर भगवान गणेश की प्रतिमा को स्थापित करें। फिर गंगाजल से बप्पा को स्नान कराएं और सिंदूर का तिलक लगाएं। इसके बाद गणपति को फूल, अक्षत, मोदक, धूप और दीप अर्पित करें। द्विजप्रिय संकष्टी चतुर्थी कथा का पाठ करें और पूजा के अंत में आरती करें। फिर रात में चंद्रमा के निकलने पर एक लोटे में दूध, जल और अक्षत मिलाकर चंद्रदेव को अर्घ्य दें। वहीं पूजा में हुई भूलचूक के लिए क्षमा मांगें।

मंत्र

ॐ गं गणपतये नमः

ॐ द्विजप्रियाय नमः

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ।

निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा?

महत्वः गणपति बप्पा के 32 रूपों में से छठा रूप द्विजप्रिय गणेश का है। द्विज का अर्थ है, जो दो बार जन्म ले और शास्त्रों का ज्ञाता हो।

बप्पा के इस द्विजप्रिय रूप में चार मस्तक और चार भुजाएं हैं।

इनकी पूजा-अर्चना करने से जातक आरोग्य, तेज बुद्धि और लंबी उम्र वाला होता है। साथ ही जातक के जीवन में शुभता का आगमन होता है।

बाल झड़ना का रामबाण इलाज है ये घरेलू पानी,प्याज-मेथी से घर पर बनाएं ये जादुई पानी

हर महिला की पहली पसंद होती हैं लंबे बाल। अक्सर बालों की सही केयर करने के लिए कई सारे ऐसे प्रोडक्ट होते हैं, जो मार्केट से खरीदकर लेकर आते हैं और इसे अप्लाई करते हैं। हालांकि, फिर भी अच्छा रिजल्ट नहीं मिलता है। अब आप घर पर एक खास पानी को बालों में लगाकर बालों के झड़ने की समस्या को कम कर सकती हैं। यह दादी-नानी का नुस्खा बालों को झड़ने की समस्या को कम करेगा। आइए आपको बताते हैं इस पानी को कैसे तैयार करें।

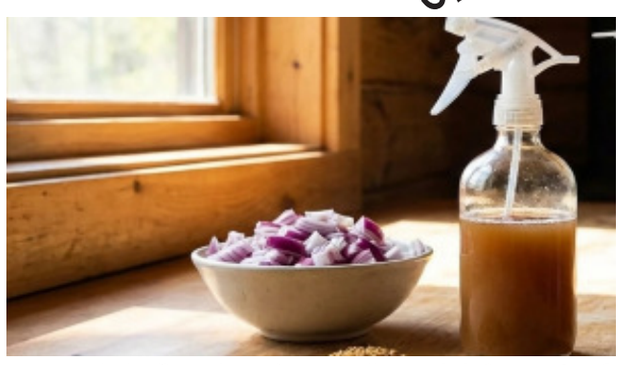

बालों के झड़ने की समस्या क्यों होती है?: आजकल बदलती जीवनशैली और मौसम का असर सीधे बालों की सेहत पर पड़ता है। व्यस्त दिनचर्या के कारण हम अक्सर बालों की सही देखभाल नहीं कर पाते, जिससे धूल-मिट्टी और गंदगी स्कैल्प पर जम जाती है। इससे बालों की जड़ें कमजोर होने लगती हैं और झड़ने की समस्या बढ़ जाती है। ऐसे में बालों को मजबूत और स्वस्थ

बनाए रखने के लिए घरेलू और प्राकृतिक चीज़ों का उपयोग करना एक प्रभावी उपाय साबित हो सकता है। **बालों के लिए कैसे बनाएं घरेलू पानी?** - इसके लिए सबसे पहले 2 कप पानी लेना है। - इसमें आपको एक प्याज को टुकड़ों में काटकर डालना है।- अब आपको मेथी दाना और रीठा डालकर अच्छे से पकाना है।- इसको आप तब तक पकाना है, जब तक इसका रंग न बदल जाए।- जब ये अच्छे से पक जाए तो इस पानी को ठंडा होने के लिए रख दें। **बालों में कैसे लगाएं पानी** - सबसे पहले आप बालों को कॉम्ब कर लें। - फिर इस पानी को एक स्प्रे बोतल में लेना है और इसे स्टोर कर लेना है। - इसके बाद आपको इसे बालों के स्कैल्प में स्प्रे करना है। - इसको अप्लाई करने के बाद अच्छे से मसाज करें। - इसे 30 मिनट के लिए बालों में लगा रहने दीजिए। - आखिर में शैंपू से बाल को धो कर इसको साफ कर लें। - इस नुस्खे को आप हफ्ते में 2 बार लगाएं।

गुलाब दिवस पर दिखना है सबसे अलग? ट्राई करें ये नवीनतम डिज़ाइन वाले खूबसूरत फ्लोरल ब्रेसलेट

जल्द ही वैलेंटाइन वीक शुरू हो जाएगा। ऐसे में आप अपने लुक को खास बनाने के लिए आउटफिट के साथ ही तरह-तरह एक्सेसरीज पहनकर अटेंशन पा सकती हैं। रोज डे को खूब को स्टाइलिश और एलिगेंट लुक बनाने के लिए आप अट्रैक्टिव एक्सेसरीज को वियर कर सकती हैं। इस लेख में हम आपके लिए वैलेंटाइन वीक में रोड डे के लिए कुछ लेटेस्ट

डिजाइन वाले फ्लावर ब्रेसलेट पहन सकते हैं। अगर आप रोज डे के दिन अपने पार्टनर के साथ कहीं घूमने या फिर मूवी देखने जा रही हैं, तो आप खूबसूरत वेस्टर्न ड्रेस के साथ एक्सेसरीज में इस तरह के सुंदर गोल्ड प्लेटेड ब्लैक फ्लोरल डिजाइन ब्रेसलेट को पहन सकते हैं। यह आपके हाथ की शोभा बढ़ा देंगे। आजकल अमरीकन डायमंड फ्लोरल ब्रेसलेट काफी ट्रेंड में हैं। यह आपके हाथों की सुंदरता बढ़ा देंगे। आपके लुक को भी अट्रैक्टिव बनाएगा। इस तरह के ब्रेसलेट आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह मिल जाएंगे। इस तरह के ब्रेसलेट काफी ट्रेंड में है। आजकल पिंक और ग्रीन बीड हैंड ब्रेसलेट को लड़कियां काफी पसंद कर रही हैं। रोज डे के मौके को परफेक्ट बनाने के लिए आप आउटफिट के साथ इस तरह का ब्रेसलेट जरुर वियर करें। पिंक और ग्रीन बीड हैंड ब्रेसलेट को आप नजदीकी बाजार से खरीद सकती हैं या ऑनलाइन शॉपिंग के जरिए भी खरीद सकती हैं।

मधुमेह नियंत्रण पर डॉक्टर का बड़ा खुलासा, क्या धूप से घटता है रक्त शर्करा स्तर?

डायबिटीज को लेकर लोगों के मन में यह जिज्ञासा अक्सर रहती है कि क्या दवाओं और खान-पान के परहेज के अलावा कोई प्राकृतिक उपाय भी है, जो ब्लड शुगर को संतुलित रखने में सहायक हो सके। कुछ लोगों का मानना है कि रोजाना थोड़ी देर धूप में बैठने से शुगर लेवल पर सकारात्मक असर पड़ता है, जबकि कुछ इसे केवल एक भ्रम समझते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि इसकी सच्चाई क्या है। दरअसल, डायबिटीज केवल बढ़े हुए ब्लड शुगर तक सीमित बीमारी नहीं है, बल्कि यह शरीर के मेटाबॉलिज्म, हार्मोन संतुलन और मानसिक स्वास्थ्य से भी गहराई से जुड़ी होती है। खराब नीदं, तनाव और एक्सरसाइज न करने पर शुगर लेवल बिगाड़ सकता है। आइए जानते है कि धूप लेने से डायबिटीज कंट्रोल कैसे होता है।

धूप को डायबिटीज का सीधा इलाज नहीं माना जा सकता, लेकिन अगर इसे सही समय और उचित मात्रा में लिया जाए, तो यह शरीर में ऐसे सकारात्मक बदलाव ला सकती है जो डायबिटीज को नियंत्रित करने में मददगार हो सकते हैं। डॉक्टर जी. कृष्ण मोहन रेड्डी के अनुसार, सूर्य की रोशनी विटामिन ३ प्राप्त करने का सबसे प्राकृतिक माध्यम है। जब शरीर को भरपूर धूप मिलती है, तो त्वचा के

माध्यम से विटामिन ३ का निर्माण होता है, जो शरीर के कई जरूरी कार्यों में अहम भूमिका निभाता है। हेल्थ एक्सपर्ट ने बताया है कि केवल धूप में बैठने से डायबिटीज कंट्रोल नहीं होती है। न तो यह दवा का विकल्प है और न ही डाइट या एक्सरसाइज का। वहीं, जो लोग रोज धूर लेते हैं उनका मेटाबॉलिज्म बेहतर रहता है और शरीर की इंसुलिन सेंसिटिविटी में सुधार देखा जा सकता है।

इसका सीधा अर्थ है कि धूप सपोर्टिव रोल निभा सकती हैं, लेकिन इलाज का मुख्य आधार नहीं बन सकती। - रिसर्च में भी यही पाया गया है कि जिन लोगों में विटामिन-३ की कमी होती है, उनमें इंसुलिन रेजिस्टेंस का खतरा अधिक रहता है। - विटामिन डी शरीर में इंसुलिन की कार्यक्षमता को बेहतर बनाने में मदद करता है। - डायबिटीज के मरीजों के लिए रोजाना 15 से 25 मिनट की धूप पर्याप्त मानी जाती है। सुबह की हल्की धूप लेना सेहत के लिए भी अच्छा होता है।

रक्तचापः उच्च रक्तचाप का नया टारगेट बच्चे और युवा

अगर आप भी शरीर को सेहतमंद बनाए रखना चाहते हैं, तो इसके लिए जरूरी है कि आप ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर दोनों को कंट्रोल में रखें। क्योंकि ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर बढ़ने से कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। जिन लोगों का अक्सर बीपी हाई रहता है, उनको तंत्रिकाओं, आंखों और किडनी से संबंधित दिक्कतें होने का खतरा रहता है। वहीं यह हार्ट अटैक और हार्ट स्ट्रोक जैसी समस्याओं की वजह बन सकती है। हाई बीपी को हेल्थ एक्सपर्ट 'साइलेंट किलर' भी कहते हैं। क्योंकि इसके लक्षण लंबे समय तक सामने नहीं आते हैं। यह अंदर ही अंदर शरीर के कई अंगों को नुकसान पहुंचाता है। गलत खानपान, लाइफस्टाइल में गड़बड़ी, फिजिकल एक्टिविटी में कमी, तनाव और नींद की अनियमितता की वजह से हाई बीपी की समस्या तेजी से बढ़ती जा रही है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि बीपी का नॉर्मल रेंज कितनी होनी चाहिए और कब आपको सावधान होने की जरूरत होती है।हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो बीपी वह दबाव है, जो ब्लड सर्कुलेशन के दौरान हमारी रक्त वाहिकाओं की दीवारों पर पड़ता है। समस्या यह है कि अधिकतर मामलों में व्यक्ति को इस समस्या का तब तक पता नहीं चलता है, जब तक कोई गंभीर समस्या सामने न आ जाए।वहीं समय रहते इनके लक्षणों को पहचान करना और साथ ही इसको कंट्रोल करने के उपाय करना चाहिए। जिससे कि दिल, दिमाग, आंखों और किडनी को होने वाले स्थायी नुकसान से बचा जा सके।इसके नियमित अंतराल पर अपने बीपी को चेक करते रहें। ऐसे में आइए जानते हैं इसकी रीडिंग कितनी होनी चाहिए।

ब्यूटी टिप्सः वैलेंटाइन डे पर पाएं दोषरहित चमक,ये आसान मेकअप टिप्स आएंगे काम

कपल्स के लिए वैलेंटाइन डे काफी खास होता है। इस दिन कपल्स एक-दूसरे को खास होने का एहसास कराते हैं। इस दिन लोग अपने पार्टनर के साथ डेट पर जाते हैं और साथ में समय बिताते हैं। वैलेंटाइन वीक के आखिरी में यह दिन आता है। जिसका इंतजार प्रेमी जोड़ों को सालभर रहता है। इस दिन लड़कियां खास तौर पर तैयार होती हैं और अपने पार्टनर को इंप्रेस करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ती हैं। ऐसे में अगर आप भी अपने पार्टनर के साथ कहीं डेट

पर जाने का प्लान कर रही हैं, तो इस दिन खास तरह से तैयार हों। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सिंपल तरह से मेकअप करने का तरीका बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप भी इन टिप्स को अपनाकर इस खास दिन को अधिक खास बना सकती हैं। मेकअप करने से पहले अपनी त्वचा को अच्छे से तैयार करना जरूरी होता है। इसके लिए माइल्ड फेसवॉश से चेहरा धो लें। फिर मॉइश्चराइजर अप्लाई करें। इससे स्किन हाइड्रेटेड होगी और स्मूद रहेगी। **मेकअप बेसः** बेस मेकअप करने से पहले त्वचा पर प्राइमर जरूर लगाएं। इसके बाद अपनी स्किन टोन के हिसाब से फाउंडेशन लगाएं और अच्छे से ब्लेंड करें। फिर फेस पर डार्क सर्कल और दाग-धब्बों को छिपाने के लिए कंसीलर का इस्तेमाल करें। वहीं अगर आपकी स्किन ऑयली है, तो सेटिंग पाउडर का इस्तेमाल करना न भूलें। **आई मेकअपः** अपने आई लुक को खास बनाने के लिए आई मेकअप जरूरी है। इसके लिए आप रेड, रोमांटिक पिंक या गोल्डन टोन के आइशैडो लगाएं। आप अपने लुक को बॉसी बनाने के लिए विंग्ड लाइनर या कैट आई लुक कैरी करें। वहीं आई मेकअप में मस्कारा जरूर लगाएं, वरना आपकी आंखें अजीब लगेंगी। **हाइलाइटरः** अपने लुक को सॉफ्ट रखने के लिए आप हल्का पिंक या पीच ब्लश अप्लाई करें। इससे आपका लुक फ्रेश लगेगा। वहीं गालों की हड्डी, नाक और ब्राउ बोन पर हाइलाइटर लगाएं। जिससे कि आपका लुक ग्लोइंग लगेगा।

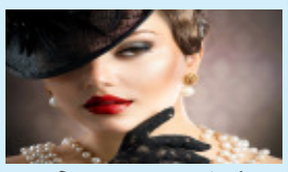

कैंसर के खिलाफ जंग में जागरूकता है सबसे बड़ा हथियार, इसका इतिहास,महत्व और थीम

मुम्बई। कैंसर एक घातक और जानलेवा बीमारी है। कैंसर का नाम सुनते ही हर एक व्यक्ति डरने लगता हैं। अगर सही समय पर कैंसर का पता चल जाए, तो इसका इलाज संभव

वरना इसे बचना नामुमकिन। आमतौर पर इसका इलाज भी काफी महंगा है, कई बार होता है कि पैसे के अभाव के कारण मरीज का सही से इलाज नहीं हो पाता है। एनसीबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, कैंसर एक ऐसी बीमारी है, जिसमें कैंसर सेल्स तेजी से शरीर के अन्य हिस्सों तक फैलने लगते हैं। ये सेल्स शरीर में गांठ बना सकती और आसपास के हेल्दी टिश्यूज को काफी नुकसान पहुंचाती हैं। हालांकि, ल्यूकेमिया (ब्लड कैंसर) जैसे कुछ कैंसरों में गांठ नहीं बनती। दरअसल, हर साल लाखों की संख्या में लोग कैंसर की वजह से अपनी जान गंवा देते हैं। इसी कारण से कैंसर के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए हर साल विश्वभर में कैंसर दिवस मनाया जाता है। हर साल 4 फरवरी को कैंसर दिवस मनाया जाता है। जानें इसका इतिहास, थीम और महत्व। **क्यों मनाया जाता है विश्व कैंसर दिवस?ः** गौरतलब है कि कैंसर का लाइलाज नहीं है, अगर समय पर पहचान और सही इलाज हो। इसके साथ ही यह मरीजों को मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक समर्थन देने का संदेश भी देता है। हर साल 4 फरवरी को कैंसर के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए 'देट् ऍहमी ॐ्ब मनाया जाता है। **वर्ल्ड कैंसर डे की थीमः** आपको बता दें कि, हर साल अंतर्राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण संघ द्वारा कैंसर दिवस को मनाए जाने के लिए एक विशेष थीम नियुक्त की जाती है। इस साल की थीम है 'ळहगू ़ ब ळहग्लि'। इस थीम का उद्देश्य कैंसर से पीड़ित हर व्यक्ति के निजी यात्रा, जरुरतें और अनुभवों को जोड़ना है। इसे सरल शब्दों में समझें कि यूनाइटेड बाय यूनिक का अर्थ है कि कैंसर से पीड़ित हर मरीज की अपनी कहानी होती है, हालांकि इसके लिए हमें बीमारी पर नहीं, बल्कि व्यक्ति के अनुभवों और जरुरतों पर ध्यान देना जरुरी है। **वर्ल्ड कैंसर डे का इतिहासः** विश्व कैंसर दिवस की शुरुआत वर्ष 2000 में पेरिस से हुई थी। 4 फरवरी 2000 को पेरिस में 'वर्ल्ड समिट अगेंस्ट कैंसर' का आयोजन किया गया, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण संघ (ळघ्ण्ण) ने यह विचार रखा कि साल में एक दिन ऐसा निर्धारित होना चाहिए, जब पूरी दुनिया में कैंसर की रोकथाम, उसके लक्षणों और उपचार के बारे में लोगों को जागरूक किया जाए। इसी सोच से विश्व कैंसर दिवस की नींव पड़ी। आज भी कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए स्कूलों, अस्पतालों और विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों द्वारा लगातार अभियान चलाए जाते हैं।

महिलाओं की स्वास्थ्य का सुपरफूड है सेब का हलवा, फायदे जानकर आप भी हो जाएंगे हैरान

बिजी लाइफस्टाइल और गलत खानपान के कारण महिलाएं अपनी सेहत का ध्यान रखना भूल ही गईं है। वैसे कहा जाता है कि फलों का सेवन करने से सेहत बढ़िया रहती है। एक कहावत भी है कि'रोज एक सेब खाओ, डॉक्टर से दूर रहो'। सेब का सेवन करना सबसे हेल्दी होता है, क्योंकि यह मल्टी विटामिन और फाइबर से भरपूर होता है। आजकल लोगों को सेब खाना बिल्कुल भी पसंद नहीं आता है। कुछ लोग तो फायदे जानते हुए भी इसे नहीं खाते हैं। इसकी जगह आप सेब का हलवा

बनाकर खा सकते हैं जो काफी टेस्टी होने के साथ हेल्दी भी होता है। खासतौर पर महिलाओं के लिए सेब का हलवा शरीर को एनर्जी देने के साथ कई प्रकार के एंटीऑक्सीडेंट प्रदान करता है जिससे महिलाओं की सेहत बेहतर होती है। आइए आपको बताते हैं सेब का हलवा खाने के फायदे। सेब का हलवा एक पौष्टिक और स्वाद से भरपूर मिठाई माना जाता है। अगर इसे संतुलित मात्रा में और बिना अतिरिक्त चीनी के बनाया जाए, तो यह महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष रूप से लाभकारी हो सकता है। इतना ही नहीं, सेब का हलवा हर उम्र और हर व्यक्ति के लिए फायदेमंद होता है, क्योंकि इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर को ऊर्जा और मजबूती प्रदान करते हैं। सेब सबसे ज्यादा प्रीबायोटिक्स का अच्छा स्त्रोत माना जाता हैं। यह आंतों में मौजूद स्वस्थ बैक्टीरिया के लिए पोषण का काम करता है। यह बिगड़े हुए गट हेल्थ को भी सुधार करता है। पेट की सेहत बेहतर बनीं रहती है। इसके सेवन से मेटाबॉलिज्म सही होता है और महिलाओं को क्रेविंग कंट्रोल करके वेट लॉस करने में मदद कर सकता है। सेब के हलवे में भरपूर मात्रा में फाइबर भी होता है, जो पाचन क्रिया को दुरुस्त करता है। पेट फूलने की समस्या को कम करने में मदद करता है। सेब का हलवा नियमित तौर पर खाने से ब्लोटिंग की समस्या में कमी आ सकती हैं और बार-बार खाना खाने के बाद होने वाली गैस और भारीपन जैसे लक्षणों में कमी आ सकती है। सेब में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है तो त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करता है और बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम करते हैं।

कोरियन ग्लास स्किन, ये घरेलू उपाय देगा तुरंत चमक

फरवरी का महीना चल रहा है और कुछ ही दिनों में वैलेंटाइन वीक शुरु हो जाएगा। ये पूरा हफ्ता प्यार के नाम के लिए जाना जाता है। इस समय हर एक लड़की को सबसे खूबसूरत दिखना है।

अगर आप महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने के बजाय कुछ घरेलू नुस्खे ट्राई कर सकती हैं। इससे आपको नेचुरली ग्लोइंग त्वचा मिलेगी। आजकल ज्यादातर लोग पाने की ख्वाहिश रख रहे हैं।

यदि आप बिना ज्यादा पैसे खर्च किए कोरियन जैसी ग्लास स्किन पाना चाहती हैं, तो आपके किचन में रखा एक सिंपल सा उपाय काम आएगा। आप घर पर ही करें आइए आपको बताते हैं इसका कैसे इस्तेमाल करें।

चावल धोने या भिगोने के बाद बचा हुआ पानी चेहरे पर इस्तेमाल किया जाता है। यह पानी त्वचा की गहराई से सफाई करता है और स्किन को प्राकृतिक रूप से साफ व मुलायम बनाता है। इसके नियमित उपयोग से चेहरा तरोताजा दिखाई देता है और त्वचा में नेचुरल ग्लो आता है। - सबसे पहले आप दो चम्मच कच्चे चावल लें। - फिर इन्हें साफ पानी से

अच्छी तरह से धो लें। - इसके बाद चावल को एक कप पानी में कम से कम आधे घंटे के लिए कम भिगो दें। - फिर इस पानी को छान लें। यही पानी है, जिसे आप अपने चेहरे पर इस्तेमाल कर सकती हैं।- इसके लिए सबसे पहले आप चेहरे को फेस वॉश से साफ कर लें।- इसके बाद कॉटन पैड की मदद से चेहरे और गर्दन पर लगाएं।- फिर करीब 15 मिनट बाद सादे पानी से चेहरे को धो लें। - आप चाहें तो इसे रात में भी लगा सकती हैं।- यदि आपकी स्किन सेंसिटिव है, तो पहले पैच टेस्ट जरुर करें।**क्या फायदे मिल सकते हैं?** स्किन को हाइड्रेट रखने में मदद करता है। इससे चेहरे पर चिपचिपाहट नहीं आती है और स्किन भर सॉफ्ट लगती है। यदि आप नियमित रुप से इसका इस्तेमाल करती हैं तो स्किन टोन थोड़ी क्लीन दिख सकती है। इसके साथ ही आप नेचुरल ग्लो आता है। **वैलेंटाइन वीक से पहले कब से शुरु करें?** यदि आप वैलेंटाइन वीक में कोरियन ग्लास स्किन पाना चाहती हैं, तो आज से शुरु कर सकती हैं। इसका इस्तेमाल आप हफ्ते में तीन से चार बार कर सकती हैं। **इन बातों का रखें ध्यानः**- जब भी तो हर बार फ्रेश इस्तेमाल करें।- चावल के पानी को ज्यादा दिनों तक स्टोर करके न रखें। यदि आप चेहरे पर जलन या खुजली है, तो इसका इस्तेमाल न करें।

पैंट के पीछे वाले पॉकेट में रखते हैं पर्स, तो हो सकते हैं इस बीमारी के शिकार!

हमारी लाइफस्टाइल आए दिन नई-नई बीमारियों को न्योता दे रही है। यहां तक कि डायबिटीज और ब्लड प्रेशर के कई मामलों में भी लाइफस्टाइल एक वजह बन रही है। हर दिन की आपाधापी में हम अपने शरीर की ओर ध्यान नहीं दे पाते और अनजाने ही कई बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। खानपान के साथ ही उठने-बैठने का तरीका और पहनावा भी इसमें अहम रोल निभा रहा है। कई ऐसी चीजें हैं जो ऑफिस या बाजार जाते समय हम अपने साथ रखना नहीं भूलते या यूं कहें कि उनके बिना हमारा काम ही नहीं चलता। इन चीजों में सबसे खास हैं मोबाइल और पर्स। मोबाइल से शरीर को होने वाले नुकसान के बारे में तो हम काफी पढ़ चुके हैं, लेकिन पर्स से होने वाले नुकसान के बारे में सुनकर आपको जरूर आश्चर्य होगा। यह एक अध्ययन में सामने आया है। हमारा पर्स आमतौर पर रुपयों के साथ ही डेबिट-क्रेडिट कार्ड, विजिटिंग कार्ड, मेट्रो कार्ड, लाइसेंस जैसी कई चीजों से भरा होता है। हममें से कई तो इसमें सिक्के भी रखते हैं। इनसे ज्यादातर लोगों के पर्स काफी मोटे हो जाते हैं। बस यही वह वजह है जो बीमारी को आमंत्रण दे देती है। वहीं यदि इसमें हार्ड चीजें ज्यादा हैं, तो मामला और गंभीर हो सकता है। आइए जानते हैं कि पीछे के पॉकेट में रखा गया पर्स कैसे हमारे लिए खतरनाक हो सकता है....

कैसे हुआ अध्ययनः देश में ऐसे कई लोग हैं जो युवा अवस्था में पीठ दर्द के शिकार हैं। कई बार तो लंबा इलाज कराने पर भी इससे राहत नहीं मिलती। वाटरलू यूनिवर्सिटी में स्पाइन बायोमेकेनिक्स के प्रोफ़ेसर स्टुअर्ट मैकगिल ने ऐसे ही मरीजों को देखते हुए एक अध्ययन किया। उन्होंने इसके निदान के लिए एक प्रयोग किया। उनका प्रयोग उन मरीजों पर केंद्रित रहा, जिनमें साइटिका की संभावना दिखी। वास्तव में साइटिका की बीमारी साइटिक नर्व के दबने या उसको क्षति होने से होती है। प्रोफेसर मैकगिल ने कुछ मरीजों को एक ही तरफ के बट-चीक (पुट्ठा या कूल्हा) के नीचे पर्स के आकार की छोटी ठोस चीज रखकर बैठने को कहा। मरीजों ने ऐसा लंबे समय तक किया। प्रोफेसर मैकगिल ने अध्ययन में पाया कि यदि आप सामान्य पर्स को कुछ देर के लिए बैक पॉकेट में रखते हैं, तो उससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता, लेकिन यदि आपका पर्स कार्ड और सिक्के जैसी ठोस चीजों से भरा हुआ है,

मतलब यदि आप इनके गट्ठर पर कई घंटे बैठेंगे तो इससे हिप जॉइंट और कमर के निचले हिस्से में दर्द होने लगेगा। **पर्स का कैसे होता है बुरा असर :** प्रोफेसर गिल के अनुसार जब हम बैक पॉकेट में पर्स रखकर बैठते हैं, तो हिप ज्वाइंट में मौजूद पिरिफॉर्मि मसल्स पर दबाव पड़ता है। साथ ही यह दबाव इसके ठीक नीचे मौजूद साइटिक नर्व पर भी पड़ता है। मोटा पर्स होने से यह नर्व पर्स और हिप के बीच में दब जाती है और लगातार ऐसा होने से दर्द होने लगता है। इससे साइटिका हो जाता है। इसमें हिप से शुरू हुआ दर्द नीचे की ओर बढ़ता हुआ पैर में पहुंच जाता है। इतना ही नहीं मोटा पर्स होने पर हमारा एक तरफ का कूल्हा थोड़ा उठा हुआ रहता है। जितना मोटा पर्स होगा, उतना ही कूल्हा ऊपर उठेगा, इससे संतुलन बिगड़ेगा। लंबे समय तक ऐसा होने से रीढ़ की हड्डी पर इसका दबाव पड़ता है, जो धीरे-धीरे स्थायी दर्द में बदल जाता है। यह उनको लोगों में और जल्दी होता है जिनकी रीढ़ में पहले से कोई समस्या हो। **लंबे समय तक रखने से पड़ेगा असर :** हमने इस अध्ययन के निष्कर्ष की पुष्टि के लिए डॉ। संतोष विश्वकर्मा से चर्चा की, तो उन्होंने कहा, 'वैसे तो मेरे सामने ऐसे मामले नहीं आए हैं, लेकिन मेरा मानना है कि यदि हल्की चीजों से भरे हुए पर्स को बैक पॉकेट में थोड़ी देर के लिए रखा जाएगा, तो फर्क नहीं पड़ेगा। हालांकि ठोस चीजों से भरे हुए पर्स को हर दिन एक ही तरफ के पॉकेट में लंबे समय तक रखने से यह समस्या हो सकती है, क्योंकि इससे साइटिक नर्व पर प्रेशर पड़ सकता है। ऐसे मरीजों को ज्यादा फर्क पड़ेगा जिनकी रीढ़ में पहले से कोई समस्या है।'

पर्स का क्या करें : सवाल यह भी उठता है कि फिर पर्स रखें कहां। आप पर्स को बैग या ड्रॉवर में रख सकते हैं। थोड़े समय के लिए आगे वाले पॉकेट में भी रखा जा सकता है। ऑफिस में काम करते समय या ड्राइव करते समय तो पर्स को बैक पॉकेट में बिल्कुल भी न रखें। खासतौर से जब लंबे समय तक के लिए बैठना हो। एक उपाय यह भी है कि पर्स में ठोस चीजें न रखें। उसके लिए हैंडबैग का उपयोग करें।

साइटिका के सामान्य लक्षण : आमतौर पर साइटिका से शरीर का केवल एक तरफ का ही निचला हिस्सा प्रभावित होता है। इसमें दर्द कमर से जांघों के पीछे की ओर से होता हुआ पैरों के निचले हिस्से की तरफ जाता है।

1. कूल्हे या पैर के एक ही तरफ लगातार दर्द होना। हालांकि अपवाद रूप में यह दोनों ओर भी हो सकता है।

2. दर्द का कमर के निचले भाग से कूल्हे की ओर साइटिक नर्व वाले एरिया से से होते हुए पैरों के निचले भाग तक जाना।

3. लेटने या चलने से दर्द कम होना, लेकिन खड़े होने पर बढ़ना।

4. कूल्हे से लेकर पैरों तक इतना तेज दर्द होना कि चलना मुश्किल हो जाए।

5. सुई या पिन चुभने जैसा तेज दर्द, जिसमें पैरों में झुनझुनाहट भी हो सकती है।

6. पैरों में सुन्नता भी हो सकती है या कमजोरी भी महसूस हो सकती है।

महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर भोले बाबा की निकलेगी भव्य बारात

आधुनिक समाचार

रायबरेली। महाशिवरात्रि के अवसर पर जगमोहनेश्वर धाम द्वारा आयोजित किये जा रहे कार्यक्रमों की एक रूपरेखा जगमोहनेश्वर धाम कमेटी के मंत्री राजा हर्षेंद्र सिंह (छोटे राजा) द्वारा आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पत्रकारों को बताया कि चंदापुर के महान राजा जगमोहन सिंह द्वारा नर्मदा तट पर 6 माह की तपस्या करने के बाद उन्हें दो शिवलिंग प्राप्त हुए थे, जिनमें से एक शिवलिंग बनारस में बाबा विश्वनाथ धाम पर पीतल के मंदिर में स्थापित किया गया एवं दूसरा शिवलिंग चंदापुर कोठी में स्थापित किया गया। महाशिवरात्रि के अवसर पर शिव के भव्य बारात का आयोजन एवं नगर भोज का कार्यक्रम स्वर्गीय राजा जितेंद्र सिंह द्वारा प्रारंभ किया गया था, जो आज वृहद रूप से संपन्न हो रहा है। इस दिन प्रातः 03 बजे से जलाभिषेक के साथ ही 108 पार्थिव शिवलिंग बनाकर रुद्राभिषेक संपन्न कराया जाएगा। शाम 5:00 बजे भोले बाबा की बारात सजाई जाएगी। बारात

चंद्रपुर कोठी से निकलकर सुपरमार्केट, घंटाघर, कैपरगंज,आर्य समाज मंदिर, कहारों का अड्डा,बस स्टॉप चौराहे से अस्पताल चौराहा, हाथी पार्क होते हुए चंदापुर कोठी में प्रवेश करेगी ।

बारात में गुड़गांव का मशहूर बालाजी बैंड, रायबरेली का वारसी बैंड के साथ-साथ भव्य झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें माता शबरी का भगवान राम को बेर खिलाना , माता पार्वती का राक्षसों का वध, सिंदूरी हनुमान जी का प्रसंग सहित कई झांकियां प्रस्तुत की जाएगी। साथ ही साथ अजब - गजब भोले बाबा के बारातियों का सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। बारात पहुंचने पर बारात का भव्य स्वागत कोठी में किया जाएगा । साथ ही दो निर्धन कन्याओं का विवाह भी समिति द्वारा सम्पन्न कराएगी। इस अवसर पर भोले बाबा का मंदिर बड़े भव्य रूप से सजाया जाएगा ,जिसमें रंगीन झालर एवं भांति - भांति के फूलों से श्रृंगार होगा। दिनांक 16 फरवरी को बृहद नगर भोज का आयोजन किया जाएगा। नगर भोज में कई तरह के व्यंजनों को परोसा जाएगा।

प्रेस वार्ता में राजा हर्षेंद्र सिंह के अलावा मंटू शुक्ला, राजीव दीक्षित, राम राज गिरी, अतुल अग्रवाल, विजय गुप्ता, अभिलाष कौशल,पंकज अग्रवाल,ऋषि अग्रवाल,ललित श्रीवास्तव, आशीष प्रजापति,प्रवीण मिश्रा,धर्मेंद्र श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

डीएम ने नवनिर्मित शिक्षण कक्ष का लोकार्पण किया

रायबरेली:जिलाधिकारी हर्षिता माथुर द्वारा आज जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय सलोन में नवनिर्मित शिक्षण कक्ष का लोकार्पण/उदघाटन किया गया।जिलाधिकारी ने कहा कि समाज कल्याण विभाग द्वारा जनपद में संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय सलोन का दिनांक 03 अगस्त 2024 को निरीक्षण किया गया था, जिसमें कक्षा-06 से कक्षा-08 की संचालित कक्षाओं के भवन का निरीक्षण किया गया था, जो अत्यन्त जर्जर अवस्था में पाया गया था। उन्होंने कहा कि उक्त कार्य को कॉरपोरेट सोशल रेस्पान्सिबिलिटी (सी0एस0आर0) के अन्तर्गत इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लि0 के सहयोग से आवासीय विद्यालय में छात्रों के लिए नवीन 03 कमरों एवं शौचालयो के निर्माण हेतु धनराशि रू0 49.74 लाख के प्रोजेक्ट को स्वीकृत कराकर निर्माण हेतु दिनाँक 11 फरवरी 2025 को भूमि पूजन कर निर्माण कार्य प्रारम्भ कराया गया था, जिसका आज लोकार्पण/उदघाटन किया गया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सलोन चन्द्र प्रकाश गौतम, जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रृष्टि अवस्थी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के प्रतिनिधि बीएल पाल, संजीव राय सहित विद्यालय के कार्मिक व विद्यार्थी उपस्थित रहें।

मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत सोनभद्र पुलिस का व्यापक महिला-बालिका जागरूकता अभियान

चिन्ता पाण्डेय

महिला सुरक्षा, साइबर सतर्कता एवं आत्मरक्षा को लेकर जनपद भर में सघन जनजागरूकता महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आज मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत जनपद सोनभद्र में व्यापक एवं प्रभावी जन-जागरूकता अभियान संचालित किया गया। अभियान के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षा, सतर्कता एवं आत्मरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ. चारु द्विवेदी (सहायक नोडल अधिकारी–मिशन शक्ति 5.0) के नेतृत्व में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, बाजारों, चौराहों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों के दौरान महिलाओं, बालिकाओं एवं छात्र-छात्राओं को महिला उत्पीड़न से बचाव, गुड टच-बैड टच की पहचान, आत्मरक्षा के व्यावहारिक

उपायों, साइबर अपराध के नवीन तरीकों, ऑनलाइन ठगी से बचाव तथा सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के संबंध में सरल, प्रभावी एवं संवादात्मक तरीके से जानकारी प्रदान की गई। विशेष रूप से यह बताया गया कि साइबर अपराधी अक्सर डर, लालच एवं झूठे प्रलोभनों के माध्यम से लोगों को ठगने का प्रयास करते हैं। अतः किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक, संदेश अथवा ओटीपी को साझा न करने तथा किसी भी शंका की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की गई।

आपात सहायता हेतु महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर– 112 - आपातकालीन सेवा 1090 / 1091 - महिला सुरक्षा हेल्पलाइन 181 - महिला हेल्पलाइन 1930 - साइबर अपराध हेल्पलाइन 1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन मिशन शक्ति टीम द्वारा उपस्थित जनसमूह को यह आश्वस्त किया गया कि महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न अथवा साइबर अपराध की सूचना प्राप्त होने पर सोनभद्र पुलिस द्वारा त्वरित, निष्पक्ष एवं कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

डीएम ने नवनिर्मित शिक्षण कक्ष का लोकार्पण किया

रायबरेली:जिलाधिकारी हर्षिता माथुर द्वारा आज जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय सलोन में नवनिर्मित शिक्षण कक्ष का लोकार्पण/ उदघाटन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि समाज कल्याण विभाग द्वारा जनपद में संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय सलोन का दिनांक 03

अगस्त 2024 को निरीक्षण किया गया था, जिसमें कक्षा-06 से कक्षा-08 की संचालित कक्षाओं के भवन का निरीक्षण किया गया था, जो अत्यन्त जर्जर अवस्था में पाया गया था। उन्होंने कहा कि उक्त कार्य को कॉरपोरेट सोशल रेस्पान्सिबिलिटी (सी0एस0आर0) के अन्तर्गत इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लि0 के सहयोग से आवासीय विद्यालय में छात्रों के लिए नवीन 03 कमरों एवं शौचालयो के निर्माण हेतु धनराशि रू0 49.74 लाख के प्रोजेक्ट को स्वीकृत कराकर निर्माण हेतु दिनाँक 11 फरवरी 2025 को भूमि पूजन कर निर्माण कार्य प्रारम्भ कराया गया था, जिसका आज लोकार्पण/उदघाटन किया गया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सलोन चन्द्र प्रकाश गौतम, जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रृष्टि अवस्थी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के प्रतिनिधि बीएल पाल, संजीव राय सहित विद्यालय के कार्मिक व विद्यार्थी उपस्थित रहें।

शिव महापुराण केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि सामुदायिक एकता का प्रतीक है

दुर्घटना की वेदना के बीच शिव महापुराण से जागी नई आस्था की ऊर्जा

देव मणि शुक्ल

नोएडा गाजियाबाद भारत सिटी सोसाइटी में आयोजित भव्य शिव महापुराण के चौथे दिन मंगलवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही कथा पंडाल में भक्तों का आना शुरू हो गया था और देर शाम तक पूरा परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजता रहा। श्रद्धालु पूरे उत्साह और भक्ति भाव के साथ अंत तक कथा श्रवण में डटे रहे।

शिव महापुराण का आयोजन श्री श्री 108 श्री महंत स्वामी राजेन्द्रानंद सरस्वती महाराज के सान्निध्य में किया जा रहा है। उनके प्रवचनों में शिव भक्ति, जीवन मूल्यों और आध्यात्मिक चेतना का विशेष संदेश दिया जा रहा है। कथा के दौरान उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर दिखाई दिए और कई लोगों की आंखें श्रद्धा से नम हो उठीं।

हाल ही में घटी एक दुर्घटना से सोसाइटी के निवासियों का मन आहत था। ऐसे माहौल में शिव महापुराण का आयोजन लोगों के लिए मानसिक और आध्यात्मिक संबल बनकर सामने आया है।

निवासियों का कहना है कि इस धार्मिक आयोजन से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ है और लोगों के भीतर नई आशा जागृत हुई है।

आयोजन स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। भजन-कीर्तन और शिव स्तुति के साथ पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि भारत सिटी में धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रति लोगों का गहरा जुड़ाव है।

सोसाइटी के कई निवासियों ने बताया कि शिव महापुराण केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामुदायिक एकता और आपसी सहयोग का भी प्रतीक बन गया है। लोग मिल-जुलकर व्यवस्था संभाल रहे हैं और अनुशासन के साथ आयोजन को सफल बनाने में जुटे हैं। कथा के आगामी दिनों को लेकर भी श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। आयोजकों का कहना है कि शिव महापुराण के माध्यम से समाज में शांति, सद्भाव और सकारात्मकता का संदेश प्रसारित किया जा रहा है, जिससे प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में नई दिशा और ऊर्जा प्राप्त कर सके।

थाना अनपरा की साइबर टीम द्वारा फ्रॉड की गई 26,500/ -धनराशि पीड़ित के मूल खाते में कराई वापस

चिन्ता पान्डेय

अवगत कराना है कि आवेदक आनन्द कुमार चतुर्वेदी पुत्र माता प्रसाद चौबे, निवासी बोसनगर, थाना अनपरा, जनपद सोनभद्र के साथ दिनांक 02.09.2024 को अज्ञात व्यक्ति द्वारा व्हाट्सएप के माध्यम से ऑनलाइन क्रिप्टो ट्रेडिंग में अधिक लाभ का प्रलोभन देकर कुल ?26,500/- की ठगी कर ली गई थी।उक्त प्रकरण के सम्बन्ध में आवेदक द्वारा साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 तथा राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई थी। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ङ अभिषेक वर्माङ द्वारा जनपद में साइबर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) श्री अनिल कुमार के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी पिपरी श्री हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक थाना अनपरा सत्येन्द्र कुमार राय के कुशल नेतृत्व में थाना अनपरा की साइबर टीम द्वारा ऐंइ पोर्टल का अवलोकन करते हुए सम्बन्धित खातों में फ्रॉड की गई धनराशि को होल्ड कराया गया तथा आवश्यक डिजिटल साक्ष्य एकत्रित कर सम्बन्धित बैंक शाखा से ईमेल/पत्राचार के माध्यम से समन्वय स्थापित किया गया। तत्पश्चात विधिक प्रक्रिया पूर्ण कर ?26,500/- (छब्बीस हजार पाँच सौ रुपये) की सम्पूर्ण होल्ड धनराशि को आवेदक के मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराया गया। **धनराशि वापस कराने वाली टीम -** 01. श्री सत्येन्द्र कुमार राय, प्रभारी निरीक्षक, थाना अनपरा, जनपद सोनभद्र 02. हे0का0आनन्द मोहन बिन्द, साइबर हेल्प डेस्क, थाना अनपरा, जनपद सोनभद्र

राष्ट्रचिन्तक एवं एकात्म मानव दर्शन के प्रणेता पं0 दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि मनाया

आधुनिक समाचार

भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र के जिला कार्यालय पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि व श्रद्धासुमन अर्पित किया इस मौके पर बतौर मुख्यअतिथि पूर्व संगठन मंत्री व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नागेश्वर देव पाण्डेय, विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष रुबी प्रसाद, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल जी मौजूद रहे व कार्यकर्ताओं ने भी उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हे श्रद्धांजली दी और जनपद सोनभद्र के सभी बूथों पर पं0दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने समर्पण दिवस के रुप में मनाया।

इस मौके पर मुख्यअतिथि नागेश्वर देव पाण्डेय ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय एक प्रमुख राजनीतिक चिंतक, अर्थशास्त्री और भारतीय जनसंघ के प्रमुख नेताओं में से थे। वे अपने दार्शनिक सिद्धांत एकात्म मानव दर्शन के लिए विशेष रूप से जाने जाते हैं। उनकी विचारधारा का मूल आधार यह था कि विकास केवल भौतिक प्रगति तक

सीमित न रहकर भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने व्यक्ति, समाज और प्रकृति के बीच संतुलन और सामंजस्य पर जोर दिया। उनके अनुसार, आर्थिक नीतियों का लक्ष्य केवल उत्पादन और उपभोग बढ़ाना नहीं, बल्कि मानव के समग्र विकास को सुनिश्चित करना होना चाहिए। वे 1968 में अपने असामयिक निधन तक भारतीय जनसंघ का नेतृत्व करते रहे। समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का विकास ही राष्ट्र का विकास है दीनदयाल जी आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे।

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि रुबी प्रसाद ने कहा कि पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी को निस्वार्थ कर्मयोगी और महान विचारक बताते हुए श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि एकात्म मानव दर्शन के माध्यम से दिया गया अंत्योदय का मंत्र समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना आज भी विकसित भारत के निर्माण की बुनियाद है। राष्ट्र सेवा और समर्पण के उनके आदर्श सदैव मार्गदर्शन करते रहेंगे।

इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल ने कहा कि पंडित दीनदयाल जी का जीवन भारत राष्ट्र को दिशा देने वाला प्रकाश स्तंभ है। वे एक ऐसे ऋषि राजनेता थे जो समाज, संस्कृति और राष्ट्र के समग्र उत्थान के लिए समर्पित रहे। उन्होंने राजनीति को राष्ट्रधर्म की साधना का माध्यम माना। उनका स्पष्ट मत था कि स्वतंत्र भारत की यात्रा भारतीय दर्शन, संस्कृति और परंपरा के अनुरूप होनी चाहिए। पंडित दीनदयाल जी ने राजनीतिक चिंतन को भारतीय मूल्यों से जोड़ते हुए एकात्म मानव दर्शन का सूत्र दिया। इसमें व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और सृष्टि के बीच समन्वय और संतुलन समाहित है, यह जीवन और संपूर्ण सृष्टि को एक सूत्र में पिरोता है।

इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश दूबे, उदयनाथ मौर्या, जिला महामंत्री रामसुन्दर निषाद, कृष्णमुरारी गुप्ता, सरजू बैसवार, नागेश्वर गोंड, सत्येन्द्र आर्य, रजनीश रघुवंशी, बलराम सोनी, अमरेश चेरो, महेश्वर चन्द्रवंशी, बृजेश श्रीवास्तव, प्रसन्न पटेल सहित आदि कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

चंदापुर मंदिर में अखंड मानस का पाठ प्रारंभ

रायबरेली।बाबा जग मोहनेश्वर धाम चंदापुर मंदिर प्रांगण में 9 दिवसीय अनुष्ठानिक कार्यक्रमों के क्रम में आज दिनांक 11 फरवरी 2026 दिन बुधवार को प्रातः 10:00 बजे भगवान जगन्नाथ जी के दरबार में प्राण प्रतिष्ठित श्री राम दरबार में श्री केशव प्रसाद द्विवेदी अमरीश पुरी कॉलोनी के द्वारा श्री रामचरितमानस के अखंड पाठ का संकल्प लिया गया । इस अवसर पर मंटू शुक्ला, श्रीमती शिशिर शुक्ला ,संदीप मिश्रा, रामप्रकाश, रवि सोनी, राजू दीक्षित, किरण, मुख्य रूप से उपस्थित थे जगमोहनवेश्वर धाम कमेटी के व्यवस्था प्रभारी धर्मेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि दिनांक 12 फरवरी 2026 को प्रातः 11:30 बजे मानस पाठ का विश्राम होगा ।आरती होगी एवं प्रसाद का वितरण होगा। तदोपरांत दोपहर 12:00 बजे ...13 फरवरी 2026 दोपहर 12:00 बजे तक 24 घंटे का अनुष्ठानिक सीताराम का जाप श्री शिवांशु के द्वारा संपन्न किया जाएगा और मुख्य यजमान छाया बाजपेई एवं अभिलाष कौशल द्वारा पूजन एवं अर्चन किया जाएगा।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत शपथ एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न

रायबरेलीः जिलाधिकारी हर्षिता माथुर एवं मुख्य विकास अधिकारी अंजू लता के निर्देश के क्रम में व जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा के कुशल मार्गदर्शन में थाना महराजगंज एवं महानंदपुर एवं जिला कारागार (महिला बैरक) में महिला कल्याण विभाग टीम द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत 100 दिवसीय अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

इस अवसर पर महिला कल्याण विभाग द्वारा सभी को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए हुए बताया गया कि बाल विवाह करने से बच्चों का शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास पूर्णतया नहीं हो पता है जिससे बालक एवं बालिकाओं का पूरा जीवन अंधकारमय बीतता है। बाल विवाह बच्चों का बचपन छीन लेता है और उनकी खुशहाली को खतरे में डाल देता है 18 साल से कम उम्र में शादी करने वाली लड़कियों के घरेलू हिंसा का शिकार होने की संभावना ज्यादा होती है और उनके स्कूल में बने रहने की संभावना भी कम होती है। बाल विवाह करना एक कानून अपराध है यदि कोई भी व्यक्ति बाल विवाह करता है तब उसको 1 लाख रुपए जुर्माने 2 वर्ष तक का कठोरतम कारावास या फिर दोनों से दंडित किया जाएगा। परिवार, समाज, समुदाय एवं देश के प्रत्येक नागरिक को बाल विवाह रोकने हेतु सक्रिय सहभागिता के साथ बाल विवाह का अंत करना होगा तभी बाल विवाह मुक्त भारत संभव हो सकेगा। जेलर हिमांशु रौतेला द्वारा बताया गया कि विवाह करने की उम्र लड़की की 18 वर्ष से अधिक तथा लड़के की उम्र 21 वर्ष पूर्ण होनी चाहिए। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं व लोगों को बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ दिलाई गई। महिला टीम द्वारा सभी को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, वन स्टॉप सेंटर, बाल सेवा योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, 181 महिला हेल्पलाइन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पति की मृत्यु पर निराश्रित, महिला पेंशन योजना आदि योजनाओं की जानकारी दी गई।

इस अवसर पर जिला मिशन समन्वयक शेफाली सिंह, जेंडर स्पेशलिस्ट पूजा तिवारी, काउंसलर श्रद्धा सिंह, उप निरीक्षक देवेंद्र मिश्रा एवं महिला बंदी उपस्थित रहें।

टीईटी पर केन्द्रीय शिक्षा राज्यमंत्री जयंत चौधरी के बयान से आक्रोशित शिक्षकों ने पुतला फूंका,नारेबाजी की

रायबरेली। संसद द्वारा वर्ष 1993 में पारित एनसीटीई अधिनियम के अंतर्गत देशभर में भर्ती एवं कार्यरत लगभग 20 लाख शिक्षकों की सेवाओं पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से उत्पन्न संकट तथा सरकार की उदासीनता के विरोध में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, शाखा-रायबरेली के पदाधिकारियों ने केन्द्रीय शिक्षा राज्यमंत्री जयंत चौधरी का पुतला जलाकर गहरी नाराज़गी व्यक्त की है। जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला ने कहा कि छह माह बीत जाने के बाद भी भारत सरकार द्वारा कोई ठोस समाधान न निकालना शिक्षकों के साथ अन्याय है। जिला मंत्री मुकेश द्विवेदी ने कहा कि संसद में केन्द्रीय शिक्षा राज्यमंत्री जयंत चौधरी द्वारा दिया गया जवाब शिक्षकों की भावनाओं को आहत करने वाला है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश यादव ने पुलिस द्वारा कई जनपदों में संगठन के पदाधिकारीगण को रोके जाने की घटना की कड़ी निंदा की। संयुक्त मंत्री डा चंद्र मणि बाजपेई ने कहा कि विद्यालय में नजरबंद करना न केवल मौलिक अधिकारों का हनन है, बल्कि पूरे शिक्षक समाज का अपमान है। लेखाकार गंगा चरण भारती ने कहा कि शिक्षक समाज किसी भी प्रकार के दबाव या दमन से डरने वाला नहीं है और अपने सम्मान,अधिकार एवं भविष्य की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष जारी रहेगा। जनपदीय उपाध्यक्ष जटाशंकर बाजपेयी, बृजकिशोर, अनुराग शुक्ल, उमेश त्रिवेदी, संगठन मंत्री राम जी सरोज, आकाश त्रिपाठी, सरेनी अध्यक्ष राकेश द्विवेदी,हरचंदपुर अध्यक्ष अरविंद द्विवेदी,ऊँचाहार अध्यक्ष दिनेश सिंह, डीह अध्यक्ष कमलेश ओझा,सलोन अध्यक्ष राजेश पाण्डेय,महाराजगंज अध्यक्ष विनोद अवस्थी,गौरा अध्यक्ष शैलेश पांडे,रोहिनियां अध्यक्ष पवन शुक्ल,जगतपुर अध्यक्ष संजय सिंह,डलमऊ अध्यक्ष योगेश सिंह,शिवगढ़ अध्यक्ष गयेंदु सिंह,छतोह अध्यक्ष आदित्य नारायण पांडे,राही अध्यक्ष गजेंद्र सिंह,खीरो अध्यक्ष नीरज हंस,लालगंज अध्यक्ष शेखर यादव,बछरावां अध्यक्ष अमन शुक्ला,अमावां अध्यक्ष दयाशंकर तिवारी,जनपदीय संघर्ष समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव, ब्लॉक मंत्री आशुतोष पांडे, सुधीर द्विवेदी, मो.सगीर, दर्शन लाल लोधी, धर्मेंद्र सिंह, अजय मिश्र,विवेक, कीर्ति मनोहर,अवध किशोर, बलराज सिंह, पीयूष,अमित गुप्त, सूरज यादव, अशोक पाल, मुन्ना लाल, राजेंद्र यादव, आलोक, शीतला प्रसाद, राजेश त्रिवेदी, अशोक यादव, मंजुलता अवस्थी, बृजेश कुमार, राम कुमार सिंह, सर्वेश कुमार, दीपक द्विवेदी, अमरेंद्र यादव, आशीष त्रिपाठी, दीपक द्विवेदी, अता मोहमद,राम निवास, बृजेश पांडे, मोनू,संघर्ष पटेल,मयंक आदि मौजूद रहे।

चार सौ रूपए के लिए मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति कि हत्या करने वाले विकास कि हुईं गिरफ्तारी

चिन्ता पान्डेय

रामगढ़ बाजार में मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति की हत्या का सफल अनावरण- थाना पन्नूगंज पुलिस की कार्यवाही में हत्या कारित करने वाला 01 अभियुक्त गिरफ्तार- प्रकरण- दिनांक 27/28.01.2026 की रात्रि में थाना पन्नूगंज क्षेत्रान्तर्गत रामगढ़ बाजार में अज्ञात व्यक्ति द्वारा हमला कर मानसिक से विक्षिप्त व्यक्ति मंगरू पुत्र अज्ञात, उम्र लगभग 35 वर्ष, की हत्या की गई थी, जो कस्बा रामगढ़ में भीख मांगकर जीवनयापन करता था तथा प्रायः सड़क किनारे सो जाता था। उक्त घटना के संबंध में ग्राम चौकीदार रामबली पुत्र गुलाब, निवासी ग्राम रामगढ़, थाना पन्नूगंज, जनपद सोनभद्र द्वारा दाखिल तहरीर के आधार पर थाना पन्नूगंज पर मु0अ0सं0-21/2026 धारा 103(1) बीएनएस का अभियोग पंजीकृत किया गया था। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम

में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी सदर श्री राज सोनकर के कुशल पर्यवेक्षण/ नेतृत्व में थाना पन्नूगंज पुलिस द्वारा लगातार चेकिंग व अन्य कार्यवाही की जा रही थी कि दिनांक 10.02.2026 को मुखबिर खास से प्राप्त सूचना के आधार पर करवनिया नहर मझिगाईं पुलिया के पास से अभियुक्त विकाश कुमार उर्फ विक्की पुत्र सरवन चेरो निवासी ग्राम केवाल थाना कोन जनपद सोनभद्र, हालपता पचोखर थाना पन्नूगंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 26 वर्ष, को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की निशानदेही पर से जैकेट, पैन्ट व जूता तथा शीशा (जिससे मृतक की हत्या की गई थी) को एक झोले से बरामद किया गया।

पूछताछ का विवरण- अभियुक्त द्वारा पूछताछ में बताया कि वह पूर्व में 1-2 बार चोरी की घटनाएँ कर चुका है, किन्तु पकड़ा नहीं गया था तथा चोरी कर अपने जेब खर्च का प्रबंध करता था। वह अपनी पत्नी लक्ष्मी के साथ अपने ससुराल ग्राम रइया गोसाई (पन्नूगंज बाजार के समीप) थाना-पन्नूगंज जनपद सोनभद्र में रहता है, अभियुक्त ने बताया कि दिनांक 27.01.2026 को वह दिन में रामगढ़ बाजार आया था, जहाँ उसने शहजादा स्कूल, रामगढ़ के पास स्थित दुकान के समीप मृतक मंगरू को भीख में प्राप्त धनराशि गिनकर अपनी जेब में रखते देखा। उसी समय उसके मन में चोरी करने का विचार आया।दिनांक 27/28.01.2026 की रात्रि में अभियुक्त चोरी करने के उद्देश्य से रामगढ़ बाजार गया। शहजादा स्कूल के पास पहुँचने पर उसने देखा कि मंगरू कम्बल ओढ़कर सोया हुआ है। अभियुक्त ने उसकी जेब से पैसे निकालने का प्रयास किया, तभी मंगरू जाग गया और अभियुक्त का हाथ पकड़ लिया तथा विरोध करने लगा। उसी समय किसी वाहन के आने का आभास होने पर मुझको पकड़े जाने का भय हुआ। इस पर मैंने अपनी पहनी हुई पैंट से एक शीशा (काँच का टुकड़ा) निकालकर मंगरू के गले पर वार कर दिया, जिससे उसके गले से अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा। अभियुक्त ने शीशे पर लगा खून मृतक के जैकेट में पोंछ दिया और वहाँ से भाग गया। **गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-** विकाश कुमार उर्फ विक्की पुत्र सरवन चेरो निवासी ग्राम केवाल थाना कोन जनपद सोनभद्र, हालपता पचोखर थाना पन्नूगंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 26 वर्ष। **बरामदगी का विवरण-** 1. 01 अदद रक्त रंजित काले रंग का शीशा/काँच का टुकड़ा (आलाकतल) 2. 01 अदद प्लास्टिक का झोला 3. 01 जोड़ी प्लास्टिक का जूता 4. 01 मैरून रंग का जैकेट 5. 01 काले रंग की पैंट (सभी पर रक्त के धब्बे लगे हुए थे।) **गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम का विवरण-** 1. प्रभारी निरीक्षक कुमुद शेखर सिंह थाना पन्नूगंज जनपद सोनभद्र। 2. हे0का0 सुशील सिंह थाना पन्नूगंज जनपद सोनभद्र। 3. का0 ओम प्रकाश यादव थाना पन्नूगंज जनपद सोनभद्र। 4. का0 दीपक गिरी थाना पन्नूगंज जनपद सोनभद्र। 5. म0का0 ममता यादव थाना पन्नूगंज जनपद सोनभद्र।

संक्षिप्त समाचार

थाईलैंड में डे-केयर सेंटर में गोलीबारी, 22 बच्चों समेत 34 की मौत

नई दिल्ली। थाईलैंड से एक बेहद दुखद और झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। दक्षिणी थाईलैंड में एक डे-केयर सेंटर में अंधाधुंध फायरिंग की घटना में 22 बच्चों समेत कुल 34 लोगों की मौत हो गई। घटना के पीछे एक पूर्व पुलिस अधिकारी का हाथ बताया जा रहा है, जिसने कथित तौर पर डे-केयर सेंटर में घुसकर इस वारदात को अंजाम दिया। प्राप्त प्रारंभिक जानकारी अनुसार, हमलावर ने पहले बच्चों और शिक्षकों को बंधक बनाया और उसके बाद गोलीबारी शुरू कर दी। मृतकों में बड़ी संख्या में मासूम बच्चे शामिल हैं, जिससे पूरे देश में शोक और आक्रोश का माहौल है। हालांकि स्थानीय प्रशासन की ओर से अब तक आधिकारिक रूप से मृतकों की कुल संख्या की पुष्टि नहीं की गई है। इसी बीच, दक्षिणी थाईलैंड के हाट याई क्षेत्र से भी गोलीबारी की एक अलग घटना की खबर है।

मप्र विधानसभा का बजट सत्र हंगामेदार होने के आसार

भोपाल। 16 फरवरी से प्रारंभ हो रहा मध्य प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र हंगामेदार होने के पूरे आसार हैं। कांग्रेस ने तय किया है कि वह प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और विजय शाह का बहिष्कार करेगी। विधानसभा में इन्हें न बोलने दिया जाएगा और न ही इनकी बात सुनी जाएगी। कांग्रेस ने छिंदवाड़ा, बैतूल और पांढुर्णा में जहरीले कफ सीरप कोल्ड्रिफ के कारण 25 बच्चों की मौत, इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित जल से 35 लोगों की मौत के साथ सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर अशालीन टिप्पणी का मुद्दा उठाने की जोरदार तैयारी की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का आरोप है कि कोल्ड्रिफ के कारण बच्चों की मौत हुई थी, लेकिन स्वास्थ्य मंत्रालय देख रहे उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं हुई।

उपमुख्यमंत्री ने पेश किया बजट राजस्थान में फ्री ईलाज किसानों को सस्ती बिजली

जयपुर। राजस्थान की वित्त मंत्री दीया कुमारी ने आज (11 फरवरी) को लगातार तीसरा बजट पेश किया। करीब 2 घंटे 54 मिनट के बजट भाषण में दीया कुमारी ने सरकारी कर्मचारियों, किसानों के साथ हेल्थ सेक्टर, पेयजल, ट्रांसपोर्ट सेक्टर में कई घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा- 8वें वेतन आयोग के लिए हाईपावर कमेटी बनाई जाएगी। परीक्षाओं के लिए नई टेस्टिंग एजेंसी का भी बजट में ऐलान किया। सरकार स्कूली बच्चों को खेल किट और जादुई पिटारा भी देगी। जिन मरीजों के पास डॉक्यूमेंट्स नहीं है, उन्हें भी अब राजस्थान में फ्री इलाज मिलेगा। बजट में मुख्यमंत्री लखपति दीदी योजना में अब कर्ज की सीमा को 1 लाख से बढ़ाकर 1.50 लाख किया है। जलदाय विभाग में 3 हजार संविदा कर्मियों की नियुक्ति की घोषणा की गई है। साथ ही नई जल नीति लाने का भी ऐलान किया गया।

निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में बजट पर दिया जवाब,राज्यसभा में चर्चा जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का बजट सत्र जारी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भू-राजनीतिक संघर्ष, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अमेरिका के सामने मौजूद चुनौतियों पर भाषण दिया। उनका यह भाषण ऐसे समय आया है जब पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण का जिक्र करने के बाद विपक्ष द्वारा उन्हें बोलने न दिए जाने के विरोध में कई दिनों से प्रदर्शन जारी है। राज्यसभा में भी बजट पर चर्चा हुई। वहीं, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने संबंधी विपक्ष के नोटिस में कमियां पाई गई थी, जिसके बाद खुद बिरला ने इसमें सुधार करवा के कार्यवाही करने का निर्देश अपने सचिवालय को दिया। लोकसभा सचिवालय के सूत्रों ने यह जानकारी दी। केंद्रीय बजट 2026-27 पर लोकसभा में हुई सामान्य चर्चा का वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने जवाब दिया। निर्मला सीतारामन ने कहा कि हमने कहा है कि शिक्षा पूरी करने और योग्यता हासिल करने के बाद कौशल सीखने के लिए कहां जाना

चाहिए, इस पर इंतजार करने के बजाय, कौशल विकास को शिक्षा में ही शामिल किया जा सकता है। इससे छात्र यह कह सकेंगे कि वे उद्यमी बन सकते हैं और इस तरह का एक विशाल केंद्र किसी भी राज्य के औद्योगिक क्लस्टर के पास स्थापित किया जा सकता है। इस प्रकार, शिक्षा केंद्रों के रूप में ऐसे विशाल उद्यमिता विकास केंद्र किसी भी राज्य में स्थापित किए जा सकते हैं। हम राज्यों के साथ मिलकर काम करने को तैयार हैं ताकि इस विशाल उच्च शिक्षा केंद्र को बढ़ावा दिया जा सके और छात्र वहां जाकर उद्यमी बन सकें। यह बजट 21वीं सदी की दूसरी तिमाही का पहला बजट है। इसीलिए इसमें 2026 से 2050 तक के कई विषयों को शामिल किया गया है। हम अगले वित्त आयोग, यानी 16वें वित्त आयोग के नए पंचवर्षीय चक्र की भी शुरुआत कर रहे हैं, जो 1 अप्रैल, 2026 से शुरू होगा। इसलिए, अनुमान काफी हद तक वित्त आयोग की सिफारिशों पर आधारित हैं। निर्मला सीतारामण ने कहा कि मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि बजट तैयार करने से पहले मुझसे मिलने वाले राज्यों के वित्त मंत्रियों की सिफारिश पर - जो कि एक सामान्य प्रक्रिया है, क्योंकि मैं हर बजट से पहले राज्य के वित्त मंत्रियों से मिलती हूं - और उनकी सिफारिश को स्वीकार करते हुए, हम जो पूंजीगत व्यय सहायता प्रदान करते हैं, जो कि 50 साल का ब्याज मुक्त ऋण है, अंततः अनुदान के बराबर होगा। उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष के लिए राजकोषीय घाटा 4.3प्रतिशत आंका गया है। बेशक, कई माननीय सदस्यों ने कहा है कि यह राजकोषीय सुदृढ़ीकरण व्यय को सीमित करके हासिल किया गया है। मैं स्पष्ट करना चाहूंगा कि यह व्यय को सीमित करके नहीं किया गया है, और मैं इस पर थोड़ा बाद में विस्तार से चर्चा करूंगा। हम पर अक्सर वित्त आयोग द्वारा अनुशंसित 41इ राज्यों को हस्तांतरित न करने का आरोप लगाया जाता है–कि भारत सरकार को राज्यों को साझा करने योग्य करों का 41प्रतिशत हस्तांतरित करना चाहिए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर सवाल खड़े करते हुए कहा कि यह बराबरी की शर्त पर नहीं किया गया और सरकार को शर्म आनी चाहिए कि उसने भारत माता को बेच दिया है। उन्होंने केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए दावा किया कि भारत-अमेरिका समझौते में देश के किसानों के हितों को कुचल दिया गया, जैसा आज से पहले किसी प्रधानमंत्री ने नहीं किया और आगे भी कोई नहीं करेगा।

हुमायूं कबीर का बड़ा संकल्प, मुर्शिदाबाद में बनेगी 'बाबरी मस्जिद', बोले- कोई हमें रोक नहीं सकता

नई दिल्ली। जन उन्नयन पार्टी (जेयूपी) के प्रमुख हुमायूं कबीर ने बुधवार को मुर्शिदाबाद के रेजिनगर में बनने वाली नई मस्जिद के निर्माण का शुभारंभ किया। इस मस्जिद का नाम 'बाबरी मस्जिद' रखा जाएगा और उन्होंने घोषणा की कि यह परियोजना अगले दो वर्षों में पूरी हो जाएगी। उन्होंने अपने साथ खड़े लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में प्रस्तावित नई मस्जिद का निर्माण आज से शुरू होगा। जन उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर इस मस्जिद का नाम 'बाबरी मस्जिद' रखना चाहते हैं। जन उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर ने कहा कि मैं बहुत खुश हूं। मैं सर्वशक्तिमान ईश्वर का धन्यवाद करता हूं। आज इतने सारे लोग मेरे साथ खड़े हैं, मैं उन सभी का आभारी हूं। जो चाहें मेरा विरोध करें। मुझे उम्मीद है कि अगले दो वर्षों में बाबरी मस्जिद का ढांचा पूरा हो जाएगा। मंदिर बनाना ठीक है, लेकिन अगर कोई मुसलमान मस्जिद बनाना चाहता है, तो लोग इसका विरोध कर रहे हैं। हम उन्हें सत्ता से बेदखल कर देंगे। इससे पहले जनवरी में, जन उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर ने बाबरी मस्जिद के निर्माण के साथ-साथ एक अस्पताल और एक विश्वविद्यालय के निर्माण की पुष्टि की थी। कबीर ने मुर्शिदाबाद में 5 जनवरी तक चलने वाले तीन दिवसीय कार्यक्रम में यह जानकारी दी, जिसका उद्देश्य मुस्लिम समुदाय के साथ संबंधों को मजबूत करना था। उन्होंने कहा कि यहाँ बाबरी मस्जिद बनेगी, अस्पताल बनेगा, विश्वविद्यालय बनेगा और लोगों के लाभ के लिए सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी। कबीर ने मस्जिद के निर्माण में विभिन्न जातियों के लोगों की भागीदारी पर जोर दिया। सभी जातियों के लोग यहाँ अपना सामान लेकर आए हैं और व्यापार कर रहे हैं।

लोकसभा में राहुल गांधी पर भड़के गिरिराज सिंह,बोले-ये झूठ की खेती करते हैं

नई दिल्ली। केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर निचले सदन में की गई टिप्पणियों को लेकर तीखी आलोचना की और उन पर निर्यात और कपास के एमएसपी को लेकर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। एएनआई से बात करते हुए सिंह ने कहा कि मैं सुन रहा था; दुर्भाग्य से मैं सदन में मौजूद नहीं था। या तो विपक्ष के नेता को जानकारी की कमी है या उन्होंने झूठ बोलने का ठेका लिया है। वे निर्यात को लेकर भ्रम फैला रहे हैं। 18इ छूट से मेरे उद्योग को बहुत लाभ होगा। जाकर उद्योग से पूछिए। वे भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने कपास की बात की; आपकी सरकार के दौरान एमएसपी 3700 रुपये था, हमने 8000 रुपये एमएसपी दिया। वे झूठ फैलाते हैं, ऐसे व्यक्ति पर अब भरोसा नहीं रहा। सरकार के रुख का समर्थन करते हुए केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी आश्वासन दिया कि अमेरिका के साथ अंतरिम समझौता किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए किया गया था। गोयल ने पत्रकारों से कहा कि वाणिज्य मंत्री के रूप में, मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि सभी निर्णय हमारे किसानों के कल्याण

को ध्यान में रखते हुए लिए गए थे और उनके हितों की रक्षा की गई है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने भी गांधी की टिप्पणियों की आलोचना करते हुए कहा कि राहुल गांधी को एक बात याद रखनी चाहिए कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत किसी के सामने नहीं झुकेगा। सदन के नियमों का उल्लंघन करते हुए राहुल गांधी ने निराधार बयान दिए हैं। हम इसकी निंदा करते हैं।

इससे पहले, बुधवार को लोकसभा में राहुल गांधी ने सरकार पर राष्ट्रीय हितों से समझौता करने का आरोप लगाया और पूछा कि क्या उसे भारत को बेचने में शर्म नहीं आती? उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने प्रभावी रूप से भारत माता को बेच दिया है। लोकसभा में बोलते हुए गांधी ने कहा कि सरकार ने स्वयं स्वीकार किया है कि विश्व एक वैश्विक संकट का सामना कर रहा है, जिसमें एक महाशक्ति का युग समाप्त हो रहा है, भू-राजनीतिक संघर्ष तीव्र हो रहे हैं और ऊर्जा एवं वित्त का दुरुपयोग हथियारों के रूप में किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस वास्तविकता को स्वीकार करने के बावजूद, सरकार ने संयुक्त राज्य अमेरिका को ऊर्जा और वित्तीय प्रणालियों का इस तरह से दुरुपयोग करने की अनुमति दी है जिससे भारत प्रभावित हो रहा है।

हम सोनम वांगचुक को रिहा नहीं कर सकते

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि वह लद्दाख के क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को रिहा नहीं कर सकती। वांगचुक को पिछले साल लेह में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में नेशनल सिक्योरिटी एक्ट के तहत अधिकारियों ने हिरासत में लिया था। इस हिंसक प्रदर्शन में चार लोग मारे गए थे और 150 से ज़्यादा लोग घायल हुए थे। भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पीबी वराले की बेंच के सामने यह बात कही। यह बात सुप्रीम कोर्ट के पहले के सवाल के जवाब में कही गई थी। जिसमें अधिकारियों से वांगचुक की बिगड़ती सेहत को देखते हुए मेडिकल आधार पर उनकी रिहाई पर विचार करने को कहा गया था। एसजी मेहता ने कहा कि जेल मैनुअल के हिसाब से उनकी समय-समय पर करीब 24 बार जांच की गई है।

सेना के सम्मान से खिलवाड़? नरवणे पुस्तक विवाद में बीजेपी का आरोप-राहुल गांधी ने लांघी सारी हदें

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक को लेकर चल रही गरमागरम राजनीतिक बहस के बीच, भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को लोकसभा के विपक्ष नेता राहुल गांधी पर एक सम्मानित सेना अधिकारी को अपनी घटिया राजनीति में घसीटने और पुस्तक के प्रकाशन की स्थिति के बारे में झूठे दावे करने का आरोप लगाते हुए उन पर हमला किया। बीजेपी ने पर एक पोस्ट में कहा कि नरवणे और पेंगुइन पब्लिशिंग हाउस ने गांधी के दावों का खंडन किया है और कहा है कि उन्होंने ऐसा व्यवहार 'बार-बार' प्रदर्शित किया है और विपक्ष नेता के रूप में उनकी स्थिति पर सवाल उठाया है। पार्टी ने कहा कि राहुल गांधी ने न केवल संसद की गरिमा को ठेस पहुंचाई, बल्कि एक सम्मानित सेना अधिकारी को अपनी घटिया राजनीति में भी घसीटा। पुस्तक प्रकाशित न होने के बावजूद, उन्होंने संसद के भीतर एक संवेदनशील राष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दे को उठाया। जब उनसे इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने झूठा दावा किया कि पुस्तक पहले ही प्रकाशित हो चुकी है और तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया। पोस्ट में आगे कहा गया है कि अब, पूर्व

सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे और पेंगुइन पब्लिशर्स ने स्पष्ट किया है कि पुस्तक प्रकाशित नहीं हुई है। यह कोई अकेली घटना नहीं है। उन्होंने बार-बार विकृत तथ्य प्रस्तुत करके देश को गुमराह किया है। ऐसे आचरण से देश यह सोचने पर मजबूर है कि क्या वे वास्तव में विपक्ष के नेता का पद संभालने के योग्य हैं। विवाद तब शुरू हुआ जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संसद में पुस्तक के अंश उद्धृत करते हुए दावा किया कि यह उपलब्ध है, और इसके लिए उन्होंने नरवणे की 2023 की एक सोशल मीडिया पोस्ट का हवाला दिया। स्पीकर ने एक आदेश पारित करते हुए विपक्ष के नेता को अप्रकाशित साहित्य का हवाला न देने को कहा। राहुल गांधी ने जनरल एमएम नरवणे की 2023 की पोस्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि संस्मरण ऑनलाइन बिक्री के लिए उपलब्ध है। दोनों ही सच नहीं बोल सकते। पेंगुइन का कहना है कि किताब प्रकाशित नहीं हुई है। लेकिन किताब अमेज़न पर उपलब्ध है। जनरल नरवणे ने 2023 में ट्वीट किया था, 'कृपया मेरी किताब खरीदें।' मैं पेंगुइन के मुकाबले नरवणे जी पर विश्वास करता हूं। क्या आप नरवणे जी के मुकाबले पेंगुइन पर विश्वास करते हैं? मेरा मानना है कि नरवणे जी ने अपनी किताब में कुछ ऐसे बयान दिए हैं जो भारत सरकार और प्रधानमंत्री के लिए असुविधाजनक हैं। जाहिर है, आपको तय करना होगा कि पेंगुइन या पूर्व सेना प्रमुख में से कौन सच बोल रहा है।

जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती गांव में मिला पाकिस्तानी एयरलाइंस का गुब्बारा, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में एक बार फिर संदिग्ध गतिविधि देखने को मिली है। बुधवार को कठुआ जिले के एक सीमावर्ती गांव में पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस के लोगो वाला एक गुब्बारा बरामद हुआ है। इस घटना के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में सतर्कता बढ़ा दी है। पिछले साल, जम्मू शहर में पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस के लोगो वाला ऐसा ही एक

संदिग्ध हवाई जहाज के आकार का गुब्बारा मिला था। अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा के पास जम्मू, कठुआ, सांबा, राजौरी और पुंछ जिलों में इस तरह के गुब्बारे मिलना अब एक नियमित लेकिन चिंताजनक घटना बन गई है।अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि सफेद और केसरिया रंग का पाकिस्तानी गुब्बारा जम्मू के नई बस्ती इलाके में मिला था और उस पर हरे रंग से 'पीआईए लिखा था।ध्यान दें कि इंटरनेशनल बॉर्डर के पार पाकिस्तान की तरफ से हवा में छोड़े गए गुब्बारे समय-समय पर जम्मू, कठुआ और सांबा जिलों में बॉर्डर के पास पाए गए हैं। कई बार, राजौरी और पुंछ जिलों में लाइन ऑफ कंट्रोल के पास भी ऐसी संदिग्ध चीजें मिली हैं। गुब्बारों के अलावा, पाकिस्तानी सेना की मदद से बॉर्डर पार से काम करने वाले आतंकी संगठनों ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को सपोर्ट करने के लिए हथियार, ड्रग्स और कैश ले जाने के लिए ड्रोन का भी इस्तेमाल किया है। कई मामलों में, इन ड्रोन को आतंकवादियों या ओवरग्राउंड वर्कर्स द्वारा उनके पेलोड उठाए जाने से पहले ही ज़मीन पर बरामद कर लिया गया है। खुफिया एजेंसियों का कहना है कि कुछ ड्रोन का खास मकसद आतंकवाद को बनाए रखना है, लेकिन पाकिस्तानी निशान वाले गुब्बारों का मकसद सुरक्षा बलों का ध्यान भटकाना और आम नागरिकों में दहशत फैलाना माना जाता है।

गोगी गैंग कनेक्शन वाला कुख्यात गैंगस्टर मुकेश गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के आउटर नॉर्थ जिले में पुलिस ने कुख्यात गैंगस्टर मुकेश उर्फ पुनीत को गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस ने यह ऑपरेशन पूरी तरह खुफिया सूचना और पुख्ता सबूतों के आधार पर चलाया गया है। दिल्ली के आउटर नॉर्थ जिले में पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात गैंगस्टर मुकेश उर्फ पुनीत को गिरफ्तार कर लिया है। सख्त महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट के तहत की गई यह गिरफ्तारी नरेला और आसपास के इलाकों में अपराध की कमर तोड़ने वाली मानी जा रही है। लंबे समय से पुलिस की नजर में चल रहे इस गैंगस्टर की गिरफ्तारी से इलाके में दहशत फैलाने वाले गिरोह को बड़ा झटका लगा है।

राहुल गांधी के 'देश बेचा' आरोप पर किरण रिजिजू का पलटवार

'कोई माई का लाल पैदा नहीं हुआ' ,अब नोटिस की तैयारी

नई दिल्ली। बुधवार को लोकसभा में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बीच भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर राहुल गांधी के भाषण को लेकर तीखी बहस छिड़ गई। राहुल गांधी ने कहा कि मैं कह रहा हूँ कि आपने भारत को बेच दिया है। क्या आपको भारत को बेचने में शर्म नहीं आती? क्या आपको भारत को बेचने में कोई शर्म नहीं है? आपने हमारी माँ, भारत माता को बेच दिया है। दिलचस्प बात यह है कि मैं जानता हूँ कि प्रधानमंत्री सामान्य परिस्थितियों में भारत को नहीं बेचते। आप जानते हैं उन्होंने भारत को क्यों बेचा? क्योंकि वे उनका गला घोंट रहे हैं। उन्होंने उनकी गर्दन पकड़ रखी है... हम प्रधानमंत्री की आँखों में डर देख सकते हैं। दो बातें हैं - पहली, एपस्टीन। 30 लाख फाइलें अभी भी बंद हैं। राहुल के इस बयान पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कोई माई का लाल पैदा नहीं हुआ जो देश को बेच या खरीद सके। पीएम मोदी अब तक के सबसे मजबूत प्रधानमंत्री हैं। बाद में किरेन रिजिजू ने कहा कि उन्होंने बिना पूर्व सूचना दिए मंत्री हरदीप सिंह पुरी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। यह विशेषाधिकार

का गंभीर उल्लंघन है। हम अध्यक्ष को आवश्यक सूचना देंगे। विपक्ष के नेता ने बजट चर्चा में कोई उपयोगी और ठोस योगदान नहीं दिया। वे केवल बेबुनियाद आरोप लगा रहे थे। मैंने उनसे कहा था कि जब वित्त मंत्री आज शाम 5 बजे बजट पर जवाब देंगे, तब वे सदन में उपस्थित रहें। अपने भाषण के बाद वे तुरंत सदन से बाहर चले गए। नियम यह है कि एक बार कोई सदस्य अपना भाषण दे दे, तो वह भाषण समाप्त होने के तुरंत बाद सदन नहीं छोड़ सकता। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जानबूझकर बार-बार ऐसा करते हैं। उनका भाषण आमतौर पर झूठ और आरोपों से भरा होता है। वे भाग जाते हैं और मंत्री का जवाब सुनने के लिए कभी नहीं बैठते। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे पास विपक्ष के नेता के पद के योग्य कोई गंभीर स्वभाव वाला व्यक्ति नहीं है। हमारी पार्टी ने यह रुख अपनाया है कि हम राहुल गांधी के झूठ का जवाब सदन के बाहर देंगे, लेकिन सदन के अंदर नोटिस जारी किया जाएगा। हम स्पीकर को नोटिस भेजेंगे। राहुल गांधी ने प्रमाण देने का वादा किया है, लेकिन मुझे पता है कि वे प्रमाण नहीं दे सकते क्योंकि उन्होंने झूठ बोला है। उन्होंने सदन के सामने झूठ बोला है। रिजिजू ने साफ तौर पर कहा कि हम राहुल गांधी के खिलाफ सदन को गुमराह करने और निराधार बयान देने के लिए विशेषाधिकार नोटिस दाखिल करने जा रहे हैं। लोकसभा और राज्यसभा में कार्यवाही और प्रक्रिया के स्पष्ट नियम हैं। जब कोई सदस्य किसी अन्य सदस्य पर गंभीर आरोप लगाना चाहता है, तो उसे नोटिस देना होता है और आरोप को साबित भी करना होता है। मैंने अनुरोध किया है कि राहुल गांधी को सदन में बुलाया जाए ताकि वे अपने द्वारा उठाए गए बिंदुओं को प्रमाणित कर सकें। राहुल गांधी ने सरकार और प्रधानमंत्री पर निराधार और झूठे आरोप लगाए हैं, उनका कहना है कि प्रधानमंत्री ने भारत और भारतीय हितों को बेच दिया है। किस आधार पर उन्होंने बिना नोटिस दिए हरदीप सिंह पुरी पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

15 फरवरी को होगा भारत और पाकिस्तान का मैच,मोहसिन नकवी ने बहिष्कार का फैसला वापिस लिया

नई दिल्ली। क्रिकेट जगत के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित टी20 विश्व कप मैच अब अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होगा। पाकिस्तान सरकार ने बांग्लादेश और श्रीलंका के कूटनीतिक हस्तक्षेप और समझाने के बाद मैच के बहिष्कार का अपना फैसला वापस ले लिया है और इसके साथ ही टूर्नामेंट में जारी गतिरोध भी खत्म हो गया है। भारत और पाकिस्तान के बीच मैच कोलंबो में 15 फरवरी को होना है। पाकिस्तान सरकार ने एक विज्ञप्ति में कहा ,'' बहुपक्षीय बातचीत के नतीजों और दोस्त देशों के अनुरोध के बाद पाकिस्तान सरकार पाकिस्तान की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को निर्देश देती है कि वह 15 फरवरी 2026 को आईसीसी पुरूष टी20 विश्व कप का अपना निर्धारित मैच खेलने मैदान पर उतरे।'' बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने इससे पहले जारी एक बयान में पाकिस्तान से क्रिकेट के हित में यह मैच खेलने का अनुरोध किया था। इसके बाद ही स्पष्ट हो गया था कि पाकिस्तान यह मैच खेलेगा। पाकिस्तान सरकार के बयान में कहा गया ,'' यह फैसला क्रिकेट की भावना की रक्षा और सभी प्रतिभागी देशों में इस वैश्विक खेल की निरंतरता का समर्थन करने के मकसद से लिया गया है।'' पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को श्रीलंका से राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके का भी फोन आया था जिन्होंने उनसे बहिष्कार का फैसला वापिस लेने का अनुरोध किया था। इसमें कहा गया ,''श्रीलंका के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री से मौजूदा गतिरोध को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने के लिए गंभीरता से विचार करने का अनुरोध किया था।'' सरकार का बयान आने से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने शरीफ को आईसीसी से रविवार को हुई उनकी और इस्लाम की बातचीत का ब्यौरा दिया। नकवी ने इससे पहले कहा था कि अंतिम फैसला आने में एक दिन लगेगा। उन्होंने कहा था ,'' बांग्लादेश सही था लिहाजा हमे उसका साथ देना ही था।'' भारत में सुरक्षा कारणों से खेलने से इनकार के बाद बांग्लादेश को विश्व कप से बाहर कर दिया गया था। बीसीबी प्रमुख इस्लाम ने ढाका

में जारी बयान में पाकिस्तान को धन्यवाद दिया लेकिन यह भी कहा कि भारत के खिलाफ इस मैच को खेलना क्रिकेट के हित में है। उन्होंने एक बयान में कहा ,'' इस समय में बांग्लादेश के साथ खड़े होने के लिये हम पाकिस्तान के शुक्रगुजार हैं। यह भाईचारा बना रहे।'' उन्होंने कहा ,'' पाकिस्तान की कल संक्षिप्त यात्रा और हमारी बातचीत के बाद मैं पाकिस्तान से अनुरोध करूंगा कि समूचे क्रिकेट इकोसिस्टम के फायदे के लिये वह 15 फरवरी को भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप का मैच खेले।'' आईसीसी ने दुबई में जारी बयान में कहा कि भारत में खेलने से इनकार पर बांग्लादेश पर कोई दंड नहीं लगाया जायेगा। बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड टूर्नामेंट खेल रहा है। आईसीसी ने एक बयान में कहा ,'' इस पर रजामंदी बनी है कि मौजूदा मसले के संदर्भ में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड पर किसी तरह का आर्थिक, खेलसंबंधी या प्रशासनिक दंड नहीं लगाया जायेगा।'' इसमें कहा गया ,'' बीसीबी को विवाद निपटान समिति के पास जाने का अधिकार है। आईसीसी के मौजूदा नियमों के तहत यह अधिकार बरकरार है।'' आईसीसी ने कहा कि उसका नजरिया निष्पक्षता और समानता के सिद्धांतों पर आधारित है और यह सजा देने के बजाय मदद करने के साझा मकसद को दिखाता है। आईसीसी ने यह भी कहा कि बांग्लादेश को 2028 से 2031 के बीच में एक आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी दी जायेगी। इधर नकवी ने इन अटकलों को भी खारिज किया था कि आईसीसी से कार्रवाई की चेतावनी मिलने के कारण पीसीबी दबाव में है।

उन्होंने कहा ,'' आपको पता है कि हम इन धमकियों से डरने वालों में से नहीं है। सभी हमारे फील्ड मार्शल (असीम मुनीर) को जानते हैं। हम किसी प्रतिबंध से नहीं डरते।'' सूत्र ने कहा कि आईसीसी उपाध्यक्ष इमरान ख्वाजा के साथ रविवार को हुई बातचीत में नकवी ने कई मुद्दे उठाए। इसमें भारत पाक क्रिकेट की बहाली और बांग्लादेश समेत त्रिकोणीय श्रृंखला का आयोजन शामिल है ताकि विश्व कप से बाहर होने से बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को हुए नुकसान की भरपाई हो सके। भारत . पाक द्विपक्षीय क्रिकेट आईसीसी के दायरे में नहीं है जबकि त्रिकोणीय श्रृंखला की मांग खारिज कर दी गई है।

डेविस कप में भारत के नए नायक बने दक्षिणेश्वर सुरेश,गुमनामी से स्टारडम तक का पूरा सफर

नई दिल्ली। दिखावे के प्रति जुनूनी इस युग में कड़े अनुशासन और वर्षों की अथक मेहनत से अपने करियर को नए मुकाम पर पहुंचाने वाले भारतीय डेविस कप टीम के नए नायक दक्षिणेश्वर सुरेश का उदय व्यवस्थित तरीके से हुआ है। दक्षिणेश्वर का भारतीय टेनिस में हाशिए से मुख्य भूमिका में पहुंचने तक का सफर चकाचौंध से दूर रहा और इस बीच वह धैर्यपूर्वक चुपचाप आगे बढ़ते रहे।

टेनिस से उनका जुड़ाव पारिवारिक संबंधों से है। उनके पिता सुरेश एक्का डिंडीगुल के क्लब स्तर के खिलाड़ी थे। उनके इन्हीं शुरुआती संपर्कों के कारण दक्षिणेश्वर के लिए चेन्नई में लक्ष्मण चक्रवर्ती के रूप में कोच ढूंढने में मदद मिली। उन शुरुआती दिनों से ही कड़ी मेहनत जारी रही। इस दौरान 2010 और 2016 के बीच दक्षिणेश्वर चेन्नई में प्रतिदिन लगभग 16 किलोमीटर की यात्रा बस से करते थे।

चक्रवर्ती ने पीटीआई को अपने शिष्य के शुरुआती संघर्षों के बारे में बताते हुए कहा, ''तब वह सिर्फ नौ साल का था। उसमें किसी तरह का अहं का भाव नहीं था। उसके लिए कोई शॉर्टकट नहीं था। उसे सुरपेट से मोगाप्पैर, फिर मोगाप्पैर से अन्ना नगर और अन्ना नगर से लोयोला कॉलेज, नुंगमबक्का जाना पड़ता था। मैं उसे

बस स्टैंड से लेने जाता था।'' उन्होंने कहा, ''सुबह का समय अन्ना नगर में फिटनेस ट्रेनर रंजीत के साथ बीतता था। उसके बाद लोयोला कॉलेज में टेनिस के सत्र होते थे।'' चक्रवर्ती ने कहा, ''वह सबके साथ खेलता था और कड़ी मेहनत करने से कभी पीछे नहीं हटता था। वह बहुत शांत स्वभाव का है और उसका रवैया अलग है। उसने कई वर्ष तक पेप्सी या कोक नहीं पी। वह बेहद अनुशासित है।'' पैसा अक्सर एक समस्या होती थी। अवसर सीमित थे। दक्षिणेश्वर 2016 में प्रशिक्षण के लिए फ्रांस गए और उसी वर्ष बाद में उन्होंने डीएलटीए में अंडर-16 फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती जो उनके करियर के लिए मील का पत्थर साबित हुई। चक्रवर्ती ने कहा, ''अगर उसे पहले ही प्रायोजक मिल गए होते तो हालात काफी अलग हो सकते थे। वह अलग ही स्तर पर खेल रहा है।'' दक्षिणेश्वर को 2019 में पीठ की चोट के कारण पांच से छह महीने तक खेल से दूर रहना पड़ा। उसके बाद कोविड-19 महामारी ने प्रतिस्पर्धा और प्रायोजन को पूरी तरह से ठप कर दिया। विकल्प सीमित होते देख पूर्व भारतीय खिलाड़ी सोमदेव देववर्मन ने उन्हें अमेरिका जाने की सलाह दी। यह एक ऐसा फैसला था जिसने दक्षिणेश्वर के करियर को नहीं दिशा प्रदान की। चक्रवर्ती ने कहा, ''हमारे पास पैसों की कमी थी, इसलिए हमने सोमदेव की सलाह पर उसे अमेरिका भेज दिया। छात्रवृत्ति से मदद मिली। वहां उसने बहुत सुधार किया। कॉलेज टेनिस में लगातार मैच खेलना, टीम प्रतियोगिता का दबाव और पेशेवर माहौल ने उसे मजबूत बनाया। इससे वह मानसिक रूप से भी मजबूत बना।

कॉलेज के दिनों से रवीना टंडन को मिलने लगे थे मॉडलिंग के ऑफर,करियर की खास बातें

मुम्बई। 90 के दशक की मशहूर अभिनेत्री रवीना टंडन का जन्म 26 अक्टूबर 1974 को मुंबई में हुआ। फिल्मों में आने से पहले रवीना टंडन मॉडलिंग करती थीं। उनके पिता रवि टंडन भी निर्देशक हैं। रवीना मुंबई में ही पली बढ़ी हैं। उनके जन्मदिन पर जानते हैं उनसे जुड़ी ऐसी ही खास बातें। रवीना टंडन ने मुंबई के जुहू स्थित जमनाबाई पब्लिक स्कूल से पढ़ाई की है। इसके बाद उन्होंने मीठीबाई कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। पढ़ाई के दौरान ही उन्हें मॉडलिंग के ऑफर मिलने लगे तो उन्होंने सेकेंड ईयर में ही पढ़ाई छोड़ दी। रवीना टंडन ने 1991 में फिल्म पत्थर के फूल से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर का न्यू फेस ऑफ द ईयर का अवॉर्ड मिला। रवीना के पिता का नाम रवि टंडन है और उनकी मां का नाम वीना टंडन। दोनों का नाम मिलाकर रवीना का नाम रखा गया। उनका निक नेम मुनमुन है। यह नाम उनके मामा और अभिनेता मैकमोहन ने दिया था। मॉडलिंग के दिनों में रवीना ने मशहूर एड मेकर प्रह्लाद कक्कड़ के साथ काम किया। रवीना टंडन ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दीं। इनमें मोहरा, दिलवाले, लाडला बड़ी हिट साबित हुईं। इसके अलावा अंदाज अपना अपना में भी रवीना थीं। उन्हें कुछ कुछ होता है में रानी मुखर्जी और दिल तो पागल है में करिश्मा कपूर का रोल ऑफर हुआ था लेकिन उन्होंने फिल्म करने से मना कर दिया था। रवीना टंडन के अफेयर की चर्चा अक्षय कुमार से रही। अक्षय कुमार से अलग होने के बाद रवीना ने फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी को डेट करना शुरू किया। अनिल तलाकशुदा थे। 22 फरवरी 2004 को दोनों ने उदयपुर में शादी की। दंपति के एक बेटी राशा और बेटा रणबीर है। शादी से पहले रवीना ने दो बेटियों (छाया और पूजा) को गोद लिया था। अक्षय और रवीना का प्यार फिल्म मोहरा के सेट से शुरू हुआ था। दोनों की प्रेम कहानी 1994 में शुरू हुई। शूटिंग के दौरान अक्षय और रवीना के एक दूसरे के करीब आने लगे, फिल्म मोहरा सुपरहिट हुई और दोनों स्टार्स ने एक साथ कई फिल्में कीं। ये वो दौर था जब रवीना बॉलीवुड की बड़ी एक्ट्रेस मानी जाती थीं। दोनों अक्सर साथ-साथ देखे जाते थे। दोनों ने सगाई कर ली और रवीना ने अक्षय के लिए फिल्म छोड़ने का फैसला भी कर लिया। रवीना ने खुद एक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में बताया था कि अक्षय ने कहा था कि जिस दिन वो फिल्म छोड़ देंगी उसी दिन वो शादी कर लेंगे। रवीना के मुताबिक अक्षय फिल्म छोड़ने के लिए ब्लैकमेल करते थे। दोनों की प्यार की गाड़ी चल ही रही थी कि ऐसी खबर आई, जिसने सबको चौंका दिया। 1996 में फिल्म खिलाड़ियों का खिलाड़ी में दोनों ने एक साथ काम किया, लेकिन फिल्म की शूटिंग के दौरान अक्षय का नाम जिस हसीना से जुड़ा उसे सुनकर हर कोई दंग रह गया। अक्षय का नाम जिस हसीना से जुड़ा वो थीं रेखा, जो इस फिल्म में अहम भूमिका निभा रही थीं, उस दौर की छपी कई मैगजीन की खबरों के मुताबिक अक्षय और रेखा एक दूसरे के बेहद करीब आने लगे थे, जो रवीना को रास नहीं आया। फिल्म की शूटिंग के दौरान रेखा और अक्षय की नजदीकियों की खबरें भी आने लगीं। रवीना इस बात से इतनी आहत हुईं, कि उन्होंने एक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में कहा कि वो अब अक्षय से प्यार नहीं करती। ब्रेकअप के कई सालों बाद रवीना ने एक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने अक्षय को सुष्मिता और रेखा के साथ रंगों हाथ पकड़ा था। हालांकि अक्षय ने कभी भी रवीना से प्यार और ब्रेकअप की खबर को नहीं कबूला। रवीना ने अक्षय पर यहां तक आरोप लगाया कि वो लड़कियों को फंसाने के लिए नाटक करते हैं। रवीना ने सालों तक अक्षय पर भड़ास निकाला, लेकिन अक्षय खामोश रहे और इस तरह एक प्रेम कहानी का दर्दनाक अंत हुआ।

सेलीब्रिटी लाइफ की मुश्किलों पर बोले रणवीर सिंह, 'मेरा 'पहला प्यार' सबसे जरूरी...'

मुम्बई। बॉलीवुड 'पॉवर हाउस' रणवीर सिंह अक्सर अपने फैन्स के साथ दिल खोलकर मिलते हैं। चाहे एयरपोर्ट पर मिलें या फिर कहीं और, रणवीर अपने फैन्स के साथ सेल्फी लेने में कभी गुरेज नहीं करते। लेकिन अपने फैन्स के साथ इतना जुड़े रहने वाले रणवीर सिंह का मानना है कि पर्दे की दुनिया में रहना सपने को जीने जैसा है लेकिन सेलीब्रिटी होने के साथ कुछ जिम्मेदारियां भी ऊपर आ जाती हैं, जिसे उन्होंने खुशी-खुशी गले लगाया है।

रणवीर का कहना है कि ये जिम्मेदारियां उन्हें उनके 'पहले प्यार' यानी एक्टिंग से दूर नहीं कर सकतीं। रणवीर ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'सेलिब्रिटी का जीवन आसान नहीं है। बहुत सारी परीक्षाएं हैं। मोबाइल फोन और स्मार्ट फोन आने के साथ यह और जटिल हो गया है। यहां हमेशा सजग रहना पड़ता है, कभी-कभी तो बहुत अधिक ध्यान देना पड़ता है।' उन्होंने कहा, 'लेकिन ये सारी चीजें आपको आगे ले जाती हैं। अगर आपने कलाकार बनने का निर्णय लिया है तो आपकी तरफ नजरें होती हैं और मैं इस बात को लेकर खुश हूं कि लोगों का ध्यान मेरी तरफ है।' वर्ष 2010 की फिल्म 'बैंड बाजा बारात' के साथ बॉलीवुड में अपना करियर शुरू करने वाले रणवीर ने कहा कि बचपन के दिनों से ही वह लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच लेते थे। हॉलीवुड फिल्म 'डेडपूल 2' के हिंदी संस्करण में रयान रेनॉल्ड के डेडपूल को अपनी आवाज देने वाले अभिनेता ने कहा, 'इसलिए मेरे लिए

यह सपना जीने जैसा है। लोग लाइमलाइट में आना चाहते हैं, इसलिए यदि आपको वहां होने का अवसर मिला है, तो आपको इसे सकारात्मक रूप में देखना चाहिए। मुझे जीवन के किसी भी पहलू में कोई दबाव महसूस नहीं होता।'

यह पूछे जाने पर कि सेलिब्रिटी स्टेटस के साथ कुछ खास जिम्मेदारी भी आती है और रणवीर इसे संभालना सीख रहे हैं उन्होंने कहा, 'यहां कई ऐसी चीजें हैं, जिसे आप एक ऐसे व्यक्ति के रूप में कर सकते हैं, जो प्रसिद्ध नहीं है, लेकिन उसी को सार्वजनिक हस्ती हो जाने पर आप नहीं कर सकते। मैंने धीरे-धीरे समझाना शुरू किया। लेकिन कभी-कभी इन सारी चीजों के बीच आप सबसे महत्वपूर्ण चीज से ध्यान नहीं हटा सकते हैं, यानी फिल्मों में अभिनय।' 'डेडपूल 2' के अलावा, रणवीर के खाते में जोया अख्तर की 'गली बॉय', रोहित शेट्टी की 'सिंबा' और कबीर खान की '83' भी है। बता दें कि इस साल की शुरुआत से ही रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण की शादी की खबरें जोरों पर हैं। पहले जहां इस जोड़ी के जुलाई में शादी करने की खबरें आ रही थीं, अब वहीं खबर है कि यह दोनों इसी साल नवंबर में शादी करने जा रहे हैं। हालांकि दीपिका और रणवीर की तरफ से खबर की पुष्टि नहीं हुई है।

धुरंधर की रिलीज से पहले शांति की तलाश में रणवीर सिंह अबू धाबी को बताया अपना 'सुकून का ठिकाना'

मुम्बई। बॉलीवुड सुपरस्टार रणवीर सिंह इन दिनों अपनी स्पाई-थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' की सफलता का आनंद ले रहे हैं। लेकिन अपनी अगली फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' की रिलीज से पहले, अभिनेता ने स्वीकार किया है कि उनका जीवन कभी-कभी बहुत 'क्रेजी' (अस्त-व्यस्त) हो जाता है और ऐसे में वह शांति और स्थिरता के लिए तरसते हैं। अपनी जासूसी थ्रिलर धुरंधर की सफलता के बीच, एक्टर रणवीर सिंह ने माना है कि उनकी ज़िंदगी 'कभी-कभी बहुत ज़्यादा बिज़ी हो जाती है।' धुरंधरः द रिवेंज की रिलीज़ से पहले, उन्होंने कहा कि ऐसे भी समय आते हैं जब उन्हें शांति, सुकून और ठहराव के पलों की ज़रूरत होती है। रणवीर ने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि कभी-कभी वह अपने पैशन से फिर से जुड़ने के लिए पल ढूंढते हैं। उन्होंने बताया कि उनके लिए, ट्रैवल ही वह बहुत ज़रूरी ब्रेक होता है। एक्टर ने कहा, 'मेरी ज़िंदगी कभी-कभी बहुत ज़्यादा बिज़ी हो जाती है और मुझे शांति, सुकून और ठहराव के पलों की ज़रूरत होती है। ऐसी शांति जहाँ मैं खुद को फिर से सुन सकूँ,

अपने पैशन से फिर से जुड़ा हुआ महसूस कर सकूँ और स्ट्रेस को दूर होते देख सकूँ।' 40 साल के एक्टर ने आगे कहा, 'मेरे लिए, अबू धाबी वह खास जगह है। यह वह जगह है जहाँ मैं धीमा हो जाता हूँ, चाहे वह अल ऐन ओएसिस में टहलना हो या सादियात बीच क्लब में पूल के किनारे आराम करना हो। यह वह जगह है जो मुझे हमेशा अपनी रफ़्तार खोजने देती है, और यह कुछ ऐसा है जिसे मैं सच में संजोकर रखता हूँ।' 'मेरी जिज्ञासा और ज्ञान की प्यास, खोज की मेरी भूख तेज़ हो जाती है। मुझे संस्कृति के बारे में जानने की कभी न खत्म होने वाली भूख है। मैंने यूनिवर्सिटी में कम्युनिकेशन और कल्चर की पढ़ाई की है। मैं सच में संस्कृति के बारे में जानने और उसका अध्ययन करने का शौकीन हूँ,' रणवीर ने ज़ोर देकर कहा। धुरंधर एक्टर ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि ट्रैवल आपको विनम्र बनाता है, यह आपको एहसास कराता है कि दुनिया कितनी बड़ी है और आपका दायरा कितना छोटा हो सकता है - यह एक ऐसा एहसास है जो काफी आज़ादी देने वाला हो सकता है।'

रणवीर की नई फिल्म, धुरंधरः द रिवेंज के टीज़र में रणवीर हमज़ा के रूप में हैं, जिसमें उनके छोटे किरदार जसकीरत सिंह रंगी के फ्लैशबैक दिखाए गए हैं। सीक्वल की वापसी करने वाली कास्ट में रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर. माधवन और अर्जुन रामपाल शामिल हैं।

हिन्दी फिल्मों के एक प्रसिद्ध गायक सोनू निगम

मुम्बई। हिन्दी के अलावा कन्नड़, उड़िया, तमिल, अस्सामी, पंजाबी, बंगाली, मराठी और तेलुगु फ़िल्मों में भी गा चुके हैं। उन्होंने बहुत से इंडी-पॉप एलबम बनाए हैं और कुछ हिंदी फिल्मों में भी बतौर एक्टर के तौर में भी काम किया है।सोनू निगम चार साल की उम्र से गाते आ रहे हैं। उन्होने सबसे पहले अपने पिताजी के साथ मंच पर मोहम्मद रफ़ी का गीत क्या हुआ तेरा वादा गाया था। तभी से शादियों और पार्टियों में वे अपने पिताजी के साथ गाने लगे। थोडा और बड़े होने पर वे संगीत प्रतियोगितओं में भाग लेने लगे। 19 वर्ष कि आयु में गायन को अपना व्यवसाय बनाने के लिए वे अपने पिताजी के साथ मुम्बई आ गए। उन्होने शास्त्रीय गायक उस्ताद ग़ुलाम मुस्तफ़ा ख़ान से शिक्षा ली। शुरु के कुछ साल सोनू को अपना नाम बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। उन्होने मुख्य रूप से टी-सीरीज़ की रफ़ी की यादें नामक एल्बमों के लिए मोहम्मद रफ़ी के गाने गाना शुरु किया।

जिया शंकर और एल्विश यादव की 'सगाई' का सच

क्या वाकई करीब आए बिग बॉस के दो सितारे या यह है कोई नया प्रोमो?

मुम्बई। सोशल मीडिया पर इस वक्त केवल एक ही चर्चा है-क्या जिया शंकर और एल्विश यादव ने सगाई कर ली है? 'बिग बॉस ओटीटी 2' के इन दो चर्चित कंटेस्टेंट्स की एक तस्वीर ने इंटरनेट पर तूफान ला दिया है। एल्विश यादव द्वारा साझा की गई एक मिस्ट्री फोटो, जिसमें एक लड़की के हाथ में हीरे की अंगूठी चमक रही है, ने फैंस को हैरान और उत्साहित कर दिया है। दोनों सितारों के फैंस हैरान हैं क्योंकि पहले कभी इन दोनों को एक साथ नहीं देखा गया था। जिया और एल्विश की वायरल 'एंगेजमेंट' तस्वीर की सच्चाई क्या हो सकती है, यहाँ जानें।

इसका जवाब अभी साफ नहीं है। एल्विश के अकाउंट पर पोस्ट की गई एक स्टोरी, जिसके कैप्शन में लिखा था 'प्यार को एक और मौका दिया और मुझे मेरा दिल मिल गया,' ने इस बात की अटकलें लगाई हैं कि दोनों डेट कर रहे हैं। साथ ही, यह भी हो सकता है कि यह पोस्ट किसी आने वाले प्रोजेक्ट के प्रमोशन से जुड़ा हो। कन्फ्यूजन को और बढ़ाते हुए, जिया शंकर ने हाल ही में एक मिस्ट्री

मैन के साथ एक तस्वीर शेयर की, और फोटो में दिख रहा शख्स बिल्कुल भी एल्विश जैसा नहीं लग रहा है।

जो लोग नहीं जानते, जिया शंकर और एल्विश यादव बिग बॉस ध्ऊऊ के एक ही सीजन में कंटेस्टेंट थे। जहां जिया शो से जल्दी बाहर हो गई थीं, वहीं एल्विश ने यूट्यूबर अभिषेक मल्हान को हराकर सीजन जीत लिया था। अपनी जीत के बाद, एल्विश ने रोडीज़ के लेटेस्ट सीजन में गैंग लीडर की भूमिका निभाई और फिलहाल भारती सिंह और शेफ हरपाल सिंह सोखी द्वारा होस्ट किए जाने वाले लाफ्टर शेफ्स में नज़र आ रहे हैं। दिसंबर में, ऐसी खबरें सामने आईं कि जिया इन्फ्लुएंसर फुकरा इंसान, जिन्हें अभिषेक मल्हान के नाम से भी जाना जाता है, से शादी करने वाली हैं। औपचारिक स्पष्टीकरण देने के बजाय, जिया ने इंस्टाग्राम पर एक मिस्ट्री मैन के साथ अपनी एक रोमांटिक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह आदमी उनके माथे पर धीरे से किस करता दिख रहा था। फोटो के ऊपर, उन्होंने लिखा, 'चलो 2025 में झूठी अफवाहों को छोड़ देते हैं!', साथ में एक लाल दिल वाला इमोजी भी था। कई लोगों ने इसे मल्हान के साथ अपने रिश्ते की अटकलों को खत्म करने का उनका तरीका माना।

जयदीप अहलावत का सपना था भारतीय सेना किस्मत ने बनाया बॉलीवुड का 'खूंखार' एक्टर

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेता जयदीप अहलावत आज यानी की 08 फरवरी को अपना 44वां जन्मदिन मना रहे हैं। जयदीप को फिल्मों में काम करने के बाद भी वह मुकाम नहीं मिला, जिसकी उनको उम्मीद थी। लेकिन अभिनेता

को ओटीटी प्लेटफॉर्म उनके लिए गेम चेंजर साबित हुआ। उनको 'पाताल लोक' से रातों-रात घर-घर में पहचान मिली थी। लेकिन बहुत कम लोगों को मालूम है कि जयदीप एक्टिंग फील्ड में नहीं बल्कि भारतीय सेना में शामिल होना चाहते थे। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर जयदीप अहलावत के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... **जन्म और शिक्षाः** हरियाणा के रोहतक के जिले के महम क्षेत्र के खरकड़ा गांव में 08 फरवरी 1978 को जयदीप अहलावत का जन्म हुआ था। उन्होंने साल 2005 में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में एमए किया। बहुत कम लोग इस बारे में जानते हैं कि जयदीप एक्टिंग फील्ड में नहीं बल्कि भारतीय सेना में अधिकारी बनना चाहते थे। जिसके लिए उन्होंने कई प्रयास भी किए, लेकिन एसएसबी इंटरव्यू पास नहीं कर पाने के कारण उनका यह सपना अधूरा रह गया। **अभिनयः** एसएसबी इंटरव्यू क्लियर न हो पाने पर जयदीप की जिंदगी ने नया मोड़ लिया। उन्होंने अभिनय की ओर कदम बढ़ाया है। जयदीप ने पंजाब और हरियाणा में कई स्टेज शो किए। धीरे-धीरे उन्होंने अभिनय को गंभीरता से लेना शुरू किया और मुंबई का रुख किया। इंडस्ट्री में बिना किसी गॉडफादर के जयदीप ने अपनी जगह बनाने का फैसला किया। **प्रोफेशनल ट्रेनिंगः** बता दें कि साल 2008 में जयदीप अहलावत ने फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया से एक्टिंग की पढ़ाई पूरी की। जयदीप के बैच में राजकुमार राव, विजय वर्मा और सनी हिंदुजा जैसे कलाकार शामिल थे। अभिनेता ने यहां से अभिनय की तकनीकी समझ और आत्मविश्वास मिला। **ओटीटी से मिली असली पहचानः** साल 2008 में जयदीप अहलावत ने अपने करियर की शुरूआत शॉर्ट फिल्म 'नर्मीन' से की थी। इसके बाद वह फिल्म 'खट्टा मीठा', 'आक्रोश' और 'रॉकस्टार' में नजर आए थे। लेकिन इन फिल्मों से जयदीप को पहचान नहीं मिली। लेकिन जयदीप के लिए ओटीटी प्लेटफॉर्म उनके करियर के लिए टर्निंग प्वांइट बना। 'द बार्ड ऑफ ब्लड', 'द ब्रोकन न्यूज', 'ब्लडी ब्रदर्स' और 'पाताल लोक' जैसी सीरीज से उनको एक अलग पहचान मिली। वहीं 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' में जयदीप अहलावत का छोटा सा किरदार दर्शकों को आज भी याद है। वह उन अभिनेताओं में गिने जाते हैं, जो हर किरदार में जान डाल देते हैं।

प्रसिद्धि पाने का शॉर्ट कट शरीर प्रदर्शन

मुम्बई। आज दुनिया ने अपनी सहूलियत के लिए हर काम के लिए शॉर्ट कट बना रखे है। फिल्मों में प्रसिद्धि पाने का शॉर्ट कट शरीर प्रदर्शन है। शर्मिला टैगोर से लेकर कोमिला विर्क तक इस फॉर्मूले पर चलती आई हैं। कोमिला विर्क ने अभी तक फिल्मों में चाहे कोई स्थान न बनाया हो किंतु पत्र-पत्रिकाओँ में उसके फोटो इस कदर छपते है कि शायद आज किसी टॉप की हीरोइन के भी नही छपते। यही कारण था कि मैं कोमिला विर्क को इंटरव्यू करने के लिए मज़बूर हो गया। कोमिला से फोन पर समय लेकर जब मैं उसेक फ्लैट पर पुहंचा तो पता चला कि रात घर पर पार्टी थी इसलिए वह लेट सोई है। ड्राइंग रूम में फूलों के बुकों का ढेर इस बात की गवाही दे रहा था कि रात वाकई वहां कोई पार्टी दे रहा था लेकिन इसके बावजूद वह उठ कर हमारे सामने आ बैठी नाइट लिबास से उसके शरीर का ऊपरी भाग उससे बगावत करके दावते नज़ारा दे रहा था।आजकल पत्र-पत्रिकाओँ में आपके जिस प्रकार के फोटो छप रहे है उससे लगता है कि आप पब्लिसिटी के मामले में खूब दिल खोलकर हिस्सा ले रही है मैंने बातचीत शुरू करते हुए कहा क्या पब्लिसिटी के लिए इससे हट कर कोई रास्ता नही हो सकता? मैंने एक इंगलिश पत्रिका में छपे उसके पोज़ को चर्चा का विषय बना कर कहा।

देखिए, मैं मॉडर्न लड़की हूं। मैं हर प्रकार के लिबास पहनती हूं। आप किस पोज़ की चर्चा कर रहे है। उसमें मैं पूर्ण नग्न नही हूं। यह फोटोग्राफर के एंगल का कमाल है। दरअसल जब तक बोल्ड फोटो न हो तो लोग देखना तो दूर रहा अखबार वाले किसी नई लड़की का फोटो छापना भी पसंद नही करते। यही कारण है कि पिछले दिनों मेरे जितने फोटो भी फोटोग्राफरों ने लिए थे, वे सारे के सारे अखबारों में खूब बड़े-बड़े होकर छपे है। आज मैं नई हूं तो आप लोग इस तरह की बातें करते है वरना मुझसे पूर्व शर्मिला, सायरा आदि भी बिकनी में फोटो दे चुकी हैं। मैंने भी दे दिया तो कौन-सी बड़ी बात हो गई कोमिला ने बताया।जिस तरह पब्लिसिटी के मामले में ऐसा बोल्ड स्टेप उठाया है क्या आप फिल्मों में ऐसे पोज देंगी? मेरा मतलब न्यूडिटी और किसिंग आदि से है। मैं मॉडर्न जरूर हूं लेकिन पूर्ण न्यूड सीन तो नही करूंगी। दरअसल कल्चर इस बात की इज़ाजत नही देता। मैं इसीलिए वेस्ट की अंधाधुंध नकल के खिलाफ हूं। मैं शराब पीने और सिगरेट पीने को मॉडर्न नही समझती कोमिला ने कहा। अगर आपको सिद्धार्थ में सिम्मी वाला रोल दिया जाता या मेरा नाम जोकर जैसा सीन करने को दिया जाए तो आप करेंगी। मैंने पूछा। क्यों नही अगर कहानी डिमांड करती है और निर्देशक कन्विस कर देता है तो मुझे ऐसे रोल करने में कोई आपत्ति नही होगी। न्यूडिटी अपने तौर पर अश्लील नहीं है उसे किस प्रकार पेश किया जाता है, उसी से गंदगी पैदा होती है। अगर निर्देशक की नियत बुरी नही है तो कितना ही बोल्ड सीन हो वह आर्टिस्टिक ही लगेगा, कोमिला ने कहा। इम्तियाज, ने पिछले दिनों जो लेख छपवाया था, उसके बारे में क्या अपने कोई एक्शन लिया? वह गॉसिप वालों की शरारत है या पब्लिसिटी स्टंट? मैंने पूछा। दिल्ली से मैं यहां अपना कैरियर बनाने आई हूं। अभी इस स्थान पर नही पहुंची हूं कि किसी के खिलाफ कोई एक्शन ले सकूं। इस सूरत में लोग मुझ पर ही उंगलियां उठाएंगे यह तो इंडस्ट्री के कर्ता धर्ताओं का काम है कि वे एक्शन लें और सुना है कि उसके खिलाफ एक्शन लिया गया है। उसी मैगज़ीन में अपॉलॉजी छपी भी है। गॉसिप को बुरा नहीं समझती लेकिन शर्त यही है कि वह किसी सीमा में होना चाहिये। उससे किसी का दिल नही दुखना चाहिये। अन्यथा मेरे बारे मे कोई कुछ लिखे मैं किसी बात को सीरियसली नही लेती। कोमिला ने अपने मॉडर्न होने का प्रमाण देते हुए कहा। आप को मालूम है इम्तियाज़ को यह घटिया स्टंट बड़ा महंगा पड़ा है। उसे अगर पब्लिसिटी लेनी थी तो अपने नाम से लेता। हम लोगों के नामों का सहारा नही लेना चाहिये था। उसकी इस हरकत पर रेखा ने उसे अपनी सारी फिल्मों से कट कर दिया है। उसके एक्शन लेने पर जी।पी। सिप्पी ने भी उसे बड़ी डांट पिलाई है। शत्रुघ्न सिन्हा ने भी उसकी फिल्म चोर स्वामी रूकवा दी है। क्योंकि उसने एक इंटरव्यू में शत्रु पर खाक डालने की कोशिश की थी। कोमिला ने सहर्ष जानकारी देते हुए कहा। आपको इस इंडस्ट्री में आए कितना समय हो गया है? किस प्रकार आपको फिल्में मिलना शुरू हुई। कुछ इस पर प्रकाश डालिये। मैंने कहा। मुंबई आए अभी केवल तीन ही साल हुए है। शुरू में सबने ही डिसक्रेज किया, जिससे मैं मॉडलिंग में निकल गई। उसी दौरान देव आनंद ने मुझे मिस मुंबई का ताज पहनाया था, एक महीने बाद उन्होंने फोन करके मुझे बुलाया और इश्क इश्क इश्क के लिए अनुबंधित कर लिया। ऐसे ही

अब्बास साहब (के। अब्बास) ने मेरा फोटो देखा तो संदेशा भिजवाया, मैं गई, बातचीत हुई। एक दिन बाद बुलाया और फासला के लिए साइन कर लिया। इसी प्रकार बृज कत्याल जी से मिली तो एक हफ्ते के अंदर उन्होंने भी प्रेमिका के लिए साइन कर लिया था। अभी तक फासला इश्क इश्क इश्क और चोरी मेरा काम रिलीज़ हो चुकी है किंतु मेरा काम हौच पौच होकर रह गया था। इनसे मुझे कोई फायदा नही हुआ। हालांकि साइन करते वक्त सब अच्छी लगी थी। कोमिला ने बताया मैं यहां हीरोइन बनने आई थी किंतु समय निकालने के लिए जो फिल्म मिली ले ली। अब के।ए। नारायण की फिल्म वृंदावन में हीरोइन का रोल मिला है। जो कि नादिया टाइप का है किंतु मैं ऐसे ही रोल करना चाहती हूं एक ऐसा ही रोल राजेश खन्ना की 007 में मिला है।हमने सुना है कि 007 में पद्मिनी के अलावा राजेश खन्ना ने अन्य दोनों लड़कियों (केटी मिर्जा और कोमिला) के रोल कम करवा दिये है? मैंने पूछा।पद्मिनी मेरे साथ काफी फ्रैंडली है। उसने ऐसा कुछ नही बताया। हम तीनों एजेंट है और तीनों के बराबर के रोल है। भोली कोमिला ने बताया (वह यह भूल गई कि राजेश ने पद्मिनी को हीरोइन बनाया है उसे रोल भी वैसा ही दिलवाएगा।)क्यों नही उसके बाद मैंने आठ फिल्में साइन की। मैंने फरवरी जुलाई तक बारह फिल्में साइन की थी आज कुल बीस फिल्मों में काम कर रही हूं कोमिला विर्क ने बताया।आप फिल्मों में किस प्रकार के रोल कर रही है और स्वंय किस प्रकार के रोल करना चाहती है? मैंने पूछा फिलहाल तो पसंद का सवाल ही नही पैदा होता। इस वक्त हर प्रकार के रोल कर रही हूं जिनमें महागुरू में एक तवायफ का रोल है। ड्रीम गर्ल में धर्मेन्द्र की पहली प्रेमिका का रोल कर रही हूं प्रेमनाथ और डी।डी कश्यप मिलकर वाजिद अली शाह बनाने वाले है। जिसमें मैं वाजिद अली शाह की बेगम का रोल करने वाली हूं वाज़िद अली शाह प्रेमनाथ होंगे। कोमिला ने बताया हां एक फिल्म ऋषि की भी करने वाली हूं। आप अकेली रहती है। क्या आपको अकेलापन अखरता नही है? अपना समय कैसे काटती है? मैंने पूछा।मुझे अकेलापन अखरता नही है। मेरे साथ मेरी मम्मी और कज़िन सिस्टर रहती है फिर मेरी कुछ गैर फिल्मी सहेलियां वह आ जाती है और अगर कोई नही होता तो नॉवल पढ़ा करती हूं।हीरोज़ में राजेश खन्ना, धर्मेन्द्र और हीरोइनों में जया, शर्मिला, वहीदा रहमान और मुमताज मेरे फेवरेट स्टार्स है।जी हा, मेरी रिषि दा (ऋषिकेश मुखर्जी) और गुलज़ार के साथ काम करने की बड़ी तमन्ना है।अच्छा यह बताइये हिंदी फिल्मों में हीरोइनों को जिस अंदाज से प्रस्तुत किया जा रहा है उसके बारे में आपका क्या ख्याल है? हिंदी फिल्मों में औरतों की महत्ता बहुत कम है। हेमा मालिनी के अलावा सबके रोल बरापु य-नाम होते है। पता नही यह हमारा दोष है या निर्माताओं को हीरोइन ओरियेंटिड कहानियां नही मिलती है। हीरोइनों को तो डेकोरेटिड पीस बना कर रख दिया गया है। कोमिला ने खेद पूर्वक अपना विचार प्रकट करते हुए कहा।क्या आप मायापुरी पढ़ती है? बाकायदा खरीद कर पढ़ती हूं और इसलिए पसंद करती हूं कि वह पीली पत्रकारिता से पाक है। इसके मैटर के साथ इसके स्थाई कॉलम बहुत रोचक है कोमिला विर्क ने कहा,इंटरव्यू खत्म करके हम उठने लगे तो इतने में नौकरानी चाय लेकर आ गई। चाय खत्म की तो कोमिला रात के बुके उठा लाई। बोली इतने सारे बुके जमा हो गए है कि अगर दुकान लगाना चाहूं तो बहुत बड़ी दुकान लग जाए लेकिन ऐसा हो नही सकता लीजिए एक-एक आप लेते जाइये। रात मैंने बर्थडे पार्टी मनाई जरूर लेकिन खालिस घरेलू अंदाज में बहुत दिनों से लोगों के यहां शरीक होती आई थी उनका बदला चुकाना था इसलिए मना ली। लेकिन अक्तूबर में मैं खालिस फिल्मी पार्टी दूंगी उसमें आप जरूर आइयेगा कोमिला ने पेशगी दावत देते हुए कहा। हम वहां से रूख्सत हुए तो उसकी बातों की मिठास हमारे कानों में, फूलों की खुशबू दिमाग में बसी हुई थी। उसके अभिनय की महक तो उसकी आने वाली फिल्में देखकर ही मालूम होगी। उसकी चंद खास फिल्में यह है ड्रीम गर्ल, महागुरू, बुलेट, 007, हेरा फेरी, अमर अकबर एंथनी, दरिन्दा, छोटी सी बात, चोर सिपाही, जिंदा, दुनिया मेरी जेब में और वृंदावन व राज करेगा खालसा (पंजाबी) इन आखिरी दो फिल्मों में वह हीरोइन का रोल कर रही है फिल्में देखकर यदि आप कोमिला विर्क को पत्र लिखें तो उसे बड़ी खुशी होगी।

विक्की कौशल को इस फिल्म को ठुकराने का पछतावा है

मुम्बई। विक्की कौशल इस समय सातवें आसमान पर हैं, क्योंकि उनकी हाल ही में रिलीज़ हुई फिल्म 'छावा' ने बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर दिया है। लक्ष्मण उटेकर द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक पीरियड ड्रामा है, जिसमें विक्की कौशल छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका निभा रहे हैं। अभिनेता ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह बॉलीवुड के सबसे बहुमुखी अभिनेताओं में से एक हैं। उनकी फिल्मोग्राफी में मसान, उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक, सैम बहादुर, संजू और अन्य जैसी फि़ल्में हैं। लेकिन एक ऐसी फिल्म है जिसे ठुकराने का उन्हें पछतावा है। नेहा धूपिया के चैट शो में अपनी उपस्थिति के दौरान, विक्की कौशल से एक ऐसी फिल्म का नाम बताने के लिए कहा गया, जिसे उन्हें ऑफ़र किया गया था, लेकिन उन्हें इसे ठुकराने का पछतावा है। अभिनेता ने खुलासा किया कि उन्हें स्त्री ऑफ़र की गई थी। विक्की ने कहा, 'स्त्री, ऐसा इसलिए था क्योंकि मैं उसी समय मनमजिर्या कर रहा था।

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ.दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्त्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।